दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 197/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शनिवार 25 फरवरी 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

अडाणी-हिंडनबर्ग विवाद से एलआईसी को बड़ा नुकसान, ऑल टाइम लो के करीब पहुंचा एलआईसी का शेयर

सांध्यप्रकाश विशेष

भारत पहुंचे जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज, पीएम मोदी से मुलाकात

नई दिल्ली। जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज 2 दिन के भारत दौरे पर दिल्ली पहुंच हैं। यहां उन्होंने राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान शोल्ज ने कहा- भारत और जर्मनी के बीच पहले से ही अच्छे संबंध हैं। हम इन्हें मजबूत करते रहेंगे। मुझे उम्मीद है कि हम दुनिया के विकास और विश्व शांति पर भी चर्चा कर सकें। कुछ देर बाद दोनों नेताओं के बीच रूस-यूक्रेन जंग, क्लाइमेट चेंज, चीन के साथ ही द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर बातचीत होगी। इसके बाद चांसलर शोल्ज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मिलेंगे। शोल्ज की इस यात्रा में दोनों देशों के बीच साथ मिलकर 6 कन्वेंशनल सबमरीन बनाने के लिए 5.2 अरब डॉलर की एक डील होगी।

6वें इंटर गवर्नमेंटल कंसल्टेशन पर होगी चर्चा: 2011 में दोनों देशों के बीच इंटर-गवर्नमेंटल कंसल्टेशन की शुरुआत हुई थी। शोल्ज इस यात्रा के दौरान आईजीसी के परिणामों पर चर्चा करेंगे। साथ ही इस यात्रा से भारत और जर्मनी के रक्षा सहयोग मजबूत होंगे। इसके अलावा दोनों देश साइंस एंड टेक्नोलॉजी और इकोनॉमी के क्षेत्र में अपने संबंधों को मजबूत कर सकेंगे। जर्मन चांसलर बनने के बाद ओलाफ शोल्ज का ये पहला भारत दौरा है। उनके साथ वरिष्ठ अधिकारी और एक बिजनेस डेलिगेशन भी मौजूद है। 26 फरवरी को वो बेंगलुरु जाएंगे।

सीधी में बल्कर ने 3 बसों को मारी टक्कर, दो बसें खाई में गिरीं, 17 की मौत

घटनास्थल पर और अस्पताल पहुंचे मुख्यमंत्री, मृतकों के परिजनों को दस लाख की सहायता, आश्रितों को नौकरी

सीधी। सीधी जिले के चुरहट थाना क्षेत्र अंतर्गत मोहनिया टनल के पास शुक्रवार रात बड़ा सड़क हादसा हो गया। रात करीब 9.00 बजे तेज रफ्तार बल्कर की टक्कर से तीन बसें आपस में टकरा गईं। ये बसें सतना में आयोजित कोल जनजाति महाकुंभ से लोगों को उनके गंतव्य ले जा रहीं थीं। हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 61 लोग घायल हुए हैं।घायलों को सीधी के जिला अस्पताल, चुरहट के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और रीवा के संजय गांधी मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। हादसे में आठ लोगों की घटनास्थल पर, एक की सीधी और चार की रीवा मेडिकल अस्पताल में मौत हो गई।

हादसे की जानकारी मिलने पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान घायलों का हाल-चाल जानने के लिए सतना से रीवा पहुंचे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान संजय गांधी अस्पताल पहुंचे। उनके साथ राज्यमंत्री रामखेलावन पटेल, पूर्व मंत्री राजेंद्र शुक्ला और रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा मौजूद रहे।

घायलों से मुलाकात करने के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मीडियाकर्मियों से बातचीत की। उन्होंने बताया कि ट्रक का पहिया टूट जाने के कारण यह दुर्घटना हुई है। मृतकों के परिजनों को दस लाख रुपए की आर्थिक सहायता के साथ अगर उस परिवार में कोई आश्रित सरकारी नौकरी की पात्रता रखता है तो उसे नौकरी दी जाएगी। गंभीर रूप से घायल लोगों को दो लाख और सामान्य रूप से घायल व्यक्ति को एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। आवश्यकता हुई तो गंभीर घायलों को विमान से उपचार के लिए भेजा जाएगा।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और राज्यपाल ने शोक जताया

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने हादसे पर शोक जताया है। सीएम शिवराज सिंह चौहान घटनास्थल से रीवा मेडिकल कालेज घायलों का हाल देखने पहुंचे। अमित शाह कल सतना में कोल महाकुंभ में शामिल हुए थे।

कमलनाथ ने जताया शोक

बस हादसे को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने भी शोक व्यक्त किया है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

मप्र में लाड़ली बहना योजना को केबिनेट की हरी झंडी

मंत्रिमंडल की बैठक में सीधी दुर्घटना में मृतकों को श्रद्धांजलि

भोपाल। प्रदेश मंत्रिमंडल ने आज लाड़ली बहना योजना को हरी झंडी दे दी। केनिबेट की बैठक में योजना को सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आज समत्व भवन में मंत्रिपरिषद की बैठक प्रारंभ होने के पहले मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सीधी जिले में कल हुई सड़क दुर्घटना का विवरण दिया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दुर्घटना में मृत हुए नागरिकों के परिवारों को और गंभीर एवं साधारण घायलों के उपचार की व्यवस्था की जानकारी भी दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा इस विपदा से प्रभावित परिवारों को राज्य शासन का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। मंत्री परिषद की बैठक शुरू होने के पहले इस दुर्घटना में मृतक नागरिकों को दो मिनिट मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।

इसके बाद लाड़ली बहना योजना पर बैठक में प्रजेंटेशन दिया गया। प्रदेश में महिलाओं के सर्वांगीण विकास हेतु प्रदेश में महिलाओं के स्वालम्बन एवं उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सतत सुधार को बनाये रखने एवं महिलाओं की परिवार में निर्णय की भूमिका सुदृढ़ किये जाने हेतु प्रदेश शासन द्वारा मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना 2023 लागू की जा रही है जो महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण तथा आर्थिक स्वावलम्बन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। इससे परिवार स्तर पर महिलाओं के निर्णय लिये जाने में भी प्रभावी भूमिका होगी।

योजना अंतर्गत मध्यप्रदेश की 23 से 60 वर्ष के मध्य की विवाहित महिला को लाभ की पात्रता होगी। प्रत्येक पात्र महिला को उसकी पात्रता अवधि में 1000/- रूपये प्रतिमाह के मान से राशि सीधे उसके आधार लिंक्ड डीबीटी इनेबल्ड बैंक खाते में जमा की जायेगी। किसी परिवार की 60 वर्ष से कम आयु की महिला को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में प्रतिमाह राशि रूपये 1000/- से कम जितनी राशि प्राप्त हो रही हो तो उस महिला को रूपये 1000/- तक राशि की पूर्ति की जायेगी। योजना अंतर्गत समस्त आवेदन निःशुल्क ऑनलाईन प्राप्त किये जायेगे इसके अतिरिक्त हितग्राही यदि स्वयं उपस्थित होकर आवेदन हेतु आवश्यक जानकारी का प्रपत्र देता है तो उसकी भी प्रविष्टी ऑनलाइन पोर्टल पर की जायेगी। योजना में समयसीमा में स्वीकृति दिये जाने का प्रावधान रखा गया है। आगामी वित्तीय वर्ष 2023-24 में योजना अंतर्गत लगभग एक करोड़ महिला हितग्राहियों को 1000 रूपये प्रतिमाह के मान से राशि खाते में जमा की जाएगी।

कांग्रेस अधिवेशन का दूसरा दिन

देश में नफरत का माहौल, प्रधानसेवक रेल, जेल, तेल अपने मित्र को बेच रहेः खड़गे

रायपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन का शनिवार को दूसरा दिन है। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि, देश में नफरत का माहौल है। सरकार रेल, जेल, तेल सब कुछ अपने मित्रों को बेच रही है। दिल्ली सरकार में बैठे लोगों का डीएनए गरीब विरोधी है।

तीन दिन चलने वाले अधिवेशन को आज मल्लिकार्जुन खड़गे संबोधित कर रहे हैं। कुछ ही देर में सोनिया गांधी संबोधित करेंगी। राहुल आखिरी दिन यानी रविवार को संबोधित करेंगे। उधर, खबर है कि पार्टी इस अधिवेशन में अपने संविधान को बदल सकती है। उन्होंने कहा कि देशवाशियों को एक संकल्प लेना है। सेवा, संघर्ष और बलिदान...सबसे पहले हिंदुस्तान। गांधी जी ने आजादी के लिए किसानों और मजदूरों को झंडे के नीचे खड़ा किया। उन्होंने संविधान में भी बड़ा बदलाव किया। कांग्रेस जन आंदोलन के रूप में जनता के बीच आई। और यहीं से एक आंदोलन शुरु हुआ। 75 साल में आज देश सबसे कठिन चुनौतियों से जूझ रहा है। गांधी ने छुआ-छूत के विरोध में पूरे देशभर में प्रचार किया।

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा मेरी राजनीतिक पारी का अंतिम पड़ाव हो सकती हैः सोनिया गांधी

कांग्रेस पार्टी के 85वें पूर्ण अधिवेशन में सोनिया गांधी ने कहा कि कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा मेरी राजनीतिक पारी का अंतिम पड़ाव हो सकती है। सोनिया ने शनिवार को अपने संबोधन में कहा- भारत जोड़ो यात्रा के साथ ही मेरी राजनीतिक पारी अब अंतिम पड़ाव पर है। सोनिया ने पहली बार पार्टी अध्यक्ष की कुर्सी संभालने से लेकर अब तक आए उतार-चढ़ाव को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा- 1998 में जब मैं पहली बार पार्टी अध्यक्ष बनी तब से लेकर आज तक यानी पिछले 25 सालों में बहुत कुछ अच्छा और कुछ बुरा अनुभव भी रहा। 2004 और 2009 में पार्टी का परफॉर्मेंशन हो या फिर मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनाने का मेरा निर्णय। यह व्यक्तिगत तौर पर मेरे लिए संतोषजनकर रहा। इसके लिए पार्टी कार्यकर्ताओं का मुझे पूरा सहयोग मिला। जिस बात से मुझे सबसे ज्यादा संतुष्टि है, वह ये कि भारत जोड़ो यात्रा के साथ अब मेरी पारी समाप्त हो सकती है। ये पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है।

हर वर्ग को लगे मेरी सरकार हैः बघेल

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि, सरकार ऐसी बने कि हर वर्ग को लगना चाहिए की सरकार मेरी है, आज हमें यह कहने में गर्व हो रहा है कि, राहुल गांधी ने जो वादा किया था वह पूरा हुआ है।

5 नियमों में बदलाव?

संगठन के पदाधिकारियों को दी गई शक्तियों के नियमों में बदलाव हो सकते हैं। इनमें ये 5 नियम अहम हैं- मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी और राहुल गांधी सीडब्लूसी के आजीवन सदस्य होंगे। अब शराब नहीं पीने और सिर्फ खादी पहनने वालों को सदस्य बनाने का नियम भी बदलेगा। कांग्रेस संविधान संशोधन कमेटी 16 संविधान और 32 नियमों में बदलाव का प्रस्ताव देगी। लोकसभा-विधानसभा चुनाव में आधी सीटों पर 50 साल से कम उम्र वालों को टिकट मिलेगी। कांग्रेस संगठन में मतदान केंद्र से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर सोशल ऑडिट होगा। देशभर में आरक्षित लोकसभा सीटों पर चुनाव से पहले नई और युवा लीडरशिप तैयार की जाएगी।

सीडब्ल्यूसी में अब 35 सदस्य होंगे

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की वर्किंग कमेटी में अब 35 सदस्य होंगे जिसमें हर राज्य की प्रदेश कांग्रेस कमेटी के छह पीसीसी डेलीगेट्स पर एक एआईसीसी डेलीगेट्स बन सकेगा। इस प्रकारण अब एआईसीसी डेलीगेट्स की संख्या 1240 की जगह 1653 हो जाएगी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के रायपुर अधिवेशन में सर्वसम्मति के साथ यह प्रस्ताव पारित हो गया। रणदीप सिंह सुरजेवाला ने इस प्रस्ताव पर हाथ उठवाकर अधिवेशन में पहुंचे एआईसीसी डेलीगेट्स का समर्थन प्रदर्शित कराया। सुरजेवाला ने एआईसीसी डेलीगेट्स, वर्किंग कमेटी की संख्या सहित छह बड़े संशोधनों पर सभी डेलीगेट्स की राय जानी। उन्होंने मंच से छह प्रमुख संशोधनों को रखा और सभी से सहमति मांगी।

विंध्य में भारतीय जनता पार्टी की चुनौतियों को दूर करेंगे : शाह

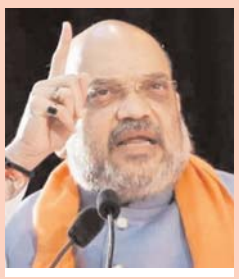

भोपाल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का विंध्य क्षेत्र के सतना का दौरा राजनीतिक दृष्टिकोण से भी काफी अहम है। 30 विधानसभा सीटों वाला यह क्षेत्र पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा के साथ रहा है। यहां की 30 सीटों में से 23 भाजपा के पास हैं, लेकिन पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा कराए गए सर्वे में इस बार यहां सत्ता विरोधी रुझान हावी है। इसके कई कारण सामने आए हैं। जैसे भाजपा विधायक नारायण त्रिपाठी पार्टी लाइन के खिलाफ जाकर पृथक विंध्य राज्य की मांग के साथ ही क्षेत्र की उपेक्षा का आरोप लगाकर अभियान चला रहे हैं। इससे भाजपा का माहौल प्रभावित हो रहा है। इसी तरह ब्यौहारी से भाजपा विधायक शरद कोल की कांग्रेस से निकटता भी पार्टी को नुकसान पहुंचा रही है। उत्तर प्रदेश से लगा क्षेत्र होने के कारण स्थानीय राजनीति में जाति भी एक अहम मुद्दा है। इसे साधने और उनकी नाराजगी दूर करने के लिए अलग-अलग जातियों के बीच भाजपा कार्यक्रम आयोजित कर रही है। भाजपा की राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले अमित शाह ने मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। उन्होंने पहला दौरा विंध्य क्षेत्र में बनाया है ताकि चुनौतियों को समझकर दूर किया जा सके।

103 हारी सीटों को जीतने भाजपा की नई रणनीति

भोपाल। मप्र में इस साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। साल 2018 के आम चुनाव में नंबर गेम में पिछड़ने के बाद बीजेपी ने अब इस बार के विधानसभा चुनाव को लेकर हारी हुई 103 सीटों को जीतने के लिए रणनीति बनाई जा रही है। इन हारी हुई 103 विधानसभाओं को जीतने के लिए बीजेपी ने रणनीति पर काम शुरु कर दिया है। इन्हीं सीटों पर हारे हुए बूथों को जीतने से लेकर प्रत्याशियों के चयन की एक्सरसाइज भी संगठन ने शुरु की है। इन सीटों को आकांक्षी विधानसभा नाम दिया गया है। रविवार को इन सीटों को लेकर प्रदेश भाजपा कार्यालय में बड़ी बैठक आयोजित की गई है।

हाई कोर्ट ने अशासकीय शालाओं को पाठ्यक्रम की अनिवार्यता से किया मुक्त

जबलपुर। हाई कोर्ट ने अशासकीय शालाओं को पाठ्यक्रम की अनिवार्यता से मुक्त कर दिया है। फिलहाल, यह राहत अशासकीय विद्यालय परिवार, मप्र संस्था से जुड़े समस्त सदस्य विद्यालयों को मिली है। शेष अशासकीय विद्यालयों को यह राहत हासिल करने अपने स्तर पर हाई कोर्ट की शरण लेनी होगी। न्यायमूर्ति विशाल धगट की एकलपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान याचिकाकर्ता अशासकीय विद्यालय परिवार व उसके अध्यक्ष मोहनदास नागवानी की ओर से अधिवक्ता दीपक पंजवानी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि 24 फरवरी को शिक्षा विभाग, मप्र शासन द्वारा बीच सत्र में निजी स्कूलों में पांचवीं-आठवीं परीक्षा बोर्ड पैटर्न पर आयोजित करने संबंधी पत्र जारी किया गया।

बसपा विधायक राजू पाल हत्याकांडः योगी बोले- माफिया को मिट्टी में मिला देंगे

प्रयागराज। बसपा विधायक राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल और गनर की शुक्रवार को हुई हत्या के मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। उमेश पाल की पत्नी जया पाल ने अतीक अहमद के साथ ही अतीक के भाई, पत्नी शाइस्ता परवीन, अतीक अहमद के दो बेटों और अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। प्रयागराज पुलिस ने अतीक अहमद के दोनों बेटों के साथ करीब सात संदिग्धों को हिरासत में लिया है।

इधर, सीएम योगी ने सदन में जवाब दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, %हम माफियाओं के खिलाफ हैं, उन्हें मिट्टी में मिला देंगे। हम किसी भी माफिया को नहीं छोड़ेंगे।% उन्होंने कहा कि सपा ने ही अतीक अहमद को प्रश्रय दिया है। अपराधी को सांसद बनाओ फिर तमाशा करो। मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा माफियाओं की पोषक है। राजू पाल हत्याकांड में अतीक अहमद दोषी है, उसे सपा ने विधायक बनाकर प्रश्रय दिया।

सुकमा में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में डीआरजी के तीन जवान शहीद, 2 घायल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में डीआरजी के तीन अधिकारी शहीद हो गए। मृतकों में एएसआई रामूराम नाग, सहायक कांस्टेबल कुंजम जोगा और सैनिक वंजम भीमा शामिल हैं। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के जगरगुंडा थाना क्षेत्र के जंगलों में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच फायरिंग होने की खबर है। सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में डीआरजी के तीन अधिकारी शहीद हो गए हैं। मृतकों में एएसआई रामूराम नाग, सहायक कांस्टेबल कुंजम जोगा और सैनिक वंजम भीमा शामिल हैं। डीआरजी की पार्टी नक्सल गस्त सर्चिंग पर रवाना हुई थी। अभियान के दौरान जगरगुंडा व कुन्देड़ के मध्य पुलिस पार्टी और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में डीआरजी के 3 जवानों के शहीद होने और 2 जवानों के जख्मी होने की खबर है।

संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय की छात्राएं जिला स्तरीय प्रतियोगिता में पुरस्कृत

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय की छात्राओ अवनि शर्मा एवं शेमा महफूज ने पंडित कुंजीलाल दुबे संसदीय विद्यापीठ भोपाल द्वारा आयोजित जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में भाग लिया। इस प्रतियोगिता का विषय क्या लोकतंत्र वोट देने तक ही सीमित था। इसमें विपक्ष में अवनि शर्मा ने प्रथम और पक्ष में शेमा महफूज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पंडित कुंजीलाल दुबे संसदीय विद्यापीठ के वार्षिकोत्सव में अवनि शर्मा को दस हजार रुपए की नगद राशि और प्रमाण पत्र साथ ही शेमा महफूज को पांच हजार रुपए की नगद राशि और प्रमाण पत्र से पुरस्कृत किया जाएगा। ज्ञात हो कि इसमें भोपाल के विभिन्न प्रतिष्ठित 19 महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभागिता की थी। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने छात्राओं की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्राओं के आत्मविश्वास में वृद्धि करता है। प्रतियोगिता में प्रतिभागिता करना महत्वपूर्ण है।

साधु वासवानी स्कूल में मनाया गया आशीर्वाद समारोह का आयोजन

माता-पिता व गुरुजन का सदैव सम्मान करना चाहिए: सिद्ध भाऊ

संत हिरदाराम नगर। सुधार सभा द्वारा संचालित साधु वासवानी स्कूल के नंदवानी आडिटोरियम में आशीर्वाद समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संत सिद्ध भाऊ विशेष रूप से उपस्थित थे। छात्र परिषद के पदाधिकारियों को सिद्ध भाऊ द्वारा उनके वर्ष भर किए गए सराहनीय कार्यों के लिए स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में नन्हें मुन्हें बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुतियां दी गई। सिद्ध भाऊ ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आशीर्वाद शब्द का अर्थ है सही मार्गदर्शन और उस पर चलने की प्रेरणा जो सदैव आपके माता-पिता व गुरुजन आपको देते रहेंगे, बस हमें उनकी बातों को धैर्य से सुनना व समझना है तत्काल प्रतिक्रिया नहीं करनी है, तत्काल प्रतिक्रिया करने से हम अपने परम हितेषी को खो देते हैं, परिवार में हो या कहीं भी हमें सही-गलत समझना आना चाहिए, इसके लिए हमारे जीवन में हमारी संगति का अच्छा होना अत्यंत आवश्यक है। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आशीर्वाद समारोह कार्यक्रम ऐसा कार्यक्रम है जहां विद्यार्थी अपने अनुभवों को एक-दूसरे के साथ साझा करते हैं और उन्होंने यहां जो सीखा उसे अपने जूनियर छात्रों को सिखाते हैं।

आकाशवाणी परिसर प्रसार भारती मे कैंसर जागरूकता और मधुमेह जांच शिविर का आयोजन

भोपाल। आकाशवाणी परिसर प्रसार भारती मे लायंस क्लब स्मार्ट सिटी द्वारा कैंसर जागरूकता और मधुमेह जांच शिविर का आयोजन किया गया इसमें मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल भोपाल लॉयन कोऑर्डिनेटर एम जे एफ लायन नरेंद्र सिंह जग्गी द्वारा लायंस क्लब इंटरनेशनल के कामकाज उपलब्धियां और समाज सेवा में योगदान के बारे में जानकारी दी गई एवं कैरियर हॉस्पिटल की कैंसर स्पेशलिस्ट डॉक्टर रिचा तिवारी द्वारा अपने व्याख्यान में कैंसर के कारणों, उनसे बचाव और उपचार पर विस्तार से उपस्थित लोगों को बताया गया इस अवसर पर आकाशवाणी भोपाल के कार्यक्रम प्रमुख श्री विश्वास केलकर, उप महानिदेशक अभियांत्रिकी श्री यशवंत चिवड़े और आकाशवाणी भोपाल के कार्यक्रम अधिकारी राजेश भट्ट सहित लायंस क्लब स्मार्ट सिटी के भूपेंद्र पटेल, इंद्रजीत सरन, महेश शर्मा, एल के बाटले सहित आकाशवाणी भोपाल के अधिकारीगण और कर्मचारी गण मौजूद थे उपस्थित सभी लोगों ने आयोजन की उपयोगिता पर आयोजन कर्ताओं को धन्यवाद दिया

रेडक्रॉस चिकित्सालय में हड्डियों के घनत्व की जांच हेतु निःशुल्क शिविर आयोजित

भोपाल। भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी म.प्र. राज्य शाखा द्वारा संचालित रेडक्रॉस चिकित्सालय में हड्डियों के घनत्व की जांच हेतु नि:शुल्क शिविर का आयोजन प्रात: 11 बजे से सायं 5 बजे तक किया गया है। रेडक्रास चिकित्सालय के अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकित दघीज द्वारा लोगों की हड्डियों के घनत्व की जांच कर परामर्श दिया गया। डॉ. दघीज ने कहा कि इस शिविर में 40 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों द्वारा हड्डियों की समस्याओं की जांच करायी गई। जिसमें खासकर जोड़ों के दर्द, कमर दर्द, घुटनों के दर्द एवं कंधों के दर्द वाले ज्यादा मरीज थे। इन मरीजों की हड्डियों के घनत्व की नि:शुल्क जांच की गई, इस जांच की कीमत बाजार में लगभग रूपये 2000-2500 तक है। रेडक्रॉस राज्य शाखा के जनरल सेक्रेटरी प्रदीप त्रिपाठी ने बताया कि स्वास्थ्य शिविरों के क्रम में रेडक्रास चिकित्सालय में हड्डियों के घनत्व की जांच हेतु नि:शुल्क शिविर का आयोजन किया गया है। इस शिविर में 83 व्यक्तियों ने नि:शुल्क जांच का लाभ लेते हुए परामर्श प्राप्त किया।

केंद्रीय दल ने राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला का निरीक्षण किया

भोपाल। प्रदेश में खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला की समीक्षा करने लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार की ओर से भोपाल आये दल ने राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, ईदगाह हिल्स और चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला का निरीक्षण किया गया। दल के द्वारा वर्तमान में प्रयोगशालाओं में उपलब्ध संसाधनों और उनके उपयोग की समीक्षा की जिसकी रिपोर्ट भारत सरकार को प्रस्तुत किया जाना है । दल ने अपने निरीक्षण के दौरान दल के द्वारा खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया ।

निगम मुख्यालय भवन निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ किये जाए : निगम आयुक्त

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

निगम आयुक्त के.वी.एस. चौधरी ने निर्माणाधीन निगम मुख्यालय भवन का निरीक्षण किया और प्रचलित कार्यों के संबंध में अधिकारियों से विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की और निगम मुख्यालय भवन निर्माण के कार्य मानक स्तर की गुणवत्ता के साथ करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने भवन में की जा रही चुनाई आदि कार्यों का जायजा लिया और निगम भवन में पर्याप्त मात्रा में प्राकृतिक प्रकाश व्यवस्था एवं आवश्यकतानुसार ओपन स्पेस रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने अधिकारियों एवं उनके स्टाफ की बैठक व्यवस्था, मीटिंग हॉल की व्यवस्था, लिफ्ट स्थापना सहित अन्य विषयों पर अधिकारियों से विस्तारपूर्वक चर्चा की। निगम आयुक्त चौधरी ने पत्रकार कालोनी के पीछे पंचशील नगर नाले पर निर्माणाधीन डायवर्सन स्ट्रक्चर एवं स्क्रीन चेम्बर तथा एकांत पार्क स्थित नाले का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त शाश्वत मीणा, मुख्य अभियंता पी.के.जैन सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

निगम आयुक्त के.वी.एस.चौधरी ने शुक्रवार को तुलसी नगर सेकेण्ड स्टाप के पास निर्माणाधीन निगम मुख्यालय भवन का निरीक्षण किया और भवन के भूतल, प्रथम तल सहित प्रचलित सभी कार्यों के संबंध में अधिकारियों से विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त चौधरी ने निगम मुख्यालय भवन निर्माण के कार्य मानक स्तर की गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने भवन में की जा रही चुनाई आदि कार्यों का जायजा लिया और निगम भवन में पर्याप्त मात्रा में प्राकृतिक प्रकाश व्यवस्था एवं आवश्यकतानुसार ओपन स्पेस रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने अधिकारियों/पदाधिकारियों एवं उनके स्टाफ की बैठक व्यवस्था, आगंतुकों की बैठक व्यवस्था, मीटिंग हॉल की व्यवस्था, लिफ्ट स्थापना, विद्युत ट्रांसफार्मर स्थापना आदि अन्य विषयों पर अधिकारियों से विस्तारपूर्वक चर्चा की। निगम आयुक्त के.वी.एस.चौधरी ने एकांत पार्क को पालीथीन व अन्य अपशिष्ट से मुक्त रखने के दृष्टिगत लिंक रोड नंबर 03 पर पत्रकार कालोनी के पीछे पंचशील नगर नाले पर निर्माणाधीन डायवर्सन स्ट्रक्चर एवं स्क्रीन चेम्बर का निरीक्षण किया और पालीथीन सहित अन्य अपशिष्ट को नाले में जाने से रोकने के लिए पत्रकार कालोनी से एकांत पार्क के बीच दो-तीन स्थानों पर पत्थर/बोल्डरों से अस्थायी बंध बनाने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने एकांत पार्क स्थित नाले का निरीक्षण किया तथा नाले की सफाई कराने और नाले पर अस्थायी बंध बनाने के निर्देश दिए। इस कार्य के पश्चात पालीथीन व अपशिष्ट मुक्त पानी आक्सीडेंशन पौंड में पहुंच सकेगा।

अजाक्स के महाधिवेशन में प्रदेश भर से प्रतिनिधि होंगे शामिल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

बैकलॉग पदों की भर्ती एवं पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करने सहित पदोन्नति में आरक्षण के लिए बनाए गए नियम को लागू करने की पुरजोर मांग की। मध्यप्रदेश अनु.जा.जन जाति अधिकारी-कर्मचारी संघ अजाक्स की एक प्रेस कांफ्रेस अरेरा हिल्स स्थित 9-मसाला रेस्टोरेंट में सम्पन्न हुई। प्रेस कांफ्रेंस को अजाक्स के प्रांतीय पदाधिकारियों ने संबोधित किया। अजाक्स के प्रांतीय महासचिव-इंजी.एस.एल.सूर्यवंशी ने संबोधित करते हुए वर्ग की मूलभूत समस्याओं की तरफ ध्यान खींचा और राज्य सरकार से शीघ्र समस्याओं पर निराकरण कराने की अपील की। आपने बताया की 26फरवरी को अजाक्स के महाधिवेषन में प्रांतीय स्तर पर कोने-कोने से अजाक्स के साथी शामिल होंगे। इस आयोजन में हमें नैतिक तौर पर अनेक आरक्षित वर्ग की विभिन्न समाजों का समर्थन भी मिल रहा है। इस अवसर पर संघ के प्रदेश पदाधिकारियों में इजी. एस. एल.सूर्यवंशी, ए.आर. सिंह, गौतम पाटिल, डॉ. मथुरा प्रसाद, सुश्री निर्मला पाटिल, एम.सी.अहिरवार, विजय शंकर श्रवण,बंसीलाल धनवाल, अवध नारायण मकोरिया, अशोक बेन,घनश्याम भकोरिया एवं जिला अध्यक्ष विनोद सिंह बट्टी इत्यादि उपस्थित रहे।

विधायक कृष्णा गौर ने किया विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण

जन कल्याणकारी योजनाओं के हितग्राहियों को लाभ वितरण किया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

शासन की योजनाओं की जानकारी व लाभ जन-जन तक पहुंचाने हेतु प्रदेश में जारी विकास यात्रा के तहत गोविन्दपुरा विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्र. 74 के विभिन्न क्षेत्रों में विधायक श्रीमती कृष्णा गौर के नेतृत्व में विकास यात्रा निकाली गई। यात्रा के दौरान विधायक श्रीमती गौर ने शासन की जन कल्याणकारी व विकास योजनाओं के संबंध में जानकारी दी और नागरिकों से योजनाओं का लाभ प्राप्त होने के संबंध में चर्चा भी की। श्रीमती गौर ने वार्ड के विभिन्न स्थानों पर लगभग 02 करोड़ 24 लाख रुपये की लागत के सड़क, नाली, स्ट्रीट लाईट सहित अन्य विकास कार्यों हेतु भूमिपूजन किए तथा सड़क, नाली एवं पार्षद कक्ष का लोकार्पण भी किया और मुख्यमंत्री जन अभियान योजना के तहत शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के 30 हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र/कार्ड आदि वितरित किए। इस दौरान अनेक पार्षदगण, गणमान्य नागरिक, नगर निगम, जिला प्रशासन व अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

विकास यात्रा के दौरान विधायक कृष्णा गौर ने गोविन्दपुरा विधानसभा के वार्ड क्र. 74 में विभिन्न स्थानों पर लगभग 0 2 करोड़ 24 लाख रुपये से अधिक के विकास कार्यों हेतु भूमिपूजन व जनसुविधाओं का लोकार्पण किया तथा मुख्यमंत्री जन अभियान योजना के तहत शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के 30 हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र/कार्ड आदि वितरित किए।

जेके म्युजिकल ग्रुप की संगीत संध्या यूं ही गाते रहो..

भोपाल। जे.के म्युजिकल ग्रुप के अध्यक्ष एवं शमा फेन्स वेलफेयर सौसायटी के इकराम उल हक ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि राज्य संग्रहालय के सभागार में शाम 5 बजे से प्रारंभ हुए कार्यक्रम एक से बढ़ कर एक गीत कलाकारों ने प्रस्तुत किए । कार्यक्रम का आरंभ डॉ रिकिता तिवारी व्दारा स्वरसती वंदना से किया गया। आगे के क्रम में कार्यक्रम ं में गायक कलाकारों में मुख्य रूप से एकल गीतों में-मोहन श्रीवास्तव व्दारा - कहीं दूर जब दिन ढल जाये, संजय व्यास व्दारा -कहना है कहना है आजं, प्रदीप सक्सेना व्दारा तन मन धन सब है तेरा अनुज सक्सेना व्दारा चेहरे पे गिरी जुल्फे, अजय राजपूत व्दारा यादों में वो, सुबोध कलमवेलकर व्दारा मेरे संग संग आया तेरी यादों का मेला हरिओम व्दारा ए अजनबी तू भी कहीं, डॉ ज्ञानेश शाक्य व्दारा जिन्दगी आ रहा हूँ मैं, संजय शर्मा व्दारा तू ही वो हसी है अर्पित माथुर व्दारा हर घड़ी बदल रही है, दर्शन दीक्षित व्दारा जिन्दगी एक सफर है सुहाना प्रस्तुत किया गया। आगे क्रम में शीतल व्यासहरिओम व्दारा तुम से मिलना बातें करना, जगदीश रायकवार. नीता येरपुड़े व्दारा ओ मेरे राजा ओ मेरी रानी, संजय शर्मा।लवली शर्मा व्दारा प्यार हमारा अमर रहेगा''शीतल व्यास।संजय व्यास व्दारा तुझे देखा तो ये जाना सनम, अनुज सक्सेना. सुनीता जी व्दारा यू ही तुम मुझसे बातर करती हो युगल गीत गाया जो श्रोताओं को काफी पसंद आया। जिनका उपस्थित श्रोताओं भरपूर आनंद लिया। अंत में शमां फेन्स वेलफेयर सौसायटी के अध्यक्ष ने कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देने वाले कलाकारों व उपस्थित श्रोताओं का आभार व्यक्त किया ।

पॉलीटेकनिक महाविद्यालय में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

अच्छा स्वास्थ्य एवं अच्छी शिक्षा, जीवन के दो सर्वोत्तम वरदान हैं। इन दोनों की प्राप्ति के लिए जीवन में खिलाड़ी की भावना से खेल खेलना आवश्यक है। जीवन की जय-पराजय को आनंदपूर्ण ढंग से लेने की महत्त्वपूर्ण आदत खेल खेलने से ही आती है। यह उद्गार सरदार वल्लभ भाई पोलीटेकनिक कॉलेज के एथलेटिक्स स्पोर्ट्स इवेंट के दौरान किरण एक्का, सहायक संचालक शारीरिक शिक्षा, तकनीकी शिक्षा विभाग म. प्र. ने भेल स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में खिलाडियों को संबोधित करते हुए कहें।स्पोर्ट्स इवेंट्स की शुरुआत 800 मीटर रेस से हुई जिसे पुरुष वर्ग में प्रताप सिंह ने जीता। सत्यम सिंह दूसरे स्थान पर रहे और आशीष बालाजी तीसरे स्थान पर रहे। 400 मीटर बॉयज केटेगरी फाइनल में उत्तम राजपूत पहले स्थान पर रहे, फहीम बैग ने दूसरा और ओम प्रकाश पटेल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर बॉयज केटेगरी में हुआ कड़ा मुकाबला देखने को मिला जिसमे अरविंद चौधरी प्रथम स्थान पर रहे। उनको टक्कर देते हुए सचित ने दूसरा और आशीष बालाजी तीसरे स्थान पर रहे। 100 मीटर बॉयज केटेगरी में कुशाग्र ने आशीष और सचित को पछाड़ते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। गर्ल्स फाइनल 400 मीटर एवं 100 मीटर में एक समान नतीजे रहे। शालिनी यादव ने पहला स्थान प्राप्त किया वहीँ शिवानी सिंह और गर्विता शर्मा ने दूसरा व तीसरा स्थान प्राप्त किया। गर्ल्स फाइनल 200 मीटर में इस बार शिवानी सिंह ने शालिनी यादव को पीछे छोड़ते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। गर्विता शर्मा तीसरे स्थान पर रहीं। शॉटपुट बॉयज केटेगरी में आयुष सिंह ने बाज़ी मारी, लाल साहू दुसरे स्थान पर रहे और फहीम बेग ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। शॉटपुट गर्ल्स केटेगरी में शिवानी सिंह पहले स्थान पर रही उनको मुकाबला देते हुए माही दुसरे और हर्षिता तीसरे स्थान पर रही। लॉन्ग जम्प में फहीम बैग ने पहला स्थान प्राप्त किया अनुराग सिंह दुसरे और जय राठौड़ तीसरे स्थान पर रहे।

लॉन्ग जम्प गर्ल्स केटेगरी में माही पहले स्थान पर रही, श्वेता और गर्विता क्रमश: दुसरे वह तीसरे स्थान पर रही। डिस्क थ्रो गर्ल्स केटेगरी में शिवानी पहले स्थान पर रही, गर्विता शर्मा दूसरे और माही तीसरे स्थान पर रही। डिस्क थ्रो बॉयज केटेगरी में हर्ष मुकाती ने पहला स्थान प्राप्त किया अभय पवार दुसरे और विशाल साहू तीसरे स्थान पर रहे। हाई जम्प में हरिओम दुबे पहले अनुराग सिंह दुसरे और कृष्णा शर्मा तीसरे स्थान पर रहे। रीले दौड़ में प्रथम ग्रुप में अंकित विश्वकर्मा, संचित, अभय, हर्ष मुकाती रहें। दूसरे ग्रुप में कुशाग्र व्यास, फहीम बैग, प्रताप सिंह, ओम प्रकाश एवं तीसरे ग्रुप में सचिन पटेल, आशीष बालाजी, सत्यम सिंह, रोहित पवार रहे।

मध्यप्रदेश में एमबीबीएस की सीटें 2055 से बढ़ कर 3700 होंगी

सतना मेडिकल कॉलेज स्वास्थ्य सुविधाओं में मील का पत्थर बनेगाः शिवराज सिंह चौहान

देश में स्वास्थ्य क्षेत्र को समग्र विकास की अवधारणा पर बढ़ाया जा रहाः केंद्रीय मंत्री शाह

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सतना मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण किया। समारोह में 43 एकड़ में विस्तारित तथा 550 करोड़ रुपये से निर्मित मेडिकल कॉलेज भवन परिसर का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि देश में स्वास्थ्य के क्षेत्र को समग्र विकास (होलेस्टिक अप्रोच) की अवधारणा पर बढ़ाया जा रहा है। सबसे पहले स्वच्छता अभियान चलाकर आम जनमानस में एक संस्कार डालने की शुरुआत की गई। इसके बाद योग, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना, फिट इंडिया, खेलो इंडिया, इंद्रधनुष अभियान, पोषण अभियान और हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को नया स्वरुप देकर स्वास्थ्य सेवाओं को गाँव-गाँव तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि भगवान श्री राम की पावन धरा विन्ध्य के सतना में मेडिकल कॉलेज की स्थापना चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगी। सतना मेडिकल कॉलेज में रोगियो को महानगरों की तरह उपचार की सभी सुविधाएँ मिलेंगी। अब इस क्षेत्र के बच्चों को मेडिकल की पढ़ाई के लिये बाहर जाने की जरूरत नहीं होगी। केन्द्रीय मंत्री श्री शाह ने कहा कि आजादी के अमृत वर्ष में देश समग्र विश्व का सिरमौर बने। ऐसे शक्तिशाली और प्रगतिशील भारत का निर्माण किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश हर क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है। स्वास्थ्य के साथ स्वच्छता भी जुड़ी हुई है। देश में 10 करोड़ शौचालयों का निर्माण किया गया है। योग को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना से अब तक 7 करोड़ से अधिक गरीबों का नि:शुल्क उपचार किया गया है। इंद्रधनुष अभियान में सभी बच्चों को जीवन रक्षक टीके लगाये जा रहे हैं। कोरोना के बाद 60 हजार करोड़ रुपये व्यय करके स्वास्थ्य संरचना को नया रुप देकर गाँव-गाँव तक पहुंचाया जा रहा है।

शाह ने कहा कि गत वर्ष के बजट में स्वास्थ्य के लिये 94 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान था, जिसमें इस वर्ष 30 हजार करोड़ रुपये की वृद्धि की गई है। देश में वर्ष 2021-22 के पहले मेडिकल कॉलेज में 51 हजार 300 डॉक्टर तैयार होते थे। अब यह संख्या बढ़कर 89 हजार 900 हो गई है। एमबीबीएस के साथ-साथ एमडी और एमएस की सीटें भी बढ़ाई जा रही हैं। देश में 22 नये एम्स अस्पताल बनाये गये हैं। मध्यप्रदेश में एमबीबीएस की 2055 सीटें उपलब्ध थीं, जो शीघ्र ही बढ़कर 3700 हो जायेंगी। राज्य सरकार ने दमोह, छतरपुर और सिवनी में भी मेडिकल कॉलेज खोलने का संकल्प लिया है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सतना का मेडिकल कॉलेज स्वास्थ्य सुविधाओं के लिये मील का पत्थर साबित होगा। इससे संबद्ध चिकित्सालय का शीघ्र निर्माण आरंभ किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अब गौरवशाली, समृद्धशाली और शक्तिशाली भारत का निर्माण हो रहा है। भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि विन्ध्य क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछाया गया है। भोपाल से विदिशा, सागर, दमोह, कटनी, रीवा होकर सिंगरौली तक विंध्य एक्सप्रेस-वे बनाया जायेगा। इसमें औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जायेगा। सतना शहर में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट से 940 करोड़ रुपये के कार्य कराये जा रहे हैं। शीघ्र ही सतना बदले हुए स्वरूप में दिखेगा और महानगरों की श्रेणी में शामिल होगा। चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग ने कहा कि आज का दिन सतना वासियों के लिये गौरव का दिन है। वर्ष 2003 से पूरे प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की सीमित संख्या को बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। अब प्रदेश में 14 शासकीय मेडिकल कॉलेज स्थापित हो गये हैं। शीघ्र ही अन्य मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण किया जायेगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी के संकल्प को पूरा करते हुए हर जिले में मेडिकल कॉलेज शुरू करने के प्रयास होंगे। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज सतना सर्व-सुविधायुक्त आधुनिक चिकित्सा प्रणाली वाला मेडिकल कॉलेज होगा। यह सुपर स्पेशिलिटी के प्रावधान को पूरा करेगा। सांसद गणेश सिंह ने कहा कि सतना के लिये आज का दिन ऐतिहासिक है। यहाँ के लोग इससे पहले इलाज कराने जबलपुर और नागपुर जाते थे। अब उन्हें सतना में ही मेडिकल कॉलेज में जटिल रोगों के इलाज की सुविधा मिलेगी। उन्होंने कॉलेज में 600 बिस्तर के अस्पताल की स्वीकृति प्रदान करने और सतना मेडिकल कॉलेज को एम्स दिल्ली के नियंत्रण में लिये जाने की मांग भी रखी। साथ ही चित्रकूट अंचल के मझगवां में अर्द्ध-सैनिक बलों के प्रशिक्षण केंद्र खोलने का भी सुझाव दिया। महापौर श्री योगेश ताम्रकार ने मेडिकल कॉलेज के समीप अपनी निजी भूमि में एक करोड़ रुपये की लागत से रोगियों के परिजन के लिये आश्रय-स्थल बनाने की घोषणा की।

प्रारंभ में केंद्रीय गृह मंत्री ने शिला पट्टिका का अनावरण कर कॉलेज का लोकार्पण किया और फिर कॉलेज भवन का अवलोकन भी किया। केंद्रीय गृह मंत्री को सांसद तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री रामखेलावन पटेल ने आभार माना। समारोह में प्रदेश के गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, सतना प्रभारी तथा वन मंत्री डॉ कुंवर विजय शाह, सांसद खजुराहो श्री वी.डी. शर्मा, विधायकगण सहित जन-प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

कोल महाकुंभ में मैहर वाद्यवृंद और बघेली लोकरंग की रही धूम

भोपाल। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह तथा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में सतना में आज कोल महाकुंभ में एक लाख से अधिक कोल समुदाय की भागीदारी रही। महाकुंभ में बाबा अलाउद्दीन खां द्वारा स्थापित मैहर वाद्यवृंद तथा बघेली लोकरंग की धूम रही। महाकुंभ में बाबा अलाउद्दीन खाँ द्वारा बनाये गये दुर्लभ वाद्य यंत्रों, नल तरंग तथा बैंजो सितार के साथ सितार, वायलिन एवं अन्य ताल वाद्यों के साथ मोहक प्रस्तुतियाँ दी गई। मैहर बैंड के कलाकारों ने राग यमन की मोहक और मधुर प्रस्तुति दी। नल तरंग तथा सितार की जुगलबंदी से श्रोता झूमते रहे। कलाकारों ने राजस्थानी लोक धुन तथा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रिय भजन वैष्णो जन ते तेणे कहिये, जे पीर पराई जाणे रे.... की भी शानदार प्रस्तुति दी। महाकुंभ में लोक कलाकारों ने माता शबरी और भगवान राम की भेंट का लघु नाटिका के माध्यम से आकर्षक तथा प्रभावी प्रदर्शन किया। लोक कलाकारों ने बघेलखंड के भोला बाबा के गीत, बेलनहाई, सोहाग, सोहर, फगुआ तथा अन्य लोक गीतों की मधुर प्रस्तुति दी।

मुख्यमंत्री के मिशन को सार्थक कर रही विकास यात्राएंः दत्तीगांव

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के मिशन को विकास यात्राएँ सार्थक कर रही हैं। जिले में विकास यात्रा का सिलसिला लगातार जारी है। विकास यात्रा के दौरान जिले में हितग्राहियों लाभांवित किया जा रहा हैं। यह बात औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव ने धार जिले के ग्राम लसुडिया में विकास यात्रा में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कही। मंत्री दत्तीगांव ने विकास यात्रा के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए शासन की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। विकास यात्रा में आँगनवाडी भवन कालुखेडी लागत 9.00 लाख रूपए, सामुदायिक भवन कालुखेडी लागत 5.00 लाख रूपए, सी.सी. रोड लागत 3.57 लाख रूपए, बाउण्ड्रीवाल माध्यमिक विद्यालय लबरावदा लागत 5.30 लाख रूपए, विद्युत ट्रांसफमर लागत 5.79 लाख रूपए का लोकार्पण एवं नाली लागत 3.30 लाख रूपए का भूमि पूजन किया गया। मंत्री दत्तिगांव ने हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। ग्रामीणों की समस्या सुनी और संबंधितों को निराकरण के लिए निर्देश दिए।

प्रदेश की 111 शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं को मिला प्रमाणीकरण

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर सक्रिय है। प्रसन्नता का विषय है कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने एक और उपलब्धि प्राप्त की है। प्रसूताओं को बेहतर उपचार देने में हम देश में अव्वल हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की ओर से प्रसव कक्ष गुणवत्ता बेहतरी के लिए शुरू किए गए लक्ष्य अभियान में मध्यप्रदेश को देश में पहला स्थान प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री चौहान श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में पौध-रोपण के बाद मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि लक्ष्य अभियान में राज्य की 111 शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं को राष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणीकरण मिला है। इसी आधार पर इन संस्थाओं को एक लाख से लेकर 5 लाख रूपए तक का वार्षिक अनुदान प्राप्त होगा। इस राशि से ऑपरेशन थियेटर और प्रसव कक्षों की देख-भाल तथा बेहतरी के लिए व्यय किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्रीय दल द्वारा लक्ष्य अभियान में सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण मातृत्व देख-भाल को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के चिकित्सालयों में उपलब्ध व्यवस्थाओं की जाँच की गई थी।

एम्स के निदेशक शोध शिखर समारोह में सम्मानित अतिथि के रुप में शामिल हुए

भोपाल। प्रोफेसर डॉ अजय सिंह, कार्यपालक निदेशक एम्स भोपाल शोध शिखर कार्यक्रम के दूसरे संस्करण में सम्मानित अतिथि के रूप में शामिल हुए । यह कार्यक्रम 24 और 25 फरवरी 2023 को रवींद्रनाथ टैगोर तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया था और यह विभिन्न विषयों और क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाली अनुसंधान परियोजनाओं और प्रकाशनों को प्रदर्शित कर रहा है । इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने इंटरसेक्टोरल सहयोग और बहु-विषयक अनुसंधान की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और विश्वविद्यालय के छात्रों और संकाय सदस्यों को इंटर्नशिप परियोजनाओं और विनिमय कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया, ताकि वे अपने ज्ञान और अनुभव के क्षितिज का विस्तार कर सकें ।

खुले पाइंट्स के बावजूद आगे बढ़ा दिया इंजन, पटरी से उतरा

भोपाल। भोपाल स्टेशन पर शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब 12 बजे यार्ड के बाहर शंटिंग के दौरान शंटिंग इंजन (डी-रेल) पटरी से उतर गया। जिसके बाद इंजीनियरिंग और ऑपरेटिंग विभाग के सभी आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए। फिल्हाल रेलवे कर्मचारी इंजन को पटरी पर लाने की जद्दोजहद में लगे हैं। यह घटना तब हुई जब यार्ड में किसी रैक को प्लेस किया जा रहा है। मौके पर मौजूद रेलवे कर्मचारियों के अनुसार सिगनल रेड था क्योंकि पाइंट्स खुले हुए थे जिसके बाद गाड़ी आगे बढ़ाने की वजह से इंजन डीरेल हो गया। घटना के समय महिला असिस्टेंट लोको पायलेट इंजन को ऑपरेट कर रहीं थी । इस घटना के बाद रेल ट्रैफिक में कोई बाधा नहीं आई क्योंकि यह यार्ड की लाइन पर हुई। यह टना प्लेटफॉर्म-6 के बीना छोर की है। प्लेटफॉर्म से घटना स्थल की दूरी कुल 200 मीटर के करीब रही। बता दें कि इससे पहले भी 18 नवंबर 2021 को शंटिंग इंजन प्लेटफॉर्म 6 की तरफ सुबह करीब दस बजे शंटिंग के दौरान पटरी से उतर गया था। जिसे करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद पटरी पर चढ़ाया गया था।

हर पात्र व्यक्ति को शासन की योजनाओं का लाभ मिले, यही सरकार की मंशा : परमार

राज्यमंत्री ने ग्राम कैथलाय से की 20वें दिन की विकास यात्रा की शुरूआत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सरकार की मंशा है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को शासन की योजनाओं का लाभ मिले। आमजन तक सरकार की योजनाएँ पहुँचाने, सरकार द्वारा किये गये कार्यों की जानकारी देने एवं पात्र लोगों को शासन की जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने के उद्देश्य से 5 फरवरी से निकाली जा रही विकास यात्राएँ जारी हैं। यह बात स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) एवं सामान्य प्रशासन राज्यमंत्री इन्दर सिंह परमार ने आज विकास यात्रा के 20वें दिन शाजापुर जिले की शुजालपुर विधानसभा के ग्राम कैथलाय में विकास यात्रा का शुभारंभ करते हुए कही। दिव्यांगजनों के संबंध में राज्य मंत्री परमार ने बताया कि 80 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगजनों को मोटराईज्ड ट्रायसिकल भारत सरकार की ओर से निःशुल्क दी जायेगी। पहले मोटराईज्ड ट्रायसिकल के लिए दिव्यांग व्यक्ति को 17 हजार रूपये की राशि जमा कराना होता था, अब दिव्यांगजनों को राशि जमा कराने की आवश्यकता नहीं है। स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) राज्य मंत्री परमार ने आज 20वें दिन की विकास यात्रा के दौरान विधानसभा शुजालपुर के ग्राम पंचायत केथलाय में लागत राशि 79 लाख 60 हजार रुपए से नवीन नल जल योजना अंतर्गत हुए विकास कार्यों एवं लागत राशि 7 लाख 49 हजार रुपए से नवनिर्मित पंचायत भवन बाउंड्रीवॉल का लोकार्पण किया। परमार ने ग्राम केथलाय में ऊर्जा साक्षरता अभियान कैलेंडर-2023 का विमोचन भी किया। ऊर्जा साक्षरता अभियान के अंतर्गत शाजापुर जिले में 1 लाख 25 हजार से अधिक लोगों ने सहभागिता की है। राज्य मंत्री परमार ने ग्राम पंचायत बोलाई में लागत राशि 2 करोड़ 27 लाख 22 हजार रूपये से मखावद बोलाई मार्ग से हनुमान मंदिर मार्ग तक बनने वाली 1.7 किमी लंबी सड़क के निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन किया। परमार ने ग्राम पंचायत बोलाई में लागत राशि 6 लाख 90 हजार रुपए से नव-निर्मित आंगनबाड़ी भवन केंद्र क्रमांक 01 एवं लागत राशि 6 लाख 90 हजार रुपए से नव-निर्मित आंगनबाड़ी भवन केंद्र क्रमांक 07 का लोकार्पण भी किया।

एम्स के बाल्य रोग विभाग ने दुर्लभ रोग दिवस मनाया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

दुर्लभ बीमारियों और इसके प्रभावितों और उनके परिजनों पर इनके प्रभाव के बारे में जागरूकता के प्रसार के लिए 28 फरवरी को वैश्विक स्तर पर दुर्लभ रोग दिवस के रूप में मनाया जाता है। सामूहिक रूप से ये विकार समाज पर रुग्णता और मृत्यु दर का दबाव डालते हैं और अब तक 8000 से अधिक दुर्लभ विकारों का निदान किया जा चुका है। वर्ष 2023 के लिए अपने रंगों को साझा करिए इस का ध्येय वाक्य है। बाल्य रोग विभाग, एम्स भोपाल ने इन विकारों के बारे में जागरूकता के प्रसार हेतु 24 फरवरी को दुर्लभ रोग दिवस मनाया।

डॉ भावना ढींगरा ने श्रोताओं को बताया कि गलत निदान, उपचार में असमानताओं और सामाजिक अलगाव इन विकारों से पीड़ित व्यक्तियों के सामने आने वाली कुछ चुनौतियाँ हैं, इसके तथ्य के अलावा केवल सीमित विकारों के लिए ही चिकित्सीय विकल्प उपलब्ध हैं और इन विकल्पों पर होने वाला धन का अत्यधिक खर्च क्या कारण ये विकल्प अधिकांश रोगियों की पहुंच से परे है। जागरूकता के प्रसार से इन विकारों के शीघ्र निदान, स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर पहुंच में मदद मिलेगी और इन विकारों के लिए नए उपचार विकल्पों के अनुसंधान और विकास के लिए संसाधनों को मोड़ने में मदद मिलेगी।

इस कार्यक्रम में मस्कुलर डिस्ट्रोफी, स्केलेटल डिस्प्लेसिया, गाउचर रोग और अन्य लाइसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर जैसी दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित कई रोगियों ने भाग लिया। लाइसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर सपोर्ट सोसाइटी (एलएसडीएसएस) ने इस आयोजन का समर्थन किया और इसके अध्यक्ष श्री मंजीत सिंह, जिन्होंने इन विकारों के कारण दो बेटों को खो दिया है, ऑनलाइन शामिल हुए और अपने अनुभव और भविष्य में भी ऐसे रोगियों का समर्थन करने की अपनी प्रतिबद्धता साझा की। इन विकारों से प्रभावित बच्चों के माता-पिता ने ऐसे विकारों के लिए चिकित्सीय विकल्पों की अनुपलब्धता के बारे में अपनी कहानियाँ और अपनी पीड़ा साझा की। उन्होंने एम्स के निदेशक से देश के कुछ संस्थानों में मस्कुलर डिस्ट्रॉफी और स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी जैसे विकारों से प्रभावित बच्चों के लिए शुरू किए गए विभिन्न परीक्षणों में नामांकन के लिए संस्थान को सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया। निदेशक, डॉ. अजय सिंह ने प्रभावित परिवारों और अभिभावकों को आश्वासन दिया कि संस्थान इन प्रभावित व्यक्तियों को सर्वोत्तम नैदानिक और चिकित्सीय विकल्प प्रदान करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

एम्स के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन एवं ब्लड बैंक में मरीजों के लिए सुविधा उपलब्ध

भोपाल। ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन एवं ब्लड बैंक,एम्स, भोपाल के एफेरेसिस सेक्शन में जरूरतमंद मरीजों के लिए ऑटोलॉगस बोन मैरो ट्रांसप्लांट के लिए सफलतापूर्वक स्टेम सेल एफेरेसिस किया जा रहा है । बोन मैरो ट्रांसप्लांट,स्टेम सेल एफेरेसिस नामक एक विशेष प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है, इसमें रोगी के स्टेम सेल को उनके रक्त से एकत्र करके उन्हें वापस रोगी में प्रत्यारोपण (ट्रांसप्लांट) के लिए संरक्षित किया जाता है ।

ल्यूकेमिया और मल्टीपल माइलोमा के गंभीर रोगी ऑटोलॉगस स्टेम सेल ट्रांसप्लांटहेतु स्टेम सेल एफेरेसिस से लाभान्वित हुए हैं । सभी रोगियों के प्रत्यारोपण सफल रहे हैं और अब वे स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं । सुरक्षित और प्रभावी ट्रांसप्लांट सुनिश्चित करने के लिए उच्च प्रशिक्षित चिकित्सा पेशेवरों द्वारा उन्नत तकनीक के माध्यम से स्टेम सेल एफेरेसिस की प्रक्रिया की जाती है ।

ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन एवं ब्लड बैंक, एम्स, भोपाल के एफेरेसिस सेक्शन द्वारा मरीजों को जीवन रक्षक उपचार प्रदान करने में समर्थ होने पर एम्स भोपाल गौरवान्वित महसूस कर रहा है । यह विभाग रोगियों को सर्वोत्तम संभव देखभाल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और यहाँ जरूरतमंद लोगों को निरंतर यह सेवा प्रदान करते हैं ।

ऑटोलॉगस स्टेम सेल ट्रांसप्लांट की सुरक्षा और सफलता दर में सुधार के लिए एक मरीज की अपनी स्टेम सेल का उपयोग किया जाता है ।

सभी वार्डों में निरंतर किये जा रहे विकास कार्यः तोमर

वार्ड-11 में 18.66 लाख के विकास कार्यों का भूमिपूजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के नेतृत्व में ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र की विकास यात्रा शुक्रवार वार्ड 11 के महाराजा मानसिंह कॉलेज, चार शहर का नाका के सामने वाली गली से प्रारंभ हुई। ऊर्जा मंत्री तोमर ने कुटियाना मोहल्ला में एक अत्यंत गरीब परिवार के दिव्यांग बच्चे की बीमारी को देखते हुए तत्काल संबंधित अधिकारियों को बीपीएल कार्ड बनाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को परिवार को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने को कहा। उन्होंने कहा कि सभी वार्डों में निरंतर विकास कार्य किये जा रहे हैं।

विकास यात्रा जब गोशपुरा नंबर 1 पहुँची तो प्रदीप प्रजापति ने बताया कि वे मजदूरी करते हैं, लेकिन अभी तक उनका श्रमिक कार्ड नहीं बना है। उनका उसी समय मजदूरी कार्ड बना कर दिया गया। विकास यात्रा यादव मोहल्ला, बटोही राजावत से पेठावाली गली, ठाकुर मोहल्ला, कंट्रोल वाली गली, हीरा धाकरे गली से भैरव बाबा मंदिर, देवेंद्र चैहान एवं धीरज चैहान की गली, पुरानी पुलिस चैकी, कुटियाना मोहल्ला, पत्ती कारखाना, खंडेश्वरी मंदिर से मुकेश अग्रवाल के घर तक, खिलौना टेंट, फतेह सिंह राजपूत एवं अशोक यादव की गली, अनिल यादव के घर से भैरव मंदिर होते हुए जगदीश पटेल की गली तक निकाली गई। वार्ड 11 में 18 लाख 66 हजार रुपए के विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया गया। विकास यात्रा के दौरान नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए ऊर्जा मंत्री तोमर ने कहा कि बारिश या अन्य मौसम में विद्युत पोलों में करंट की समस्या के निराकरण के लिए ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र के सभी विद्युत पोलों में नीचे प्लास्टिक के पाइप लगाए जाएंगे। साथ ही खंभों के ऊपर रबड़ वाले कंडक्टर लगाए जाएंगे।ऊर्जा मंत्री तोमर ने बताया कि ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं के निराकरण के लिए अनेक कार्य कराए गए हैं तथा निरंतर विकास कार्य चलते रहेंगे। ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र में अच्छा अस्पताल, अच्छा विद्यालय, अच्छे पार्क सहित अन्य कई मूलभूत सुविधाओं का विस्तार किया गया है तथा निरंतर विकास कार्यक्रम जारी रहेगा। वहीं जरूरतमंद परिवारों की सहायता के लिए निरंतर राशन पर्ची एवं पेंशन योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र लोगों को दिलाया जा रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा प्रारंभ की जा रही लाडली बहना योजना के तहत सभी पात्र बहनों को एक हजार रुपए प्रतिमाह दिए जाएंगे।

स म्पा द की य

ये घटना सामान्य तो नहीं..?

पंजाब के अमृतसर में गुरुवार को अजनाला पुलिस स्टेशन में जो भी हुआ, वो एक बड़े खतरे का संकेत कहा जा सकता है। उसे किसी भी तरह से सामान्य नहीं बताया जा सकता। मीडिया रिपोर्टों से सामने आए इसके ब्योरे डराने वाले हैं। कहीं पंजाब में फिर से उग्रवाद की चिंगारी तो नहीं सुलग रही है? नशे की लत में उड़ते पंजाब के अब फिर से एक नए खतरे में जाने की आशंका बलवती होती जा रही है?

हालिया वाकये में अपहरण और मारपीट के एक मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस कुछ लोगों को गिरफ्तार करती है। गिरफ्तार हुए लोग एक स्थानीय संगठन से जुड़े बताए जाते हैं, जिसका कहना है कि ये लोग बेकसूर हैं और इन्हें तत्काल छोड़ा जाना चाहिए। पुलिस इस दलील

को स्वीकार नहीं करती है। इसके बाद पुलिस पर दबाव बनाने के लिए संगठन की अपील पर समर्थक थाने का घेराव करते हैं। बड़ी संख्या में तलवार, बंदूक और लाठियों से लैस भीड़ बैरिकेड्स तोड़ते हुए थाने में घुस जाती है। इस दौरान कई पुलिस वाले घायल होते हैं। इसके बाद पुलिस मान जाती है कि समर्थकों का दावा सही है। उसका कहना है कि समर्थकों द्वारा दिए गए सबूतों से साफ हो गया कि संबंधित व्यक्ति बेकसूर है और इसीलिए पुलिस ने उसे रिहा करना स्वीकार कर लिया। यह पूरा मामला न केवल संदेहों से भरा है अपितु राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति और पुलिस के मनोबल पर बेहद खराब टिप्पणी है।

देखा जाए तो हाल के महीनों में पंजाब में ऐसी कई घटनाएं हुईं, जिनसे वहां कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं, लेकिन गुरुवार की घटना ने इन सबको पीछे छोड़ दिया। अगर पुलिस से गलती भी हुई हो तो उसके खिलाफ धरने-प्रदर्शन करने का शांतिपूर्ण विकल्प लोगों के पास मौजूद है, जिसका इस्तेमाल देश भर में लोग करते रहे हैं। यहां जिस तरह से तलवारें लिए लोग पुलिस स्टेशन में घुसे, उसे धरना-प्रदर्शन तो कतई नहीं कहा जा सकता। ये तो अराजकता ही कही जाएगी।

जहां तक पुलिस का सवाल है तो एफआईआर दर्ज करने और उसमें गिरफ्तारी करने से पहले क्या घटना से जुड़े तथ्यों को खंगाल लेना उसकी जिम्मेदारी का हिस्सा नहीं होता? अगर फिर भी, उससे गलती हो गई थी तो जब संगठन से जुड़े लोग अपीलें करते हुए इस गलती को सुधारने की मांग कर रहे थे, तब उसने फैसले पर पुनर्विचार करने की जरूरत क्यों नहीं महसूस की? जब लोग तलवारें लिए थाने में घुसे, तभी क्यों उसे यह इल्म हुआ कि उससे गलती हुई है?

कहीं न कहीं यह मामला गलती होने और उसे सही करने का उतना नहीं लगता, जितना पुलिस के दबाव में झुकने का। पुलिस की किसी कार्रवाई का सही या गलत होना अदालती प्रक्रिया में तय होता है। अगर इस तरह हथियारबंद भीड़ के कहे मुताबिक चीजें तय होने लगें तो कानून के राज का भला क्या मतलब रह जाएगा? कुछ हलकों से ऐसे आरोप भी सामने आए हैं कि उस संगठन से जुड़े लोग खालिस्तान समर्थक हैं। उस पहलू से भी मामले की जांच होना ही चाहिए। यहां मसला कानून-व्यवस्था का भी है। किसी संगठन को कानून हाथ में लेने और पुलिस-प्रशासन को इस तरह बंधक बना लेने की इजाजत कैसे दी जा सकती है? और सरकार की तरफ से इस मामले में क्या कार्यवाही की गई? किसी उच्च स्तरीय जांच के आदेश क्यों नहीं किए गए?

इस घटना के परिप्रेक्ष्य में जो बातें सामने आ रही हैं, वो इससे कहीं ज्यादा खतरनाक लगती हैं। जिस संगठन ने ये सब किया, उसका प्रमुख है अमृतपाल सिं। सोशल मीडिया एक्टिविटी से पता चलता है कि अमृतपाल पिछले 5 सालों से सिखों से संबंधित मुद्दों पर मुखर होकर बोल रहा है। वह 3 कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के आंदोलन का भी हिस्सा बना, खासकर दीप सिद्धू से जुड़े आंदोलन का। अमृतपाल सिंह का कहना है कि कृषि कानून हों, पंजाब में पानी का संकट हो, नशीली दवाओं का संकट हो, यूपी और बिहार से लोगों का पंजाब में पलायन हो, राजनीतिक असंतुष्टों की गिरफ्तारी हो, पंजाबी भाषा को कमजोर करना हो, ये सभी सिखों के मूक नरसंहार का हिस्सा हैं।

खालिस्तान समर्थक माना जाने वाला अमृतपाल सिंह केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को भी धमकी दे चुका है। अमृतपाल ने रविवार को पंजाब के मोगा जिले के बुधसिंह वाला गांव में कहा था कि इंदिरा ने भी दबाने की कोशिश की थी, क्या हश्र हुआ? अब अमित शाह अपनी इच्छा पूरी कर के देख लें। अमृतपाल पंजाबी सिंगर दीप सिद्धू की बरसी में आया था। दीप सिद्धू भी खालिस्तान समर्थक माना जाता था। इसलिए अब न केवल अजनाला पुलिस स्टेशन में हुई घटना की तत्काल उच्चस्तरीय जांच होना चाहिए, अपितु इस संगठन की गतिविधियों पर भी गहरी नजर रखनी होगी। केंद्र सरकार भी इस मामले में हस्तक्षेप कर सकती है, क्योंकि संगठन का मुखिया एक थाने में अराजकता फैलाने का ही नहीं, केंद्रीय गृहमंत्री को धमकी देने का आरोपी भी बताया जा रहा है। पंजाब को आने वाले खतरे से बचाने के उच्च स्तर पर प्रयास होना चाहिए, क्योंकि वहां बड़ी मुश्किल से शांति व्यवस्था कायम हुई है।

रुद्राक्ष की कामना: आस्था या अंध विश्वास की पराकाष्ठा

रमण रावल

मध्यप्रदेश के सीहोर जिले के कुबेरेश्वर धाम में रुद्राक्ष वितरण में हुई घनघोर अव्यवस्था की सर्वव्यापी आलोचना हिंदू समाज की उदारता, सहिष्णुता का एक और उत्कृष्ट उदाहरण है। कैसे? बताता हूं।आयोजन में आये श्रद्धालुओं से लेकर तो आम-खास व संत समाज तक ने सीधे तौर पर कथा वाचक आयोजनकर्ता पं. प्रदीप मिश्रा व शासन-प्रशासन के धुर्रे बिखेरने में परहेज नहीं किया।फिर भी यह इतराने का मौका नहीं,अफसोस का समय है।

अब इस आयोजन का एक अन्य पक्ष। देश के अलग-अलग हिस्से से करीब 10 लाख लोग वहां आखिर क्या पाने की आस में आये थे और क्यों? इस पहलू की अनदेखी-सी की जा रही है। अव्यवस्था का दोषी अंतत-कौन है और उसे किस तरह से दंडित किया जायेगा या किया जायेगा भी या नहीं, यह तो राम जानें, लेकिन इतने लोगों का वहां जुटने के मूल की तलाश-पड़ताल जरूरी है।सीधा-सा जवाब तो यह है कि वे पं. प्रदीप मिश्रा द्वारा दिये जाने वाले रुद्राक्ष की लालसा में उमड़े थे, जिसके बारे में उनका अनुमान या विश्वास यह था कि सनातन संस्कृति में खासा महत्व रखने वाला रुद्राक्ष उनके जीवन की काया पलट कर देगा,कष्ट हर लेगा,आनंद की तरंगें बहने लगेंगी। यह उनकी आस्था थी और विश्वास भी। यह आता है किंवदंतियों,किस्सों-कहानियों और कल्पना संसार में विचरण करते हमारे विचारों से। वर्तमान के कथा वाचक,धार्मिक आख्यानकर्ता सधी विपणन नीति,शाब्दिक चातुर्य,धार्मिक मान्यताओं के सहारे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के दारिद्रय को दूर करने का भाव जगाकर और सक्षम के मन की असुरक्षा से मुक्ति का भाव पैदा कर एक ऐसा संसार रच देते हैं, जहां उस दायरे के भीतर धुसने वाला मकड़ जाल के शिकार की तरह लौट नहीं सकता।

कुबेरेश्वर की घटना इसका जीवंत नमूना है। यह घटनाक्रम देश की एक ऐसी अवस्था की ओर संकेत करता है, जो इक्कीसवीं सदी के प्रत्येक पल में तकनीक और विज्ञान के क्षेत्र में क्रांतिकारी खोजों और शोधों के बह रहे सैलाब से बेखबर जैसे दसवीं सदी में प्रवेश कर रही हो। नवाचार,उद्यमशीलता और कठोर श्रम के दौर में हम भाग्य भरोसे,भगवान भरोसे,पूजा-पाठ भरोसे और पुरातनकालीन वनस्पति के सूक्ष्म से अंश रुद्राक्ष से ऐसे भरोसे की आस कर रहे हैं, जिसकी आशवस्ति तो न कभी देवताओं के आख्यानों से मिली, न ही संत-तपस्वियों ने दी। तब लोग इतने बावरे,भावुक और समर्पित क्यों हैं?

इस संपूर्ण घटना का जो सबसे भयावह और नकारात्मक पहलू है, वह इस अनोखी सदी के भारत के भाल पर चिंता की लकीरें खीचने वाला है। जिस समाज में लोग धर्म और भाग्य को सर्वोच्च दर्जा देते हों, उन का वर्तमान तो पीड़ादायक रहेगा ही, भविष्य भी स्याह ही होना सुनिश्चित है। मुझे तो सोचकर ही सिहरन होती है कि कोई कैसे यकीन कर लेता है कि मात्र एक रुद्राक्ष धारण कर लेने से उसका तन-मन स्वस्थ रहेगा। उसका जीवन खुशियों से भर जायेगा। उसका घर धन-धान्य से भरपूर हो जायेगा। कृपया, इसे रुद्राक्ष के धार्मिक-आध्यात्मिक महत्व को कम कर आंकने् का अभिप्राय न समझें।सनातन परंपरा में वह यथेष्ट सम्मान का हकदार है ही। मेरी चिंता धर्मांध लोगों की वे फिजूल धारणायें हैं, जो समाज में नकारात्मकता और अंध विश्वास को बढ़ाती हैं। एक और स्पष्ट संदेश इस तरह की घटनाओं के पीछे होता है, जिसकी आम तौर पर अनदेखी की जाती है। पिछले दो दशक में कथा-पुराण,भागवत का प्रचलन बढ़ा है। इसमें हजारों नहीं लाखों लोग शामिल होते हैं। हफ्ते, दस दिन तमाम धार्मिक पुस्तकों में वर्णित, अवर्णित व्याख्यायें, आख्यान सुनते हैं और तदुनसार उनका मानस बनना चाहिये। फिर भी समाज में नैतिकता, ईमानदारी, मूल्यपरकता का तो घनघोर क्षय ही होता जा रहा है। आखिर क्यों?

जहां तक मेरा अभिमत है,ऐसा लगता है कि राजनीति के ठेकेदारों ने अपनी सत्ता और वर्चस्व के लिये धर्म की आड़ में अंध विश्वास और कर्महीनता को पल्लवित-पुष्पित किया, ताकि लोग धार्मिक आयोजनों की अफीम-गांजे को विश्वास की चिलम में भरकर सुट्?टे मारकर बेसुध पड़े रहे और उनका प्रभुत्व बरकरार रहे।एक समूचा तंत्र इसके पीछे सक्रिय है, जो राजनीति,धर्म,आस्था के चक्रव्यूह की रचना इस कुटिलता से करता है कि उसके अंदर तो घुसने के लिये लोग उमड़े पड़ें, किंतु उससे बाहर निकलना अभिमन्यु की तरह असंभव हो।

इसे मैं एकदम सपाट ढंग से कहूं तो यह कि दस लाख लोग यदि देश के दूरदराज से सीहोर चले आये तो यकीनन एक तो वे बेरोजगार, बेकाम, उद्यमहीन, भाग्यवादी थे, जो अपने जीवन की बेहतरी किसी चमत्कार से करना चाहते थे न कि कर्म के जरिये। दूसरे कुछ अरसे से जिस तरह से देश के लगभग सभी राजनीतिक दल मुफ्तखोरी को बढ़ावा दे रहे हैं,लोगों ने भी यह मान लिया है कि वे कहीं कमाने-धमाने नहीं भी गये तो सरकार उन्हें एक रुपये किलो गेहूं, दो रुपये किलो चावल,दस रुपये किलो शकर-तेल तो देगी ही,मनरेगा में 15 दिन की मजदूरी भी दे ही देगी। इसके बाद जैसे ही चुनाव आयेंगे तो गैस सिलेंडर, साइकिल, स्कूटी, टीवी, बर्तन, स्कूल फीस की माफी, कॉलेज तक मुफ्त शिक्षा, हजार-पांच सौ रुपये का भत्ता, शराब-मुर्गा और साथ में कुछ नकद नारायण भी मिल ही जायेगा तो कमाने क्यों जाना? इसीलिये जब उसे जो समय मिलता है,उसमें वह एक रुद्राक्ष से भाग्य आजमाने किसी प्रदीप मिश्रा के पास पहुंच जाता है।

भगवान के लिये,भगवान के नाम पर,धर्म शास्त्रों की आड़ में मनमाने आख्यानों का यह सिलसिला बंद होना चाहिये। देश में कही भी इस तरह के भीड़ प्रधान आयोजन के लिये संस्था या आयोजनकर्ता को ही सीधे तौर पर जिम्मेदार तो ठहराना ही चाहिये, साथ ही किसी भी बदइंतजामी के लिये दोषी भी मानना चाहिये। आप तीन,पांच या सात दिन तक राजमार्ग बंद कर दें, लाखों लोगों को वाहनों में कैद रहकर घंटों रैंगने के लिये छोड़ दें,जाम में फंसकर वाहनों में फिजूल का ईंधन जले, किसी की जान चली जाये और आप उपदेश दें कि जान तो एक दिन जानी ही है,इससे अधिक अधार्मिकता और अहंकार कुछ हो ही नहीं सकता। लकीर जो पीटनी है, पीटते रहें, बड़बोलापन बरकरार है, क्योंकि राज्याश्रय जो प्राप्त है।

ये बैंक हमेशा मुनाफ़े में रहेंगे ?

-राकेश दुबे

जहां भारत के उध्योगपतियों के लिए पैसा लेकर भाग जाना,और घाटा दिखाना व घाटा खाना आम बात है, वही अब भारतीय बैंकों के लिए दमदार मुनाफा कमाना कोई नई बात नहीं रह गई हैं, सब आँकड़ों का खेल है । हरेक तिमाही में उनका प्रदर्शन निखरता ही जा रहा है। निजी क्षेत्र के केवल दो बैंकों- येस बैंक और बंधन बैंक लिमिटेड- और सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) को छोड़कर सभी सूचीबद्ध बैंकों ने दिसंबर तिमाही में शानदार मुनाफा अर्जित किया है।और तो और देश के सबसे बड़े, दरियादिल कर्जदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को भी दिसंबर तिमाही में 14,205 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। एसबीआई के लिए किसी भी तिमाही में अर्जित यह सर्वाधिक मुनाफा है। यह बढ़त हमेशा ऐसी ही रहेगी, संदेह है, मार्च तिमाही में भी बैंक मुनाफे में रहेंगे मगर शायद इसके बाद यह सिलसिला थम सकता है।

सार्वजनिक क्षेत्र के चार बैंकों- बैंक ऑफ महाराष्ट्र, यूको बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन बैंक- का मुनाफा पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में दोगुना हो गया है। तुलनात्मक रूप से बड़े बैंक ऑफ बड़ौदा और केनरा बैंक का मुनाफा भी क्रमश: 75 प्रतिशत और 92 प्रतिशत तक बढ़ गया है। निजी क्षेत्रों के बैंकों ने भी दिसंबर तिमाही में मजबूत आंकड़े दर्ज किए हैं।20 सूचीबद्ध निजी बैंकों का कुल शुद्ध मुनाफा 36,357 करोड़ रुपये रहा है, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के 12 बैंकों के मामले में यह आंकड़ा 29,175 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। इस तरह, दिसंबर तिमाही में सभी बैंकों का शुद्ध मुनाफा 65,532 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। दिसंबर 2021 तिमाही में सभी बैंकों का संयुक्त शुद्ध मुनाफा 44,915 करोड़ रुपये और सितंबर 2022 तिमाही में 58,113 करोड़ रुपये रहा था।

निजी क्षेत्र के चार बैंकों- बंधन बैंक, डीसीबी बैंक लिमिटेड, आरबीएल बैंक लिमिटेड और साउथ इंडियन बैंक को छोड़कर सभी का कामकाजी मुनाफा बढ़ा है। निजी क्षेत्र के बैंकों का कामकाजी मुनाफा 30.45 प्रतिशत बढ़कर 1.27 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया।बैंकों के मुनाफे में शानदार बढ़ोतरी दो कारणों से हुई हैं। इनमें पहला है शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) में इजाफा और दूसरा कारण है फंसे ऋणों के लिए प्रावधानों में कमी। शुद्ध ब्याज आय की तुलना में अन्य आय में बढ़ोतरी थोड़ी कमजोर रही है। अन्य आय में ट्रेजरी आय शामिल होती है। कुछ बैंकों की अन्य आय में तो कमी दर्ज की गई है।

नई गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) में कमी और फंसे कर्ज का अंबार कम होने से इनके लिए प्रावधानों में इजाफा भी अब कम होकर एक अंक में रह गया है। एसबीआई सहित कुछ बैंकों में फंसे कर्ज के लिए प्रावधानों में कमी दर्ज हुई है। कुल मिलाकर दिसंबर तिमाही में निजी बैंकों में फंसे कर्ज के लिए प्रावधान 7.67 प्रतिशत और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में 10.37 प्रतिशत बढ़ गया।एचडीएफसी बैंक को छोड़कर सभी बैंकों के सकल एनपीए में कमी आई है। निजी क्षेत्र के बैंकों का सकल एनपीए दिसंबर तिमाही में 1.46 लाख करोड़ रुपये रहा है, जो एक वर्ष पहले की तुलना में 1.46 लाख करोड़ रुपये कम है। इनकी तुलना में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का सकल एनपीए 18 प्रतिशत कमी के साथ 4.85 लाख करोड़ रुपये रहा है।

प्रतिशत में बात करें तो दिसंबर तिमाही में लगभग सभी बैंकों के सकल और शुद्ध एनपीए में कमी आई है। एचडीएफसी बैंक और तमिलनाड मर्केंटाइल बैंक जरूर अपवाद हैं। सितंबर और दिसंबर तिमाहियों के बीच आंकड़े अपरिवर्तित रहे। येस बैंक का सकल एनपीए सितंबर के 12.89 प्रतिशत से कम होकर दिसंबर में 2.02 प्रतिशत रह गया। एक साल पहले यह आंकड़ा 14.65 प्रतिशत था।निजी बैंकों में आईडीबीआई बैंक लिमिटेड का एनपीए सबसे अधिक (13.82 प्रतिशत) है। इसके बाद बंधन बैंक (7.15 प्रतिशत) में एनपीए सबसे अधिक है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक में पीएनबी का सकल एनपीए 9.76 प्रतिशत के साथ सर्वाधिक ऊंचे स्तर पर है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र का एनपीए (2.94 प्रतिशत) सबसे कम है और इसके बाद एसबीआई (3.14 प्रतिशत) का नाम है।जम्मू ऐंड कश्मीर बैंक लिमिटेड, साउथ इंडियन बैंक लिमिटेड और सिटी यूनिय बैंक लिमिटेड को छोड़कर सभी सूचीबद्ध निजी बैंकों में एनपीए 2 प्रतिशत से कम है।निजी बैंकों में ऐक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इंडसइंड बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक का शुद्ध एनपीए 1 प्रतिशत से कम रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में एसबीआई, बैंक ऑफ बड़ौदा और बैंक ऑफ महाराष्ट्र का शुद्ध एनपीए 1 प्रतिशत से कम है। पीएनबी का शुद्ध एनपीए 3.3 प्रतिशत के साथ सर्वाधिक है।

अधिकांश बैंकों ने अपना बहीखाता मजबूत करने के लिए प्रोविजन कवरेज रेश्यो (पीसीआर) में इजाफा करना शुरू कर दिया है। येस बैंक (49.4 प्रतिशत) को छोड़कर ज्यादातर बैंकों में पीसीआर कम से का 70 प्रतिशत या इससे भी अधिक है। ज्यादातर बैंकों में ऋण आवंटन की सालाना दर दोहरे अंक में रही है मगर जमा में वृद्धि की दर कम हो रही है। मगर बैंकों में अधिक से अधिक जमा रकम हासिल करने की होड़ शुरू होने के बीच उनका शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) दबाव में रहेगा।

बैंक ऋणों और जमा पर ब्याज दरें बढ़ाते आ रहे हैं। चूंकि, नई दरें सभी ऋणों पर लागू हैं इसलिए उनकी आय तत्काल बढ़ रही है मगर जमा रकम हासिल करने के लिए उन्हें अधिक ब्याज देना पड़ रहा है। जमा खाते में आई रकम के एक बड़े हिस्से पर ब्याज बढ़ने के बाद बैंकों पर दबाव बढ़ जाएगा। वैसे मार्च तिमाही में भी बैंक मुनाफे में रहेंगे मगर शायद इसके बाद यह सिलसिला थम सकता है। जून तिमाही में एनआईएम में कमी से दमदार एवं कमजोर बैंकों में अंतर दिखना शुरू हो जाएगा।

मजदूर ही तो हैं..खुदकुशी करते हैं तो क्या ?

अरुण दीक्षित

अपना एमपी एक बार फिर देश के अगुआ राज्यों की सूची में है।इस बार उसका नंबर तीसरा आया है! छोटी बच्चियों व महिलाओं के प्रति अपराध और आदिवासियों पर अत्याचार के बाद अब उसने रोज कमा कर खाने वाले मजदूरों की आत्महत्या के मामले में भी देश में अहम जगह बना ली है।बस तमिलनाडु और महाराष्ट्र उससे आगे हैं! बाकी सब उसके पीछे खड़े हैं!

आप चौंकिए मत! यह सूची मैंने नही बनाई है। न ही आंकड़े मेरे हैं। यह काम किया देश की सरकार के गृह मंत्रालय ने ! उसके अधीन आने वाले नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो ने देश भर के आंकड़े लेकर यह रिपोर्ट तैयार की है। यह आंकड़े भी एक साल पुराने हैं। वजह..सरकार को आंकड़े इकट्ठे करने और उन्हें छापने में समय जो लग जाता है।

एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक पिछले 8 साल(2014 से 2021) में एमपी में करीब 25486 मजदूरों ने खुदकुशी की है। इनमें बड़ी संख्या उन कामगारों की थी जो रोज कमाते और खाते थे। इस सूची में पहला नाम तमिलनाडु और दूसरा महाराष्ट्र का है! इस अवधि में पूरे देश में कुल 2,35,779 मजदूरों ने अपनी जान ली है। चूंकि गरीब आदमी की गिनती वोट के अलावा किसी और में नही होती है इसलिए हर साल होने वाली ये मौतें भी चर्चा का विषय नही बनती हैं। फिर इन पर चर्चा करे तो कौन करे!

पर सवाल यह है कि आखिर वो कौन से वजह है जो देश भर में रोज बड़ी संख्या में मजदूर खुद की जान ले रहे हैं? अगर सरकारी घोषणाओं को देखें तो राज्यों की सरकारें अपने स्तर पर मजदूरों के लिए तमाम कल्याणकारी योजनाएं चलाती हैं।केंद्र सरकार की योजनाओं की सूची भी राष्ट्रपति भवन के अमृत उद्यान जैसी हरी भरी और खूबसूरत लगती है। मजदूर कल्याण कार्यक्रमों की सूची बहुत लंबी है।

एमपी की सरकार ने भी कम कदम नही उठाए हैं। जब से डबल इंजन वाली सरकार बनी है तब से तो कल्याणकारी योजनाओं की घोषणाओं की गति भी काफी तेज हो गई है। खुद मुख्यमंत्री अक्सर अपनी कल्याणकारी योजनाओं का ब्यौरा देते रहते हैं। सब अच्छा है! सरकार खूब अच्छी योजनाएं चला रही है। तो फिर रोज औसतन 9 मजदूर अपनी जान क्यों ले लेते हैं? ऐसा तो हो नही सकता कि मजदूरों को आत्महत्या की लत लग गई हो? एमपी में तो केंद्र से ज्यादा योजनाएं चल रही हैं। इन योजनाओं के अलावा अभी तो केंद्र सरकार मुफ्त में अनाज भी बांट रही है। कहने को मनरेगा योजना भी चल रही है। राज्य सरकार ने तो मजदूरों के बच्चों की पढ़ाई के लिए अलग से स्कूल भी खोले हैं।घर बनाकर दिए हैं। रोजगार की गारंटी भी है!

फिर मजदूर क्यों अपनी जान दे रहे हैं? प्रदेश के श्रम मंत्री इस मुद्दे पर खुद अपनी ही सरकार को खड़ा करते नजर आ रहे हैं। उनका कहना है कि प्रदेश के दिहाड़ी मजदूर देश के अन्य राज्यों में काम करने जाते हैं! वहां कुछ हो जाता है तो खुदकुशी कर लेते हैं। राज्य सरकार तो कई योजनाएं चला रही है। मजदूर की मौत पर संबल योजना में तीन से चार लाख रुपए मुआवजा देने का प्रावधान है। पेंशन भी जल्दी लागू करने वाले हैं! मंत्री खुद मान रहे हैं कि रोजगार की तलाश में मजदूर प्रदेश से पलायन करते हैं! इससे यह भी साफ है कि राज्य सरकार कहे कुछ भी पर वह अपने दिहाड़ी मजदूरों को रोजगार नही दे पा रही है। अगर आप सरकारी दावों को देखेंगे तो आपको ऐसा लगेगा जैसे एमपी में रोजगार की सुनामी आई हुई है। बड़ी इन्वेस्टर्स मीट,अरबों रुपए के निवेश और लाखों रोजगार के सृजन का दावा पिछले डेढ़ दशक से हो रहा है। इसके बाद भी खुद मंत्री मजदूरों के पलायन की बात स्वीकार करते हैं!

एक बात और! राज्य सरकार इस ओर से पूरी तरह उदासीन दिखाई देती है। जिस राज्य में औसत 9 लोग रोज अपनी जान ले रहे हों,उस राज्य की सरकार ने इसे रोकने के लिए आजतक कोई कदम नहीं उठाया है। अगर कुछ किया होगा तो वह कागज में होगा।जमीन पर तो मंत्री जी का बोला सच है - हमारे राज्य से मजदूर पलायन करते हैं!

वैसे यह पहली बार नही है!अपना एमपी ऐसी कई बातों में देश में आगे चल रहा है जिन पर किसी भी हालत में गर्व नही किया जा सकता है।

बच्चियों, महिलाओं, आदवासियों और दलितों पर अत्याचार में वह सालों से आगे चल रहा है।एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक एमपी में हर 17 मिनट पर एक महिला अपराध का शिकार होती है। हर तीन घंटे में कोई एक छोटी बच्ची दुष्कर्म का शिकार होती है।आदिवासियों पर अत्याचार के औसतन 7 मामले रोज दर्ज होते हैं। जबकि राज्य में मामा की सरकार है! बलात्कारी को फांसी दिए जाने का कानून भी पहले यहीं बना था। बच्ची के पैदा होने से लेकर उसकी पढ़ाई लिखाई और शादी तक की व्यवस्था मामा की सरकार करती है! देश में दहेज विरोधी कानून होने के बाद भी सरकारी खजाने से भरपूर दहेज भी देती है। बस वह एक जगह नाकाम हो जाती है...वह छोटी बच्चियों को सुरक्षा नही दे पाती है। उन्हें बलात्कारियों से नही बचा पाती है!

ऐसे में मजदूरों को कौन बचाए? कौन उनके बारे में गंभीरता से सोचे? पर कुछ भी हो अपना एमपी है तो गज्जब! यहां सरकार भगवान के घरों पर हजारों करोड़ तो खर्च कर सकती है! पर परेशानी में आकर खुद की ही जान लेने वाले मजदूरों के बारे में सोचने का समय उसके पास नही है!

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

सफलता का राज एकाग्रता: सांसद उइके

बैतूल। नेहरू युवा केंद्र बैतूल द्वारा जिला स्तरीय पड़ोस युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन भीमपुर शासकीय प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम सांसद दुर्गादास उईके, ऋषि राज परिहार, सुखदेव गुजरे, महेश गुजेले, जेएल पवार, चौकी प्रभारी कमलेश रघुवंशी भीमपुर एवं प्राचार्य भीमपुर कॉलेज के आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता सुखदेव गुजरे एवं डॉ महेश गुजेले ने जी 20 समिट पर वक्तव्य रखा। डीडी उइके ने प्रधानमंत्री के द्वारा लिए हुए संकल्प की महत्वता को बताते हुए युवाओं को प्रेरणा दी। उन्होने जीवन मे सफल हाने की टिप्स किए। कार्यक्रम में पधारे सांस्कृतिक आदिवासी नृत्य की प्रस्तुति से प्रसन्न होकर सांसद महोदय ने सामूहिक नृत्य प्रस्तुत करने वाले युवाओं को पुरस्कृत किया साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं को प्रमाण पत्र वितरित किए। श्री उइके द्वारा जी 20 समिट पर आधारित करपत्र का विमोचन किया गया। कार्यक्रम के समापन में जिला युवा अधिकारी श्रीमती मोनिका चौधरी द्वारा सांसद को स्मृति चिन्ह देकर आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन धनंजय ठाकुर द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक लेखापाल, राजकुमार राकेश मन्नासे ,दालेंद्र वागादरे, अंकित मोहकर, तुषार यादव, मयंक शर्मा एवं ऋषभ बैरागी का विशेष योगदान रहा।

श्री जगन्नाथ पुरी यात्रा एवम भक्तमाल कथा का आयोजन

श्री सेवक दास जी महाराज के पावन सानिध्य में भक्तमाल कथा एवम जगन्नाथपुरी यात्रा का आयोजन माह जून और जुलाई में किया जा रहा है। निरंतर भागवत एवं साधुसेवा सेवारत श्री सेवक दास जी महाराज के द्वारा यह दिव्य अध्यात्म यात्रा का आयोजन सभी भक्त जन मानस के लिए किया जा रहा है। यह दिव्य यात्रा महाकालेश्वर भगवान के दर्शन के साथ उज्जैन से प्रारंभ होकर विभिन्न तीर्थ स्थलों से होती हुई इंदौर मे विश्राम लेगी। जिसमे सभी भक्त जनों को भगवान श्री जगन्नाथ प्रभु के दर्शनों के साथ ही उड़ीसा क्षेत्र के समस्त तीर्थ क्षेत्र स्थलों के दर्शन करवाये जायेंगे। उसके पश्चात श्री धाम वृन्दावन के के समस्त तीर्थों का दर्शन कराए जाएंगे। जिसमे 7 दिवसीय भक्तमाल कथा महोत्सव का आयोजन किया जावेगा। इस दिव्य यात्रा में सम्मिलित होने वाले सभी भक्तों के लिए यात्रा हेतु विशेष सुविधाजनक वाहन,भोजन प्रशाद,रहने रुकने हेतु यात्री निवास की व्यवस्थाएं अत्यंत अल्प सेवा सहयोग राशि में की गई है। जिसके लिये 1 मार्च 2023 तक अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा।

सशस्त्र सेना झंडा निधि जुटाने में लक्ष्य से अधिक निधि जुटाई

खरगोन 24 फरवरी 2023। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के लिए खरगोन जिले को 2020-21 में दिए गए लक्ष्य 8 लाख 22 हजार रूपये के विरूद्ध से ऊपर 8 लाख 36 हजार 659 रूपये की राशि एकत्रित कर सैनिकों के हित में किये गये सराहनीय कार्य के लिए राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल की और से खरगोन जिले के सम्मान में शील्ड प्रदान की गई है। जो शुक्रवार को सैनिक कल्याण अधिकारी खण्डवा के विंग कमांडर श्री एम नासिर द्वारा कलेक्टर श्री शिवराज सिंह वर्मा को भेंट की गई। इस अवसर पर जिले के भूतपूर्व सैनिक हॉनरी कैप्टन श्री राधेश्याम पाटीदार, जिला संयोजक पूर्व नायक बी शरद, पूर्व नायक गुलाब सिंह चौहान, पूर्व नायक यशवन्त कुलकर्णी, पूर्व नायक राजेंद्र राठौड़ उपस्थित रहे।

बिना सूचना के शाला में अनुपस्थित रहे शिक्षक को कलेक्टर ने किया निलंबित

खरगोन 24 फरवरी 2023। कलेक्टर श्री शिवराज सिंह वर्मा गत दिवस गुरूवार कसरावद के भ्रमण पर थे। इस दौरान उन्होंने छोटी कसरावद माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान माध्यमिक विद्यालय छोटी कसरावद के अध्यापक श्री इरफान अली शाला में अनुपस्थित पाए गए। अध्यापक श्री अली का 22 फरवरी को आकस्मिक अवकाश का आवेदन पत्र स्वीकृत होना पाया गया। लेकिन उनके द्वारा 23 फरवरी को किसी भी प्रकार के आवेदन पत्र या सूचना शाला में प्रधान पाठक को नहीं दी जाना पाया गया। इस कृत्य के लिए जिला शिक्षा अधिकारी श्री हेमेन्द्र वडनेरकर ने आदेश जारी कर अध्यापक श्री अली को मप्र सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 9 (क) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। निलंबन अवधि में श्री अली का मुख्यालय कसरावद विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय रहेगा तथा नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता रहेगी।

26 को आजाद अध्यापक शिक्षक संघ निकालेगा क्रमोन्नति-पदोन्नति रैली

छतरपुर।वर्षों से क्रमोन्नति,पदोन्नति का इंतजार कर रहे शिक्षक आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के बैनर तले 26 फरबरी को विशाल रैली निकालकर मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन कलेक्टर को सौंपेंगे। आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अनुपम त्रिपाठी ने बताया कि संघ के प्रांत अध्यक्ष भरत पटेल के आव्हान पर प्रदेश के सभी जिलों में शिक्षक क्रमोन्नति पदोन्नति रैली निकालकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।प्रदेश के हजारों अध्यापक संवर्ग के शिक्षकों को तीन वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी बारह वर्षीय क्रमोन्नति,समयमान वेतनमान एवम् पदोन्नति नहीं मिली है।जिससे इन शिक्षकों में आक्रोश पनप रहा है।

सांसद, विधायक, कलेक्टर, एसपी ने किया नवनिर्मित देवरी थाने का लोकार्पण, हर जवान पर हमें गर्व है : राव

बरेली। ग्राम पंचायत से नगर परिषद बनी देवरी में लगभग 90 लाख की लागत से बना 4000 स्क्वायर फिट में नवीन भवन बनकर तैयार हुआ जिसका लोकार्पण कार्यक्रम रखा गया जिसमें सांसद विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हुए सर्वप्रथम सभी अतिथि का पुलिस अधीक्षक विकास साहवाल ने पुष्पगच्छ भेंट कर स्वागत किया जिसके बाद अतिथियों ने कन्या पूजन कर नर्मदापुरम सांसद राव उदयप्रताप सिंह, विधायक देविन्द सिहं पटेल,पूर्व विधायक रामकिशन पटेल, कलेक्टर अरबिंद दुबे, एसपी विकास कुमार सहवाल ने नवनिर्मित थाने का लोकार्पण फीता काटकर किया। सांसद राव उदय प्रताप ने बताया कि नगर परिषद बनने के बाद विकास की गंगा बहा शुरू हो गई है सासंद ने कहा कि पुलिस हमारी रक्षा के लिए 24 घंटे काम कर रही है हर जवान पर हमें गर्व है दोस्ताना व्यवहार बनकर पुलिस आपके साथ खड़ी है पुलिस केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने और लोगों को सुरक्षा देने का काम ही नहीं करती बल्कि संकट के समय समाज के लिए मददगार भी बन जाती है। कोरोना महामारी के कठिन दौर में आमजन को सुरक्षित रखने के लिए स्वास्थ्य विभाग और पुलिस विभाग के अमले ने अपनी जान जोखिम में डालकर दिन-रात काम किया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में लगातार मध्य प्रदेश मैं आत्मनिर्भर अभियान के तहत काम किया जा रहा है

अब घर बैठे मोबाइल से ही ई-एफआईआर की शुरुआत हुई है यह शिवराज सिंह की सरकार है देवरी में नवीन थाना बनने से लोगों को सुविधाएं मिलेंगी साथ ही पुलिस बल को भी उत्तम बैठने के साथ काम करने में सहूलियत होगी 7 इस दौरान नगर परिषद अध्यक्ष हेमंत चौधरी,प्रदेश सह-मीडिया प्रभारी नरेंद्र शिवाजी पटेल ,जनपद अध्यक्ष गंगोत्री मेहरा,जगदीश प्रसाद चौरसिया , एसडीओपी राजीव जांगले, थाना प्रभारी हरिओम पटेल, जिला मंत्री राजेंद्र ठाकुर, सांसद प्रतिनिधि श्रवण धाकड़,राहुल पटेल, कमलेश राजपूत आदि जनप्रतिनिधि व्यापारी कर्मचारी अधिकारी उपस्थित रहे।

बरेली अनुविभाग में पुलिस के काम सराहनीय

सांसद राव उदयप्रताप सिंह ने बरेली पुलिस अनुविभाग क्षेत्र में आने वाले देवरी थाने के लोकार्पण कार्यक्रम में कहा कि बरेली पुलिस अनुविभाग क्षेत्र में पुलिस लगातार मुस्तैदी से कार्य कर रही है क्षेत्र की जनता से पता लगता है पुलिस लोगों के साथ किस तरह का व्यवहार करती है बरेली अनुविभाग के एसडीओपी राजीव जांगले के नेतृत्व में पुलिस और पब्लिक के बीच मित्र व्यवहार बना है जो सराहनीय है लगातार शिवराज जी के नेतृत्व में अपराधों पर लगाम लगाने का काम पुलिस ने किया है पुलिस आमजन के लिए मित्र रहे तो वहीं अपराधियों के लिए कठोर कार्रवाई करें 7

बरेली टूर्नामेंट का समापन

वॉलीबॉल टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में रेड आर्मी ने देहरादून को हराया, पूर्व मंत्री हुए शामिल

बरेली। रायसेन जिला वालीबाल संघ बरेली के तत्वाधान में आयोजित चार दिवसीय अखिल भारतीय महिलाएं पुरुष इनडायरेक्ट डे नाईट वॉलीबॉल प्रतियोगिता का बरेली में भव्य आयोजन का बुधवार को समापन हुआ 7 चार दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में 12 प्रांतों की महिलाएं पुरुष की टीमों ने भाग लिया था प्रतियोगिता में फाईनल मैच देहरादून बनाम रेड आर्मी के बीच खेला गया। 5 सेट के मैच में रेड आर्मी ने बढ़त बनाकर खिताब पर कब्जा जमा लिया। बही महिला टीम का फाईनल मैच पटयाला बनाम नागपुर के बीच खेला गया जिसमें नागपुर टीम ने 23 रन बनाए और पटयाला टीम 25 रन बनाकर प्रथम पुरस्कार पर कब्जा जमा लिया 7 इस आयोजन में प्रथम पुरस्कार नरेंद्र शिवाजी पटेल द्वारा 51 हजार रूपये , द्वितीय पुरस्कार गोविंद सिंह पटेल द्वारा 41 हजार रुपये एवं समस्त टाफिया राजेन्द्र ठाकुर द्वारा दी गई वही महिला टीम को प्रथम पुरुस्कार ठाकुर सिंह पटेल द्वारा दिया गया 31 हजार रुपये ,द्वितीय पुरुस्कार 21 हजार मनमोहन शर्मा द्वारा एवं समस्त ट्रेक सूट सूर्य प्रताप सिंह राजपूत द्वारा दिए गए समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री ठाकुर रामपाल सिंह राजपूत मौजूद रहे । उन्होंने खिलाड़ियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन से खिलाड़ियों को प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। वहीं रायसेन जिला वॉलीबॉल संघ के अध्यक्ष ठाकुर हरनाम सिंह राजपूत ने कहा कि हर वर्ष इस तरह की प्रतियोगिता आयोजित कर बेहतर खिलाड़ी का चयन किया जाता है 7 समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व कैबिनेट मंत्री ठाकुर रामपाल सिंह राजपूत, कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष संजय मसानी, ज्योति मसानी,पूर्व विधायक रामकिशन पटेल,जिला वालीबाल संघ अध्यक्ष हरनाम सिंह राजपूत,शिवाजी पटेल,जोधा सिंह अटवाल, हेमंत राजा भैया चौधरी, नेपाल सिंह राजपूत,पवन रघुवंशी, मनीष राजपूत, पप्पू मेहरा, मनोज चौधरी, सागर तिवारी, सईद कुरैशी,लाखन सिंह राजपूत मौजूद रहे मंच का कुशल संचालक जिला मंत्री राजेंद्र सिंह ठाकुर सहित सहीद पठान द्वारा किया गया ।

सुरक्षा की दृष्टि से एसडीओपी

बड़वाह-कसरावद में खनिज विभाग की गस्त में

मुरम उत्खनन करते 1 जेसीबी, 3 ट्रेक्टर और 4 बड़े हायवा रेत का अवैध परिवहन करते पकड़ाए

खरगोन । गुरुवार रात्रि में खनिज विभाग के दलों द्वारा दो अलग-अलग स्थानों पर गस्त करते हुए खनिज अवैध उत्खनन और परिवहन कार्यवाही को अंजाम दिया। खनिज अधिकारी श्री सावन चौहान ने बताया कि टीम के साथ कसरावद और बड़वाह क्षेत्र में गुरुवार रात में गस्त करते रहे। रात लगभग एक बजे कसरावद क्षेत्र की छोटी कसरावद में मुरम उत्खनन की शिकायत प्राप्त हुई। खनिज अधिकारी सीधे मौका स्थल पर पहुँचे जहां एक जेसीबी मुरम का अवैध उत्खनन कर रही थी। वहीं पर तीन टेक्टर मुरम भरवा रहे थे। टीम ने तत्काल जप्त कर थाना कसरावद की अभिरक्षा में खड़ा करवाया।

उसके पश्चात खनिज अधिकारी मण्डलेश्वर होते हुए बड़वाह काटकूट की ओर पहुँचे। जहां

लगभग तीन बजे ओखलेश्वर मंदिर पर चार बड़े हायवा रेत का ओवरलोडिंग करते हुए पकड़े गए। जिन्हें भी जप्त कर थाना बलवाड़ा की अभिरक्षा में खड़ा करवाया गया। इस तरह खनिज विभाग मुस्तैदी से 1 जेसीबी 3 ट्रेक्टर और 4 हायवा सहित कुल 8 वाहनों को जप्त किया। कार्यवाही में पकड़े गए वाहनों के विरुद्ध मप्र खनिज (अवैध खनन परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

मोटरसाइकिल चोरों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

औबेदुल्लागंज।.मनोज जायसवाल ने रिपोर्ट कि अपना होण्डा शो-रूम को बंद कर घर चला गया था। को सुबह 10:00 बजे शो-रूम खोला तो दो होण्डा मोटर सायकिल, 03 लैपटॉप, 02 लेपटॉप चार्जर, 02 मोबाईल, 01 एलसीडी, 01 एफएम. 01 डीव्हीआर एवं नगद 1.50,000/- रूपये चोरी कर ले गये है। रिपोर्ट पर अपराध धारा 457, 380 भादवि का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक रायसेन विकाश कुमार शाहवाल के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायसेन अमृत मीणा के मार्गदर्शन में एसडीओपी ओबेदुल्लागंज मलकीत सिंह, थाना प्रभारी ओबेदुल्लागंज निरीक्षक संदीप चौरसिया के द्वारा पुलिस टीम गठित कर माल मुलजिम की तलाश / पतारसी प्रारंभ की

प्रकरण में को स्वतंत्र साक्षीगण के कथनों के आधार पर आरोपी नागू नायक को ग्राम उमरिया से पुलिस अभिरक्षा में लेकर आरोपी नागू नायक की निशादेही पर

उज्जैन से आरोपी अर्जुन उर्फ अज्जू यदुवंशी एवं हीरालाल मालवीय से मुताबिक मेमो के चोरी गयी एक मोटर सायकिल एवं एक मोबाईल को विधिवत् जप्त कर आरोपीगण को गिरफ्तार किया गया है। जिन्हें आज दिनांक को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। गिरफ्तार आरोपीगण:-

नागू नायक पिता भागीरथ नायक निवासी औबेदुल्लागंज अर्जुन उर्फ अज्जू पिता स्व. सरदार सिंह यदुवंशी निवासी होशंगाबाद जप्त होण्डा मोटर सायकिल हीरालाल पिता सिद्धा मालवीय निवासी उज्जैन जप्त होनर कम्पनी का मोबाईल रोहित यदुवंशी निवासी हरदा एवं हरीश जोशी निवासी उज्जैन

फरार आरोपी: आरोपी की गिरफ्तारी पर बताया कि आरोपी नागू नायक की दोस्ती जेल में अर्जुन यदुवंशी से हुई जिसने नागू से अपने साथी रोहित यदुवंशी, हरीश जोशी, हीरालाय मालवीय से मिलवाया था और जेल से छूटने के बाद आरोपीगण ने होण्डा शो-रूम औबेद?

दिव्यांगों को 3 हजार रूपए पेंशन दी जाए, अटल सेना ने सौंपा ज्ञापन

बैतूल। अटल सेना बैतूल के तत्वावधान में दिव्यांगजनों ने शहीद भवन से रैली निकाल कर मुख्यमंत्री के नाम से जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। इस संबंध में संगठन के प्रातांध्यक्ष राजेन्द्र सिंह चौहान (केन्डु बाबा) ने कहा कि हमारी 10 सूत्रीय मांगों में प्रमुख है कि दिव्यांगों को प्रतिशत के आधार पर 3000 रूपए प्रतिमाह पेंशन दी जाए एवं दिव्यांगों को भी घर बैठे रोजगार दिया जाए, मानसिक दिव्यांग बच्चों को प्रतिदिन लगने वाली दवाइयां महंगी से महंगी जो डॉक्टर लिखते हैं उन्हें निशुल्क जिला स्तर पर मिलने की व्यवस्था बनाई जाए, वृद्धा विधवा कन्या अभिभावक पेंशन 2000 रूपए प्रति माह दी जाए, विधायक सांसद मंत्री को हर माह वेतन (मानदेय) दिया जाता है। जरूरी है कि दिव्यांग, विधवा वृद्ध इन्हें भी हर माह सुचारू पेंशन दी जाए। इन्हें विगत 4 माह से इन्हें पेंशन नहीं मिली जबकि पूरे महीने का गुजारा इनका पेंशन से चलता है, निशक्त एवं वृद्धों को घर पहुंच पेंशन पूर्व की तरह मनीआर्डर द्वारा दी जाए।बैंक के चक्कर लगाते लगाते हर माह मिलने वाली 600 रूपए पेंशन पर इनके 300 रूपऐ खर्च हो जाते हैं। बैटरी गाड़ी अगर देना है तो गुणवत्तायुक्त वाली दी जाए जो कुछ वजन भी उठा सके और उन लोगों को दी जाए जो गाड़ी का उपयोग अपने आप को सक्षम बनाने में कर सकते हैं,साथ में उन्हें छोटा सा 10000 रूपए तक का एक लोन दिया जाए जिससे वह अपना रोजगार चला सके। मांग कर खाने वालों को बैटरी गाड़ी की आवश्यकता नहीं देखा जा रहा है। बैटरी गाड़ी स्टेशन पर चार्ज करा कर वह मांगने निकल जाते हैं यह भी हमारे लिए शर्म की बात है, मंगलवार को जिला अस्पताल में लगने वाला मेडिकल बोर्ड की बैठक में पिछले मंगलवार मानसिक विशेषज्ञ डॉक्टर का कहना था कि मैंने सोमवार को नाइट की है मैं नहीं आ सकता। जिससे दिव्यांगों को बहुत दिक्कत का सामना करना पड़ा साथ में दिव्यांगों के लिए एक अलग से स्थान होना चाहिए। जहां सब डॉक्टर उपस्थित रहे। जिससे होने वाली दिक्कतों का सामना करना नहीं पड़े, दिव्यांगों का आई

कार्ड बनाया जाए,जिससे बस के सफर में उन्हें 50 प्रतिशत की छूट मिले। हर बस में दिव्यांगों के लिए चलाई जा रही योजना की जानकारी चस्पा की जाए। ज्ञापन सौंपते समय संतोष कुमार, शंकर साहू, विजय विश्वकर्मा, रश्मि चंद्रसिंह, मुन्नालाल प्रधान, संतोष पवार, रितिक विश्वकर्मा, राजू वटी, पुष्पराज रामधनी, लखन हिवरखेड, गिरधारी, रितेश नागले, संजू नागले, निशा विश्वकर्मा, बाबू राव देशमुख, प्रभु दयाल यादव, एवं अटल सेना के कार्यकर्ता संतोष साहू, संगीता वरवड़े, चंद्रकला वीके चैती, नर्मदा साहू, माधुरी राजूरकर, ज्योति पेशवे आदि लोग शामिल थे

लूट मामले में आरोपी को 5 वर्ष का कठोर कारावास व अर्थदण्ड

छतरपुर। अभियोजन कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 13.01.22 को शाम लगभग 4 बजे फरियादी विशाखा पटेरिया नौगांव से ड्यूटी करके बस से छतरपुर आई थी तथा बस स्टेंड पर उसके पिताजी मिल गए और वे दोनों बस स्टेंड से ई-रिक्शा में बैठकर उसके घर शांति नगर कालोनी की तरफ जा रहे थे, जाते समय रास्ते में जवाहर मेन रोड पर कान्हा रेस्टोरेन्ट के थोडे आगे पहुंचे तभी पीछे से एक बिना नंबर की सिल्वर काले रंग की अपाचे मोटरसाईकिल पर बैठकर दो व्यक्ति आये और उन्होंने ई-रिक्शा के बगल में मोटरसाईकिल लगा ली और मोटरसाईकिल में पीछे बैठे व्यक्ति ने फरियादी का मोबाइल सेमसंग ए32 को झटका मारकर छीन लिया और चौबे तिराहे तरफ भाग गये। फरियादिया की उक्त रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली छतरपुर में अपराध पंजीबद्ध किया गया। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी सचिन उर्फ सचिन्द्र राय के कब्जे से लूटा गया मोबाईल एवं आरोपी विनोद के कब्जे से घटना में प्रयुक्त अपाचे मोटरसायकल जप्त की। जेल परिसर में फरियादिया से आरोपीगण की पहचान कार्यवाही कराई गई। संपूर्ण विवेचना उपरांत आरोपीगण के विरूद्ध अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुये जिला स्तरीय समिति द्वारा उक्त मामले को चिन्हित एवं जघन्य सनसनीखेज अपराध की श्रेणी में रखा गया। अभियोजन की ओर से डीपीओ प्रवेश अहिरवार ने पैरवी करते हुये मामले के सभी सबूत एवं गबाह कोर्ट में पेश किये विचारण के दौरान महत्वपूर्ण बिंदु यह रहा कि फरियादिया द्वारा न्यायालय में आरोपियो को पहचानने से इंकार किया गया था किंतु अभिलेख पर आयी साक्ष्य एवं अभियोजन के तर्कों से सहमत होकर माननीय प्रधान सत्र न्यायाधीश, छतरपुर द्वारा आरोपी सचिन उर्फ सचिन्द्र राय एवं विनोद अहिरवार को भादवि की धारा 392 में 5-5 वर्ष का कठोर कारावास व 5000-5000 रूपये के अर्थदण्ड से दंडित किया गया।

मध्यप्रदेश को मदिरा प्रदेश कहने पर माफी मांगें कमलनाथ

भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारियों ने श्रीकृष्ण टॉकिज पर किया विरोध प्रदर्शन

खरगोन। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने गुरुवार को अमर्यादित टिप्पणी करते हुए मध्य प्रदेश को मदिरा प्रदेश कहकर संबोधित किया है। यह न सिर्फ मध्यप्रदेश की सात करोड़ जनता का अपमान है वरन अभिव्यक्ति की आजादी का भी खुला उल्लंघन है। विपक्ष की गरिमा भूल चुके कमलनाथ की मति भ्रष्ट हो गई है। उन्हें अपने इस कृत्य के लिए प्रदेश की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

यह बात पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रणजीतसिंह डंडीर ने नगर मंडल द्वारा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के विरोध में किए प्रदर्शन के दौरान कही। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी प्रकाश भावसार ने बताया प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ द्वारा मध्यप्रदेश को मदिरा प्रदेश कहे जाने पर पार्टी कार्यकर्ता, पदाधिकारी सहित आम जनता में रोष है। गुरुवार को प्रदेश भाजपा नेतृत्व व जिलाध्यक्ष राजेंद्रसिंह राठौर के निर्देशानुसार पार्टी कार्यकर्ता व पदाधिकारियों ने जिला कार्यालय से श्रीकृष्ण टॉकिज चौराहा तक

पैदल मार्च कर कमलनाथ के विरुद्ध प्रदर्शन किया। कमलनाथ होश में आओ..., मध्यप्रदेश का अपमान नहीं सहेंगे, नहीं सहेंगे... आदि नारे लगाते हुए कार्यकर्ताओं ने कमलनाथ से अपने कृत्य के लिए माफी मांगने की बात कही। पूर्व जिलाध्यक्ष रणजीतसिंह डंडीर ने कहा कमलनाथ का वक्तव्य बेहद शर्मनाक व प्रदेश की छबि को धूमिल करने वाला है। एक पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा अपने ही प्रदेश को लेकर इस तरह की अपमानजनक टिप्पणी करना घोर निंदनीय है। भारतीय जनता पार्टी समूचे प्रदेश में विरोध प्रदर्शन के माध्यम से मांग करती है कि कमलनाथ अपनी टिप्पणी पर प्रदेश की जनता से माफी मांगें। पूर्व जिलाध्यक्ष परसराम चौहान ने कहा मप्र में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा सरकार द्वारा हाल ही में नई शराब नीति की घोषणा की है। जिसमें मंदिर, स्कूल आदि से शराब दुकानें 100 मीटर की दूरी पर करने तथा अहाते पूर्णतः बंद करने का निर्णय लिया गया है। इससे कमलनाथ सहित शराब के कारोबार में लिप्त कांग्रेसियों में घोर निराशा व्याप्त होकर वे प्रदेश की जनताा का अपमान करने पर उतर आए हैं। श्रीकृष्ण टॉकिज पर हुए विरोध प्रदर्शन में भाजपा जिला मंत्री ललित सोनी, कार्यालय मंत्री मोहन राठौड़, सहकार्यालय मंत्री लक्की चोपड़ा, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रवीद्र वर्मा, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष रणजीतसिंह रघुवंशी, नपा उपाध्यक्ष भोलू कर्मा, पूर्व नपा उपाध्यक्ष कन्हैया कोठाने, मंडल उपाध्यक्ष वीणा जायसवाल, लोकेश भावसार, मनोज राठौड़, झंडू पटेल, महामंत्री राकेश चौहान, मंत्री रवि धारे, सह कार्यालय मंत्री ज्योति वर्मा, युवा मोर्चा नगर मंडल अध्यक्ष भोलू प्रजापत, महामंत्री जयंत पंडया, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष शीतल राठौर, नपा पार्षद चंद्रपालसिंह तोमर, राघवेंद्र डंडीर, सहित अनेक कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय में व्याप्त समस्याओं एवं अव्यवस्थाओं के सम्बन्ध में भारतीय विद्यार्थी सेना ने सौपा कुलपति के नाम कुलसचिव को मांग पत्र

छतरपुर - शिवसेना जिला प्रमुख मुन्ना तिवारी जी के निर्देशन में शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे की छात्र ईकाई द्वारा विश्वविद्यालय मे व्याप्त समस्याओ एवं अव्यवस्थाओ के सम्बन्ध में आज विद्यार्थी सेना के पदाधिकारियो ने कुलपति के नाम कुलसचिव जे.पी. मिश्रा जी को एक पांच सूत्रीय मांग पत्र जिला उपाध्यक्ष विजय दुबे,एवं प्रभारी प्रिंस द्विवेदी के नेतृत्व में सौपा गया जिसमे मुख्य रूप से युवा सेना जिला अध्यक्ष नीतेश तिवारी,एवं संघठन प्रमुख रिषभ अवस्थी रहे मांग पत्र में विभिन्न मांगे थी जिनमे प्रमुख रूप से विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग में अलग से वाटर कूलर कि व्यवस्था करवाई जाए ताकि छात्र छात्राओं को पानी पीने के लिए विश्वविद्यालय के दूसरे स्थानों एवं विश्वविद्यालय के बाहर न जाना पड़े 7विश्वविद्यालय में शिक्षको की भारी कमी है जिसको भरने के लिए आप से आग्रह है कि आप शासन को अपने पत्राचार के माध्यम से जानकारी देकर शीघ्र अतिशीघ्र शिक्षको की भर्ती करवाये ताकि विश्वविद्यालय की कक्षाओ को व्यवस्थित ढंग से संचालित किया जा सके 7विश्वविद्यालय परिसर में धूम्रपान सेवन करने वालो पर सख्त कारवाई कि जाए एवं विश्वविद्यालय परिसर के सभी विभागो में कूड़ा-दान कि व्यवस्था कि जाए जिससे विश्वविद्यालय में गंदगी का फेलाव ना हो सके 7

विश्वविद्यालय में जो केन्टीन बनी हुई है उसको आधुनिक तरीके से व्यवस्थित किया जाये एवं केन्टीन में असमाजिक तत्वों का जमावड़ा न हो सके ताकि पूर्व हुइ घटनाये द्वारा न हो सके। विश्वविद्यालय मे छात्र-छात्राओं की सुरक्षा एवं विश्वविद्यालय की सुरक्षा को देखते हुये एक पुलिस चौकी का निर्माण करवाया जाएँ जिससे विश्वविद्यालय की सुरक्षा सुनिशचित की जा सके । या विश्वविद्यालय में प्राइवेट गार्डो की व्यवस्था की जाये साथ कार पार्किंग,छात्र वृत्ति को लेकर भी चर्चा की है कुलसचिव ने आश्वाशन देते हुए कहा है कि हम जल्द से जल्द आपकी सभी मांगो को पूर्ण करेंगे मांग पत्र सौपने वालो में लकी तिवारी,सिद्धार्थ द्विवेदी,अभिषेक मिश्रा,नीरज कुशवाहा,सहित सभी पदाधिकारी रहे उपस्थित

भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर बने उद्यमी

भोपाल, भारत के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर दीपक चाहर फैंटेसी गेम प्लेटफॉर्म ट्रेड फैंटेसी गेम के साथ गेमिंग स्पेस में प्रवेश कर रहे हैं। उनकी पत्नी जया चाहर सह-संस्थापक के रूप में वेंचर एंटरप्रेन्योरियल स्पेस में पदार्पण कर रही है, जो जेसीडीसी स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ के रूप में काम करेंगी। दीपक चाहर, जो ब्रांड एंबेसडर की भूमिका भी निभाएंगे, वह 5 मिलियन से अधिक उपयोगकर्ताओं में अपने प्रशंसक आधार के साथ जुड़ने का प्रयास करेंगे। जेसीडीसी स्पोर्ट्स प्रा. लिमिटेड मार्च 2022 में स्थापित एक स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी कंपनी है और इसका मुख्यालय दिल्ली में है। कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 2024 तक 1 मिलियन उपयोगकर्ताओं तक पहुंचना है और अगली 2 तिमाहियों में 2 नई सुविधाओं को पेश करना है ताकि पहुंच और जुड़ाव को बढ़ाया जा सके जिससे बड़े उपयोगकर्ता अधिग्रहण हो सकें।सह-संस्थापक और ब्रांड एंबेसडर, दीपक चाहर ने कहा, यह रोमांचकारी है और मैं एक उद्यमी के रूप में इस नए उद्यम की प्रतीक्षा कर रहा हूं। टीएफजी मुझे अपने प्रशंसकों तक बिल्कुल नए तरीके से पहुंचने देगा। मैं उम्मीद करता हूं कि लाखों लोगों तक पहुंचने के लिए मैं क्रिकेट के अपने ज्ञान और तकनीक का उपयोग करूंगा और उनके साथ जुड़ने और खेल और क्रिकेट पारिस्थितिकी तंत्र में मूल्य जोड़ने के लिए काम करूंगा।नए उद्यम पर टिप्पणी करते हुए जेसीडीसी स्पोर्ट्स की संस्थापक और सीईओ जया चाहर ने कहा, गेमिंग उद्योग में तेजी से वृद्धि देखी जा रही है और गेमर्स में रोजाना वृद्धि देखी जा रही है। क्रिकेट समुदाय से होने के नाते, यह उद्यम क्रिकेट फैंटेसी स्पेस में प्रवेश करके और खेल को मैदान से गेमिंग क्षेत्र में ले जाने का सबसे अच्छा तरीका था। अन्य फैंटेसी स्पोर्ट्स गेम्स के विपरीत, टीएफजी न केवल उपयोगकर्ता के कौशल को पुरस्कृत करेगा, बल्कि उपयोगकर्ता की लगातार भागीदारी को भी पुरस्कृत करेगा, यानी खिलाड़ी का प्रदर्शन और उपयोगकर्ता की भागीदारी दोनों ही उपयोगकर्ता के डिजिटल संग्रह को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह गेम उपयोगकर्ताओं को वाइल्डकार्ड्स, फैंटेसी क्लैश, कार्ड्स की ट्रेडिंग, वेन्यू स्टैटिस्टिक्स आदि जैसी सुविधाओं से जोड़ेगा, जो प्लेटफॉर्म पर उनकी यात्रा को पूर्ण पुरस्कार और खिलाड़ी कार्डों के स्वामित्व की दिशा में समृद्ध करेग।

सनस्टोन ने भोपाल की परीक्षा को एमबीए करने और उनकी मनचाही नौकरी पाने में मदद की

भोपाल । भारत में 35 शहरों में 50+ संस्थानों के जरिए उपस्थिति वाले और देश के अग्रणी उच्च शिक्षा स्टार्ट-अप, सनस्टोन द्वारा संचालित पीपल्स यूनिवर्सिटी की पूर्व छात्रा, परीक्षा श्रेष्ठ ने जेईई और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के कोचिंग संस्थान - फिटजी में प्लेसमेंट हासिल किया है। फिटजी के पास बहरीन और कतर की शाखाओं के साथ-साथ 43 शहरों में 67 शाखाओं का अखिल भारतीय नेटवर्क है। परीक्षा ने हमेशा शिक्षा क्षेत्र में काम करने का सपना देखा था और इसलिए 2021 में, उन्होंने विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया और फाइनेंस एवं आईटी में मुख्य विशेषज्ञता वाले एमबीए प्रोग्राम के लिए सनस्टोन में अपना नामांकन कराया। सनस्टोन में अपने अनुभव के बारे में बताते हुए, परीक्षा ने कहा, मैं उन सहयोगी, कुशल और जानकार प्रोफेसरों की सराहना करती हूं जिन्होंने विश्वविद्यालय में मेरा मार्गदर्शन किया। सनस्टोन के फैकल्टी ने यह सुनिश्चित किया कि प्रशिक्षण के माध्यम से, छात्र नौकरी के साक्षात्कार के लिए अपेक्षित ज्ञान एवं योग्यता प्राप्त कर सकें। अन्य छात्रों की तुलना में हमारे पास प्रमुख लाभ यह था कि मैं अपने नॉन-सनस्टोन साथियों की तुलना में उद्योग की जरूरतों को बेहतर समझती थी। मुझे प्राप्त प्रशिक्षण के परिणामस्वरूप मेरे संवाद और प्रस्तुतिकरण कौशल में सुधार हुआ, जिससे मुझे अपनी वर्तमान स्थिति प्राप्त करने में भी मदद मिली। इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई देते हुए, सनस्टोन के सह-संस्थापक और सीओओ, पीयूष नंगरू ने कहा, सनस्टोन को परीक्षा की सफलता की कहानी का हिस्सा होने पर गर्व है और हम उसके भविष्य के प्रयासों में उनके सौभाग्य की कामना करते हैं। प्रत्येक सफलता की कहानी हम सभी के लिए एक व्यक्तिगत उपलब्धि है और इसका एजुकेशन देट वर्क्स प्रदान करने के हमारे मिशन में प्रमुख योगदान है। सनस्टोन के नौकरी उन्मुख प्रशिक्षण मॉड्यूल को ध्यानपूर्वक डिजाइन किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारे छात्र इस बदलते उद्योग में नौकरी के लिए तैयार हों। हमारे उद्योगोन्मुखी प्रशिक्षण के अलावा, हम परीक्षा को अपने व्यापक पूर्व छात्रों के नेटवर्क तक आजीवन पहुंच प्रदान करेंगे, जिससे उनके कॅरियर में हमारी उपस्थिति सुनिश्चित होगी। सनस्टोन, प्लेसमेंट सहायता, छात्र-अनुकूल वित्तपोषण विकल्प, भविष्य के लिए तैयार उद्योगोन्मुखी प्रशिक्षण, और सनस्टोन एक्स्ट्रा करिकुलर क्लबों एवं कम्यूनिटीज के माध्यम से अपने सहयोगी संस्थानों में छात्रों को सीखने के लिए 360 डिग्री अवसर प्रदान करता है।

कारट्रेड ने पेश किया कारट्रेड वेंचर्स, 750 करोड़ निवेश की योजना

मुंबई, एजेंसी। मोटरवाहन कंपनी कारट्रेड टेक ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने कारट्रेड वेंचर्स पेश किया है और उसकी इस कंपनी के अंतर्गत मोटरवाहन उद्योग में अधिग्रहण और निवेश के लिए 750 करोड़ रुपये लगाने की योजना है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वह मोटरवाहन क्षेत्र में विभिन्न सेवाएं और प्रौद्योगिकियां देने वाली कंपनियों के अधिग्रहण करेगी और उनमें निवेश करेगी। बयान के अनुसार, जिस राशि का निवेश किया जाएगा, वह लाभ से अर्जित या कंपनी के मौजूदा कोष से ली जाएगी। कारट्रेड टेक समूह के संस्थापक और चेयरमैन विनय सांघी ने कहा, हमने आधुनिक प्रौद्योगिकियों में निवेश करने और वाहनों की खरीद, बिक्री व उनका मालिकाना हक लेने की प्रक्रिया का डिजिटलीकरण करने के लिए कारट्रेड वेंचर्स को पेश किया है। उन्होंने इसके बाद कहा, इस दिशा में हम अधिग्रहण और ऐसी कंपनियों में निवेश के लिए 750 करोड़ रुपये तय कर रहे हैं, जो वैश्विक वाहन क्षेत्र में नवोन्मेष ला रही हैं।

एनसीएलएटी ने जी एंटरटेनमेंट के खिलाफ दीवाला कार्यवाही पर रोक लगाई

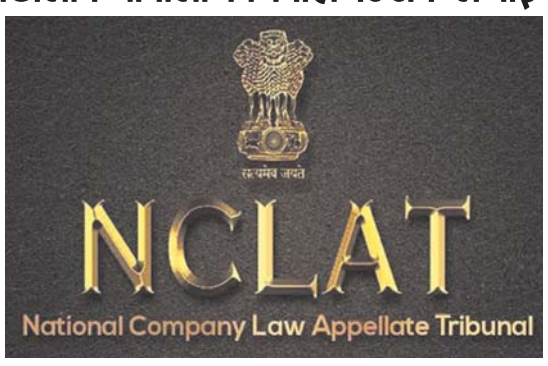

मुंबई , एजेंसी। राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने मीडिया कंपनी जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जील) के खिलाफ दिवाला कार्यवाही पर शुक्रवार को रोक लगा दी। जी एंटरटेनमेंट के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी पुनीत गोयनका की याचिका स्वीकार करते हुए एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ के आदेश पर रोक लगा दी है। एनसीएलटी ने जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड के खिलाफ दिवाला कार्यवाही के लिए इंडसइंड बैंक की याचिका को बुधवार को स्वीकार कर लिया था। उसने संजीव कुमार जालान को इस मामले में समाधान पेशेवर नियुक्त किया था। एनसीएलएटी ने शुक्रवार को इंडसइंड बैंक और समाधान पेशेवर को नोटिस जारी करके उन्हें जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया और अब अंतिम निस्तारण के लिए मामले को 29 मार्च के लिए सूचीबद्ध कर लिया है। यह मामला जी समूह की कंपनी सिटी नेटवर्क्स द्वारा की गई 89 करोड़ रुपए की चूक से संबंधित है। यह राशि इंडसइंड बैंक को अदा की जानी थी। इसके लिए जील एक गारंटर था। निजी क्षेत्र के बैंक ने एनसीएलटी में सिटी नेटवर्क्स के खिलाफ एक अलग दिवाला याचिका भी दायर की है।

ग्रोथ तो ठीक है लेकिन नौकरियां कहां से आएंगी..? बजट पर भड़के आरबीआई के पूर्व गवर्नर सुब्बाराव

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक फरवरी को फाइनेंशियल ईयर 2023-24 का आम बजट पेश किया था। लेकिन भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर डी सुब्बाराव इससे खुश नहीं हैं। उनका कहना है कि इस बार के बजट में नौकरियों पर पर्याप्त जोर नहीं दिया गया है। बजट बेरोजगारी की समस्या से सीधे निपटने में विफल रहा। माना गया कि ग्रोथ से अपने आप रोजगार पैदा हो जाएंगे। सुब्बाराव ने कहा कि कोविड महामारी से पहले भी बेरोजगारी की स्थिति काफी खराब थी और महामारी के कारण यह खतरनाक हो गई है। उन्होंने कहा कि देश में लगभग दस लाख लोग हर महीने लेबर फोर्स में शामिल होते हैं और भारत इसकी आधी नौकरियां भी पैदा नहीं कर पाता है। यानी आधे लोग बेरोजगार रह जाते हैं।

सुब्बाराव ने कहा, मैं निराश था कि बजट में नौकरियों पर पर्याप्त जोर नहीं दिया गया। केवल ग्रोथ से काम नहीं चलेगा, हमें रोजगार आधारित ग्रोथ की जरूरत है। आरबीआई के पूर्व गवर्नर से पूछा गया था कि बजट से उनकी सबसे बड़ी निराशा क्या है सुब्बाराव के अनुसार लगभग दस लाख लोग हर महीने लेबर फोर्स में शामिल होते हैं और भारत इसकी आधी नौकरियां भी पैदा नहीं कर पाता है। इसके चलते बेरोजगारी की समस्या न केवल बढ़ रही है, बल्कि एक संकट बन रही है। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी जैसी बड़ी और जटिल समस्या का कोई एक या सरल समाधान नहीं है।

आरबीआई के पूर्व गवर्नर ने कहा, लेकिन मुझे निराशा हुई कि बजट समस्या से निपटने में विफल रहा। सिर्फ यह भरोसा किया गया कि ग्रोथ से रोजगार पैदा होंगे। सुब्बाराव ने कहा कि भारत केवल तभी डेमोग्राफिक डिविडेंड का फायदा उठा सकेगा, जब हम बढ़ती श्रम शक्ति के लिए उत्पादक रोजगार खोजने में सक्षम होंगे। बजट की सबसे बड़ी बात यह है कि सरकार ने ग्रोथ पर जोर दिया है और राजकोषीय उत्तरदायित्व को लेकर प्रतिबद्धता जताई है, जबकि बजट से पहले आम धारणा यह थी कि वित्त मंत्री चुनावी साल में लोकलुभावन बजट पेश करेंगी।

यह पूछे जाने पर कि क्या बजट दस्तावेज में दिए गए अनुमानों के लिए कोई जोखिम है, उन्होंने कहा, राजस्व और व्यय, दोनों पक्षों पर जोखिम हैं। राजस्व पक्ष के अनुमान इस धारणा पर आधारित हैं कि चालू कीमतों पर जीडीपी 10.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी और इस साल टैक्स कलेक्शन में हुई ग्रोथ अगले साल भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि दोनों धारणाएं आशावादी लगती हैं, क्योंकि ग्रोथ और महंगाई अगले साल नरम हो सकती हैं। व्यय पक्ष पर सुब्बाराव ने कहा कि यदि वैश्विक स्थिति प्रतिकूल हो जाती है और वैश्विक कीमतें बढ़ती हैं तो खाद्य तथा उर्वरक सब्सिडी में अपेक्षित बचत नहीं हो पाएगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा अगर रूरल ग्रोथ तेजी से नहीं हुई तो मनरेगा की मांग बजट अनुमानों के मुताबिक घटेगी नहीं।

सरकार को नौकरियां बढ़ने की उम्मीद

इस बीच वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि के बजट में पूंजीगत व्यय में ग्रोथ, ग्रीन इकॉनमी को बढ़ावा मिलने तथा वित्तीय बाजार को मजबूत बनाने के उपायों की घोषणा से नौकरियां बढ़ने के साथ आर्थिक ग्रोथ को गति मिलने की उम्मीद है। मंत्रालय ने अपनी मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा कि चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के अहम आंकड़े (निर्यात, जीएसटी संग्रह, पीएमआई आदि) आम तौर पर नरमी का संकेत देते हैं। इसका एक कारण मौद्रिक नीति को सख्त किया जाना है जिससे वैश्विक मांग पर प्रतिकूल असर दिखना शुरू हो गया है। वैश्विक उत्पादन में नरमी के अनुमान की आशंका के बाद भी आइएमएफ और वर्ल्ड बैंक ने 2023 में भारत के तीव्र आर्थिक वृद्धि दर हासिल करने वाली इकॉनमी बने रहने की उम्मीद जताई है।

मुकेश की भांजी इजीती हैं आलीशान जिंदगी, नेटवर्थ में बड़े-बड़े दिग्गजों को देती हैं टक्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सबसे अमीर आदमी मुकेश अंबानी की दो बहनें दीप्ति सलगांवकर, नीना कोठारी और एक भाई, बिजनेस टाइकून अनिल अंबानी हैं। दीप्ति सलगांवकर अंबानी भाई-बहनों में सबसे छोटी हैं और उनके दो बच्चे विक्रम और इशिता सालगांवकर हैं। इशिता सलगांवकर रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मुकेश अंबानी की भतीजी हैं। अभी इशिता के बारे में कम ही लोग जानते हैं। इशिता सलगांवकर एक व्यवसायी और उद्यमी हैं। वह कई बिजनस वेंचर्स में शामिल रही हैं। इशिता को उनकी चैरिटेबल एक्टिविटीज के लिए भी जाना जाता है। वह एजुकेशन और हेल्थ से रिलेटेड एक्टिविटी के लिए हमेशा सपोर्ट में रहती हैं। इशिता की नेटवर्थ भी करोड़ों रुपयों में है और वो एक आलीशान जिंदगी जीती हैं। आईए आपको बताते हैं मुकेश अंबानी की भतीजी इशिता सलगांवकर के बारे में।

हाल ही में मुकेश अंबानी की बहन दीप्ति सालगांवकर और दत्तराज सालगांवकर की बेटी इशिता सालगांवकर ने दोबारा शादी की है। इशिता की शादी अतुल्य मित्तल से हुई है। शादी की तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हुई थीं। इस दौरान इशिता चर्चा में आई थीं। बता दें कि अतुल्य बिजनेस टाइकून लक्ष्मी निवास मित्तल के भतीजे हैं। अतुल्य हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के एलुम हैं। अतुल्य के साथ शादी के बंधन में बंधने से पहले, इशिता की शादी नीरव मोदी के छोटे भाई नीशाल मोदी से हुई थी।

मथुरा में युवा उद्यमी ने फ्लिपकार्ट के जरिए अपने सपनों को पूरा किया

मथुरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के रहने वाले पीयूष हमेशा एक उद्यमी बनना चाहते थे। उनका सपना किसी तरह अपना कारोबार शुरू करना था। भले ही पीयूष ने अपनी पढ़ाई एमबीए में पूरी करने के बाद एक एमएनसी के लिए काम किया पर वह अपने काम से संतुष्ट नहीं था। 2020 में, कोविड-19 महामारी के प्रकोप से देशव्यापी प्रतिबंध लगाए गए थे और इसी बीच पीयूष की नौकरी भी चली गई और उसे मथुरा में अपने माता-पिता के घर लौटना पड़ा।

पीयूष कहते हैं, लॉकडाउन के दौरान, मैं अपने करियर को लेकर बेहद चिंतित था, मैं कुछ भी नहीं कमा रहा था। ऐसी परिस्थितियों ने मुझे उन सभी चीजों के बारे में सोचने के लिए प्रेरित किया जिनमें मैं अच्छा था। मुझे अपनी जीविका के लिए कुछ करना था।''

इस तरह के प्रश्नों और चिंताओं ने पीयूष के मन में एक नया दृष्टिकोण पैदा किया और उनका पुराना उद्यमशीलता का सपना एक बार फिर उभरने लगा।

अपने सपने को पूरा करने के लिए पीयूष ने नए अवसरों की तलाश शुरू कर दी। उसने महसूस किया कि वह एक ऐसे शहर में रहते हैं जो सदियों से एक तीर्थ स्थल के रूप में प्रसिद्ध है, और यहां पर पूजा

संबंधित उत्पादों की मांग है।

पीयूष ने बताया, मैंने देखा कि मेरे आसपास बहुत सारे मंदिर हैं और यहां पर बहुत सारे उत्पाद - जैसे सुगंधित अगरबत्ती, धूपबत्ती और पूजा के सामान की काफी डिमांड है। मेरा मानना है कि भारत के बाजारों में इन उत्पादों की हमेशा मांग रहेगी।

पीयूष अपने इस विचार पर एकदम सही था और उसने बिल्कुल नए सिरे से अपना नया व्यवसाय शुरू किया। अपने माता-पिता की मदद से, उसने शुरुआत में इन उत्पादों को स्थानीय स्तर पर बेचने का काम किया है। साथ ही उन्होंने घर पर उत्पाद बनाना भी शुरू किया। कुछ महीनों के बाद उन्होंने महसूस किया कि वह अपने ग्राहकों की संख्या का विस्तार करना चाहते हैं, और उन्होंने सोचा कि क्यों न ऑनलाइन बिक्री की जाए। बहुत जल्द ही, उन्होंने अक्टूबर 2020 में फ्लिपकार्ट के साथ मिलकर शंख स्टोर नाम से अपना ऑनलाइन वेबसाइट शुरू किया। पीयूष कहते हैं, फ्लिपकार्ट पर अपना कारोबार शुरू करने के बाद से मेरे पास देश के हर हिस्से से ऑर्डर आने शुरू हो गए। जितना मैं एक पूरे महीने में कमाता था, अब मैं एक सप्ताह में उससे अधिक कमाता हूँ! पीयूष ने अपने व्यवसाय में जो सफलता देखी, वह आज भी उनके विकास को प्रेरित कर रही है। जिस पीयूष ने अपने छोटे से व्यवसाय को सक्रिय रूप से निवेश करके घर पर शुरू किया था, अब उसी पीयूष ने एक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट भी स्थापित कर ली है।पीयूष के पिता बालकृष्ण अग्रवाल कहते हैं, मैं अपने बेटे के काम से बहुत खुश हूं और मैं उसके फैसले पर कायम हूं।'पीयूष ने एक उद्यमी बनकर अब तक जो हासिल किया है, उस पर उसे गर्व है, और अब वो सिर्फ यही पर नहीं रुकेगा।

पीयूष कहते हैं, मैं इस बिजनेस को उस मुकाम तक ले जाना चाहता हूं, जहां मैं हर महीने एक करोड़ रुपये से ज्यादा कमा सकूं और मैं अपने इस उत्पादों को देश के हर घर तक पहुंचते हुए देखना चाहता हूं।

अभी से सजने लगे हैं एसी के बाजार फरवरी में ही अप्रैल का अहसास

नई दिल्ली, एजेंसी। यह साल मौसम के हिसाब से कुछ ठीक नहीं चल रहा है। एक तो जनवरी की शुरूआत में भी पूस जैसा चिल्ला जाड़ा पड़ा। दूसरी ओर फरवरी में ही तापमान इतना बढ़ा कि अप्रैल का अहसास होने लगा। इसका असर एयर कंडीशन या एसी के बाजार पर दिखने लगा है। आम वर्षों में फरवरी महीने में एसी का बाजार बिल्कुल ठंडा रहता था। लेकिन इस साल दिल्ली और आस पास के इलाकों में अभी से ही एसी और कूलर वाले दूकान में माल भरने लगे हैं।

पिछले साल कोरोना के दौरान चीन से आने वाले सामान की सप्लाई बाधित रही। इसलिए कंज्यूमर इलेक्ट्रोनिक्स बाजार में खूब आपाधापी रही। इसलिए इस साल इस क्षेत्र की कंपनियों ने अगले तीन महीने की मांग का आकलन करते हुए कलपुर्जों को जुटाना शुरू कर दिया है। उधर स्टॉकिस्ट और रिटेलर भी अपनी दुकान में स्टॉक जुटाना शुरू कर दिया है। छतरपुर में एसी मैन्युफेक्चरिंग कंपनी चलाने वाले अमित कुमार बताते हैं कि इस बार सब कुछ जल्दी शुरू हो गया। दुकानदारों ने फरवरी में ही माल भरना शुरू कर दिया तो ग्राहकों ने भी अभी से ही पूछताछ शुरू कर दी।

अमित कुमार का कहना है कि बीती सर्दी में जैसे खूब जाड़ा पड़ा, वैसे ही इस बार गर्मी भी खूब पड़ने के आसार हैं। इसलिए साल 2023 में एसी का बाजार हाई डिमांड में रहेगा।

कंपनियों में एसी की प्रोडक्शन दिसंबर से शुरू हो जाती है, जो कि मार्च तक चलती है। इसके बाद होलसेल से लेकर रिटेल मार्केट में एसी की बिक्री जुलाई तक चलती है। इस साल सब कुछ जल्द ही शुरू हो गया है।

उनका कहना है कि एसी का कंप्रेसर और कॉपर के पार्ट पुर्जे चीन से आते हैं। बांकी सामान यहीं बनता है। इस साल कंपनियों के पास इन सामानों का पर्याप्त स्टॉक है। इसलिए एसी के रेट्स में बढ़ोतरी की गुंजाइश कम दिखती है। एसी में यूज होने वाले कॉपर के रेट इंटरनैशनल मार्केट पर निर्भर होते हैं। इसके ऊपर-नीचे होने का असर एसी के प्राइस पर पड़ता है। पिछले साल की तुलना में इस साल लंदन मेटर एक्सचेंज में कॉपर का भाव 1,000 रुपये कम है। इसका लाभ ग्राहकों को मिलेगा।

गर्मियां शुरू हो गई हैं। दिन में पंखे चलने लगे हैं। रात में रजाइयों का इस्तेमाल बंद हो गया है। एसी का मार्केट तापमान पर निर्भर करता है। अभी से बाजार में ग्राहक आने शुरू हो गए हैं। ऐसी फैमली या उपभोक्ता जिन्हें इस साल एयर कंडीश्नर खरीदना है, वो मार्केट में आ रहे हैं। इन दिनों में कंपनी और डीलर अच्छी सर्विस मुहैया करा सकता है। क्योंकि, कस्टमर्स का प्रेशर कम होता है। टेक्नीकल टीम में कम समय में यूजर्स तक पहुंच जाती है। कंपनियां हर महीने एसी का रेट रिवाइस करती हैं। कंपनियों ने प्रोडक्शन बढ़ा दिया है। मार्केट ग्रोथ का अंदाजा लगाकर इंडस्ट्री पिछले साल की तुलना में 20 से 25 प्रतिशत अधिक इन्वेंट्री बनाए रखेगा।

20 बार फेल होने के बाद खड़ी की 500 करोड़ की कंपनी ,अब सिखाएंगे बिजनस के गुर

कौन हैं शार्क टैंक के नए जज विकास डी नाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। बिजनस रियलिटी टीवी शो शार्क टैंक इंडिया में नए शार्क की इंट्री होने वाली है। एंटरप्रेन्योर की किस्मत बदलने वाले इस शो में बिजनस जगत के दिग्गज शार्क्स के तौर पर शामिल हैं। शो में बोट के सीएमओ और को-फाउंडर अमन गुप्ता, लेंसकार्ट के फाउंडर पीयूष बंसल, शुगर कॉस्मेटिक की सीईओ विनीता सिंह , कार देखो डॉट कॉम के सीईओ अमित जैन, द्र फर्मा नमिता थापर और शादी डॉट कॉम के फाउंडर अनुपम मित्तल है। अब शो में नए शार्क की इंट्री होने वाली है। हैपिलो के फाउंडर विकास डी नाहर शार्क टैंक इंडिया सीजन का हिस्सा बनने वाले हैं। आइए जानते हैं उनके बारे में...

हैपिलो के को फाउंडर विकास डी नाहर शार्क टैक्स इंडिया सीजन 2 के गेस्ट शार्क के तौर पर शामिल हो रहे हैं। उन्होंने अपने इंट्रो वीडियो में बताया कि कैसे बार-बार फेल होने के बाद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। नाहर की कंपनी हैपिलो पष्टिक स्नैक्स खासतौर पर ड्राईफ्रूट बनाती है। कंपनी ने बहुत तेजी से ग्रोथ हासिल की। आज की तारीख में उनकी कंपनी का नेटवर्थ 500 करोड़ के करीब पहुंच गया है। हालांकि .ये सफलता उन्हें आसानी से नहीं मिली। कंपनी को इस मुकाम पर पहुंचाने वाले नाहर से 20 बार असफलता का दर्द झेला है। नाहर कहते हैं कि मैंने बार-बार कोशिश की और यहीं मेरी सफलता का राज है। नाहर ने हैपिलो कंपनी की शुरुआत मात्र 10 हजार रुपये से की थी। उनकी कंपनी में सिर्फ दो लोग थे। आज ये कंपनी 500 करोड़ रुपये की है। देश के छोटे-बड़े स्टोर में, ईकॉमर्स प्लेटफॉर्म पर हैपिलो के प्रोडक्ट आपको आसानी से दिख जाएंगे।

विकास डी नाहर किसान परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने बेंगलुरू यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर साइंस में ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की है। उन्होंने जैन ग्रुप के साथ अपने करियर की शुरुआत की थी। काम के साथ-साथ उन्होंने स्कूल किया। इसके साथ ही उन्होंने फूड इंडस्ट्री में काम करना शुरू किया। साल 2016 में उन्होंने हेल्दी स्नैक्स प्रोडक्ट के साथ हैपिलो की शुरुआत की। 40 वैरिइटी के ड्राई फ्रूट्स, 100 वैरिइटी के चॉकलेट, 60 वैरिइटी के मलासों के साथ उनकी कंपनी आज की तारीख में 500 करोड़ की बन चुकी है।

मंत्री ट्रॉफी क्रिकेट महाकुंभ में राहतगढ़ मंडल में 6 मैंच हुये, जिसमें 12 टीमों ने लिया हिस्सा

मंत्री ट्रॉफी क्रिकेट महाकुंभ में अब तक 562 मैच खेले जा चुके हैं

सागर । सुरखी विधानसभा क्षेत्र में क्रिकेट महाकुंभ की खुमारी इस तरह छाई है कि हर जगह क्रिकेट मैच चल रहे हैं विश्व इतिहास रच चुकी सुरखी विधानसभा फिर एक बार 592 टीमों और 9000 सदस्यों के साथ पुनः इतिहास रचने को तैयार है जिसमें शुक्रवार को राहतगढ़ मंडल में 12 टीमों ने हिस्सा लिया जिसमें राहतगढ़ में चोथे राऊंड के मैच खेले जा रहे है। राहतगढ़ मंडल में 10 ओवर के 6 मैच खेले गये। गौरतलब है कि मंत्री ट्रॉफी क्रिकेट महाकुंभ में अब तक 562 मैच खेले जा चुके हैं।

शुक्रवार को राहतगढ़ के पहले मैच में टीम रॉयल11 राहतगढ़ ने टीम ऐसीसी राहतगढ़ को हराया प्लेयर आफ द मैच आर्यन सोनी रहे। दूसरे मैच में टीम छोटी न्यू स्टार राहतगढ़ ने टीम ढाका जूनियर11 राहतगढ़ को हराया सलमान प्लेयर आफ द मैच रहे। तीसरे मैच में टीम हिनोतिया1 ने टीम खरीगुमरिया को हराया प्लेयर आफ द मैच 3 विकेट लेकर अंकित तिवारी रहे। चोथे मैच में टीम झिलावाले ने टीम रजौली को हराया प्लेयर आफ द मैच योगेन्द्र रहे। पांचवे मैच में टीम टाईगर राहतगढ़ ने टीम भटी राहतगढ़ को हराया प्लेयर आफ द मैच शोहिब रहे।

छटवे मैच में फ्रेंड्स क्लब राहतगढ़ ने ऐजे राहतगढ़ को हराया प्लेयर आफ द मैच अवधेश रहे।

दर्शकों से भरे स्टेडियम में खिलाड़ियों का खूब उत्साह वर्धन हुआ। खिलाड़ियों के चोके छक्कों का स्वागत क्षेत्रवासियों ने तालियां बजाकर किया। इस अवसर पर अरविंद सिंह राजपूत टिंकू राजा, अनिल पीपरा, जितेन्द्र ठाकुर, वसीम खान, आशु जैन, आनंद राज, आसिफ कुरैशी, सोनू सिलावट, मदन घोषी, प्रशांत देवलिया, मुन्ना कुरैशी, संतोष लोधी सरपंच, शैतानसिंह, हनुमत सिंह, प्रियंक तिवारी, आरिफ मंसूरी, नितिन सोनी, अमित चोबे, रामकुमार सेन, जगदीश चोबे, बब्लू पंडा सहित सैकड़ों क्षेत्रवासियों ने स्टेडियम पहुंचकर मंत्री ट्रॉफी के तहत चल रहे क्रिकेट महाकुंभ का आनंद लिया।

मैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर को क्रिटिक्स चॉइस सुपर अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए नामांकित

मुंबई । भारत को ग्लोबल नक्शे पर हर बार एक कदम ऊपर लाते हुए, ग्लोबल सुपरस्टार एनटीआर जूनियर ने क्रिटिक्स चॉइस सुपर अवार्ड्स में %एक्शन मूवी में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का नामांकन% श्रेणी हासिल की। एसएस राजामौली की आरआरआर में अपने परफॉर्मन्स से ग्लोबल शासन हासिल करने वाले पैन-इंडियन सुपरस्टार हर तरह से पूरी तरह से योग्य हैं। कोमाराम भीम के रूप में मैन ऑफ मास एनटीआर जूनियर के परफॉरमेंस ने दशकों पुरानी दीवार को तोड़ते हुए सभी भारतीय कलाकारों और कलाकारों को रोमांचित कर दिया है।

क्रिटिक्स च्वाइस एसोसिएशन (सीसीए) ने कल रात तीसरे वार्षिक क्रिटिक्स चॉइस सुपर अवार्ड्स के लिए नामांकितों का अनावरण किया।उसी के विजेताओं को गुरुवार 16 मार्च को जारी किया जाएगा।

मैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर का प्रदर्शन हमेशा ही शानदार और एक्शन से भरपूर रहा है; अविस्मरणीय सेट पीस से भरा हुआ है जिसे दुनिया भर में लाखों प्रशंसकों द्वारा पसंद किया गया है। एक भारतीय क्रांतिकारी नायक, जिसे भूलना बहुत मुश्किल है, ग्लोबल सुपरस्टार एनटीआर जूनियर ने बार-बार हमारी याद में वॉटरमार्क छोड़कर खुद को पीछे छोड़ दिया है। उसे जंगल में दौड़ते हुए और बाघ के पास वापस दहाड़ते हुए भूलना मुश्किल है!

आरआरआर, एक महान कृति के रूप में, पहले सर्वश्रेष्ठ मूल गीत के लिए गोल्डन ग्लोब जीत चुका है (नातु नातू के लिए, जिसमें एनटीआर जूनियर ने दिल खोलकर डांस किया था), कई अन्य अंतर्राष्ट्रीय तारीफों के बीच। नातू नातू भी इस साल ऑस्कर के लिए नॉमिनेट हैं ! जीत का सिलसिला जारी है क्योंकि आरआरआर को तीसरे वार्षिक क्रिटिक्स चॉइस सुपर अवार्ड्स में बेस्ट एक्शन मूवी के लिए नामांकित किया गया है

तीन सौ उनसठ रूपये की दर से मजदूरों को मजदूरी दिलाने जन आंदोलन चलायेंगे : कुसरे

छिंदवाड़ा । प्रदेश में भाजपा एवं सरकारी विभागों द्वारा विकास यात्रा का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है एवं योजनाओं को बढ़-चढ़कर बताया जाता है । ठा. प्रहलाद सिंह `कुसरे ने वर्तमान मुख्यमंत्री एवं जिले के पूर्व मुख्यमंत्री को आगाह किया है कि जिला एवं प्रदेश में अगर मजदूरों के हितों की बात एवं उनके मसीहा बनने की होड़ है तो ठेकेदारों द्वारा, विभागों द्वारा, सरकारी योजनाओं में लगे मजदूरों को श्रम आयुक्त की निर्धारित मजदूरों जो दैनिक अकुशल मजदूर की मजदूरी 359 रू. तीन सौ उनसठ रूपये है, जहॉ-जहॉ विकास कार्यो के पोस्टर बैनर लगाकर, समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित किये जा रहे हैं एवं पाम्पलेट बॉटे जा रहे हैं, उसी तरह से मजदूरों की निर्धारित मजदूरों के विज्ञापन भी समाचार पत्रों में छपवाये जायें, जिससे समय-समय पर ग्रामों से हो रहा मजदूरों का पलायन रूक हो सके और उन्हे पूरी मजदूरी मिलने से उनका आर्थिक स्तर में सुधार हो सके । वित्त विकास के आदेश वर्ष 2014 के पालन में सभी ठेकेदारों एवं विभागों द्वारा कराये जा रहे कार्यो की मजदूरी का भुगतान उनके खाते में किया जाये और जिस प्रकार से तेन्दूपत्ते का श्रमिक कार्ड और मनरेगा का श्रमिक कार्ड बना हुआ है उसी तरह के श्रमिक कार्ड शासकीय विभागों में लगे मजदूरों के लिये बनाये जायें।

लोक निर्माण सभापति ने सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण

अमरवाड़ा । नगर पालिका क्षेत्र नई आबादी के वार्ड क्रमांक 2 एवं 3 में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण लोक निर्माण सभापति दीपा मुकेश सूर्यवंशी के द्वारा मौके पर जाकर किया गया और वार्ड वासियों की मांग पर सामने से साफ सफाई कराई गई। लोक निर्माण सभापति द्वारा कार्यालय परिसर का निरीक्षण कर बारात घर के आसपास सफाई बरकरार रखने और कार्यालयीन कर्मचारियों को समय पर कार्यालय में उपस्थित रहने के भी उचित दिशा निर्देश दिए गए।

वी आई पी रोड से हटाया अतिक्रमण

निगमायुक्त के निर्देश पर हुई कार्यवाही

छिंदवाड़ा । नगर निगम आयुक्त राहुल सिंह के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण दल ने वार्ड 2 खजरी वी आई पी रोड के अतिक्रमण को हटाया। इस कार्यवाही में अतिक्रमण दल प्रभारी नीरज तांबे, गोविंद चौहान, वार्ड दरोगा राहुल यादव , आशीष उइके सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

जन अभियान परिषद ने दिलाई स्वच्छता की शपथ

छिंदवाड़ा । मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक पवन सहगल, विकासखंड समन्वयक अखिलेश जैन, परामर्शदाता विनोद तिवारी, जयप्रकाश सूर्यवंशी, श्रीमती लता नागले, श्रीमती तृप्ति सिंह, आशीष साहू के कुशल मार्गदर्शन एवं निर्देशन में बीएसडब्ल्यू की विद्यार्थी वंदना ढाकरे ने शहर के आंगनवाड़ी क्रमांक 68 में जाकर शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी ली तथा स्वच्छता की शपथ दिलाई इस अवसर पर बहुउद्देशीय शैक्षणिक विकाश समिति के सदस्य उपस्थित रहे।आंगनवाड़ी केंद्र द्वारा किए जा रहे कार्यों को देखा और समझा, जिसमें शिफा खान , नसरीन बानो, सना, नंदनी, मुस्कान, स्नेहा भटपगार उपस्थित रहे।

मि. छिंदवाड़ा बॉडी बिल्डिंग एवं मेनस फिजिक चैम्पियनशिप आज

छिंदवाड़ा । जिला बॉडी बिल्डिंग एवं फिजिक स्पोर्ट्स एसो. छिंदवाडा के तत्वाधान में जय बजरंग व्यायाम शाला समिति अमरवाड़ा के द्वारा आज 25 फरवरी को नगर पालिका प्रांगण अमरवाड़ा में जिला स्तरीय बॉडी बिल्डिंग एवं मेनस फिजिक चैम्पियनशिप का आयोजन किया जाना है जिला बॉडी बिल्डिंग एवं फिजिक स्पोर्ट्स एसो. के सचिव विक्रांत अहिरवार ने बताया कि इस चैम्पियनशिप में जिले के सभी बॉडी बिल्डिंग एवं मेनस फिजिक के खिलाड़ी भाग लेगें बॉडी बिल्डिंग चैम्पियनशिप छ- वजन वर्गो में व मेनस् फिजिक ओपन ग्रूप में आयोजित होगी इस चैम्पियनशिप में 41000/- कैश प्राइज रखा गया है जो विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जायेगा चैम्पियनशिप के लिए पंजीयन व वजन का समय 11.30 बजे से 2 बजे तक ही बारात घर प्रांगण अमरवाड़ा में किया जाना सुनिश्चित हैं जिले के सभी बॉडी बिल्डिंग एवं मेनस फिजिक के खिलाड़ियों को समय पर उपस्थित होना हैं शाम 5 बजे से चैम्पियनशिप आरंभ हो जायेगी

नगर निगम अध्यक्ष से मिला गांधी गंज व्यापारी मण्डल

छिन्दवाड़ा । गाँधी गंज परिसर में मंदिर के पास लेफ्ट टर्न एवं हाई मास्क लाइट का कार्य करने पर श्री गांधी गंज व्यापारी मंडल ने नगर निगम अध्यक्ष सोनू मागो से मिलकर धन्यवाद दिया गांधी गंज व्यापारी मंडल का एक प्रतिनिधि मंडल ने गांधी गंज की समस्याओं के बारे में ज्ञापन देकर उनसे चर्चा भी की उनके द्वारा यह आश्वासन प्राप्त हुआ है कि *गांधी गंज की रोड,लीज तथा बाकी की व्यवस्थाएं पर भी काम होगा।

नोटिस के बाद टैक्स जमा नहीं करने पर बड़े बकायादारों पर होगी कार्रवाई

नल कनेक्शन काटने के साथ उनके घरों से कचरा न उठाने के निर्देश, आयुक्त ने ली निगम सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक

छिंदवाड़ा । नगर निगम आयुक्त राहुल सिंह ने निगम सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक ली। राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने कम वसूली करने वाले वार्ड मोहर्रिरों को पूर्व में दिए जाने वाले नोटिस के बारे में जानकारी ली तथा लगातार कम वसूली करने वाले कर्मचारियों के वेतन काटने व इन्क्रीमेंट रोकने के निर्देश स्थापना शाखा को दिए। आयुक्त ने बड़े बकायादारों के खिलाफ नोटिस जारी करने और उसके बाद भी टैक्स जमा न करने पर कुर्की की कार्यवाही करने के आदेश दिए।आयुक्त ने साप्ताहिक वसूली के आधार पर अच्छा काम करने वाले मोहर्रिरों की रैंकिंग कर उन्हें सम्मानित करने की बात भी कही वहीं अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अधिक से अधिक नई संपत्तियों को जोड़ते हुए उन्हें कर की सीमा के अंतर्गत लाएं। जलकर वसूली की स्थिति पर गहरा असंतोष व्यक्त करते हुए आयुक्त ने जलकर न वसूल कर पाने वाले कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाई करने के निर्देश देते हुए बड़े जलकर बकायादारों के नल कनेक्शन काटने उनके घरों से कचरा न उठाने के निर्देश संबंधित अधिकरियों को दिए।आयुक्त ने दुकान प्रीमियम व भवन अनुज्ञा के अंतर्गत प्राप्त राशि की भी समीक्षा करते हुए शीघ्र ही लक्षित राशि वसूल करने के लिए आदेशित किया।

सीएम हेल्पलाइन का प्रतिदिन निराकरण करें

सीएम हेल्पलाइन सेक्शन में इस माह पुन: छिन्दवाड़ा के प्रदेश स्तर पर प्रथम आने पर सभी संबंधित कर्मचारियों को बधाई दी तथा ये भी कहा कि वे अपने अंतर्गत आने वाली शिकायतों का प्रतिदिन निराकरण करें अंतिम तिथियों का इंतज़ार न करें।

सहायक यंत्री होंगे जोन ऑफीसर

आयुक्त ने निगम के पांचों जोन कार्यालयों के जोन ऑफिसर सहायक यंत्रियों को बनाने के लिए आदेशित किया। आयुक्त ने जोन कार्यालयों में ही संबंधित क्षेत्रों के जन्म-मृत्यु-विवाह पंजीयन, संपत्ति कर-जलकर वसूली व शासकीय योजनाओं से संबंधित जानकारी एवं फॉर्म आदि प्राप्त करने के कार्य भी किए जाने की व्यवस्थाएं बनाने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

आवासों का निर्माण शीघ्र कराएं

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बचे हुए अप्रारंभ आवासों का निर्माण कार्य शीघ्र आरम्भ किए जाने के सख्त आदेश उप यंत्रियों को दिए। आयुक्त ने विकास यात्रा में प्राप्त आवेदनों के शीघ्र निराकरण करने के लिए भी आदेशित किया। बैठक में निगम आयुक्त ने राजस्व-जलकर वसूली,स्वच्छ भारत मिशन ,कॉलोनियों से संबंधित तथा सफाई से संबंधित शिकायतों के निराकरण के कार्य प्राथमिकता से किए जाने के निर्देश सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को दिए।

भाजपा युवामोर्चा ज़िला अध्यक्ष राणा ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा व उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव से की भेंट

छिंदवाड़ा । भारतीय जनता युवामोर्चा ज़िला अध्यक्ष योगेन्द्र प्रताप राणा ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मा.वी.डी शर्मा जी व मध्यप्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री मा.मोहन यादव जी को छिन्दवाड़ा युवामोर्चा की स्मारिका पुस्तक युवा शक्ति भेंट की साथ ही छिन्दवाड़ा युवामोर्चा के कार्यों व कार्यक्रमों का ब्यौरा दिया व भाजयूमो अध्यक्ष राणा ने उच्च शिक्षा मंत्री जी को छिन्दवाड़ा के युवाओं की शिक्षा व्यवस्था में सुधार व अपग्रेडेशन हेतु माँग पत्र सौंपा जिसमें छिन्दवाड़ा यूनिवर्सिटी के मैनेजमेंट व परीक्षा रिज़ल्ट के समयाअवधि में सुधार के साथ छिन्दवाड़ा मुख्यालय के बाहर के कालेज जैसे सौसर, बिछुआ, हररई, पाँढुर्णा, परासिया, जुन्नारदेव में सभी विषयों पर छात्र छात्रायें पोस्ट ग्रेडुएशन कर सके व कालेजों को अपग्रेड किया जाए साथ ही छिन्दवाड़ा मुख्यालय के गर्लस कालेज में छात्राओं की संख्या देखते हुए एक नया गर्लस कालेज खोला जाए जैसी माँगो को रखा व उच्च शिक्षा मंत्री को छिन्दवाड़ा आने के लिए आमंत्रित किया।

लापरवाही बरतने पर अधीक्षक सह सिविल सर्जन को कारण बताओ नोटिस

छिन्दवाड़ा । कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले द्वारा जिला चिकित्सालय छिंदवाड़ा में अव्यवस्थाओं और मरीजों के साथ निरंतर हो रही घटनाओं पर रोक नहीं लगाने, वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश/निर्देशों की अवहेलना करने, शासकीय कार्यो के प्रति लापरवाही और अनुशासनहीनता बरतने पर जिला चिकित्सालय छिंदवाड़ा के अधीक्षक सह सिविल सर्जन डॉ.महेन्द्र कुमार सोनिया को कारण बताओ नोटिस जारी कर 3 दिनों के भीतर लिखित उत्तर प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये हैं । निर्धारित समयावधि में उत्तर प्राप्त नहीं होने की स्थिति में यह मानकर कि संबंधित को कुछ नहीं कहना है, प्रकरण में एक पक्षीय निर्णय लिया जाकर 2 वेतन वृध्दियां असंचयी प्रभाव से रोके जाने के संबंध में वरिष्ठ कार्यालय को अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिये प्रस्ताव प्रेषित कर दिया जायेगा। कलेक्टर श्रीमती पटले ने बताया कि जिला चिकित्सालय में उपचार के लिये आने वाले मरीजों और अस्पताल में भर्ती मरीजों का समय पर समुचित उपचार करने तथा जिला चिकित्सालय की बेहतर प्रबंधकीय व साफ-सफाई की व्यवस्था के लिए जिला चिकित्सालय छिंदवाड़ा के अधीक्षक सह सिविल सर्जन डॉ.महेन्द्र कुमार सोनिया को निर्देश दिये गये हैं तथा समय-समय पर जिला चिकित्सालय छिंदवाडा का स्वयं निरीक्षण करने के दौरान पाई गई अव्यवस्थाओं को सुधारने, मरीजों को समय पर समुचित उपचार दिए जाने व अस्पताल के बेहतर प्रबंधन के निर्देश दिये गये हैं ।

भाजपा ने फव्वारा चौक में फूंका कमलनाथ का पुतला

कमलनाथ के मदिरा प्रदेश वक्तव्य पर भड़का आक्रोश

छिंदवाड़ा । कमलनाथ के मध्य प्रदेश को मदिरा प्रदेश कहे जाने वाले वक्तव्य पर शहर में भड़का आक्रोश, शुक्रवार को भाजपा जिला अध्यक्ष विवेक बंटी साहू के नेतृत्व में नगर मंडल एक और दो के भाजपा नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने स्थानीय फवारा चौक में एकत्रित होकर जोरदार नारे बाजी कर विरोध प्रदर्शन करते हुए कमलनाथ का पुतला दहन किया, इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष श्री साहू ने कहा की मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय शिवराज सिंह चौहान जी ने विगत दिनों जनता के हित में प्रदेश की सभी शराब दुकानों के अहाते और शॉप-बार बंद किए जाने का निर्णय लिया है, शिवराज सिंह चौहान जी के इस निर्णय की हर तरफ सराहना हो रही है, मगर वही दूसरी तरफ छिंदवाड़ा विधायक और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ मध्यप्रदेश को मदिरा प्रदेश कहकर बदनाम करने का काम कर रहे है जो की घोर निंदनीय है और यह प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ नागरिकों का अपमान है और भाजपा इसे जरा भी स्वीकार नही करेगी, फवारा चौक में विरोध प्रदर्शन और पुतला दहन के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष विवेक बंटी साहू, दौलत सिंह ठाकुर, शेषराव यादव, विजय झांझरी, अलकेश लाम्बा, विजय पांडे, राजू नरोटे, रोहित पोफली, रिजवान कुरैशी, संजय पटेल, गरिमा दामोदर, दिनेश कांत मालवीय, अमर सिंह मरावी, ओम चौरसिया, ओम चौरसिया, पंकज पाटनी, वामन साबले, बिट्टू मंडराह, मोरेश्वर हिवसे, घनश्याम पंजवानी, नितिन मरकाम, रूपेश कैथवास, शैलेंद्र यादव, अर्पण मैद, समीरूद्दीन चानू , माया बंदेवार, जया विश्वकर्मा, कुंदन मिगलानी, जीत सिंह, अंकित सोलंकी, सुमित नामदेव, अरविंद राजपूत, नीता मेहरा, योगेश बेले, शामराव कपाले, अलकेश साव, राहुल रसीला, देवेंद्र गावंडे, दुर्गेश नरोटे, शिखर पांडे, रवि मालवी, रोहित महोरे, विवेक बंटी राय, पप्पू ठाकुर, आलोक साहू, बबलू पराते, भारत घई, शिरीन दुबे, वंदना विश्वकर्मा, श्रद्धा जैन, मुकेश धुर्वे, भार्गव दादा, नौशाद भाई, लकी पाल, कुणाल पाल, राकेश दुबे, रूपेश मोरवानी, शरद जामठे, सुरेन्द्र भारद्वाज, नितिन राऊत, शैलेन्द्र यादव, परेश सिन्हा, श्यामराव कपाले, राकेश सरेठा, जया विश्वकर्मा, वंदना विश्वकर्मा, राजकुमार बघेल, विक्रांत अहिरवार सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भाजपा नगर मंडल ने फूंका पुतला

अमरवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल और ग्रामीण मंडल अमरवाड़ा ने पूर्व मुख्यमंत्री का पुतला दहन फव्वारा चौक अमरवाड़ा में किया भाजपा के कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री कमलनाथ हाय हाय के नारे लगाए और कहा कि मध्य प्रदेश की 8 करोड़ जनता का अपमान नहीं सहेंगे कमलनाथ जी माफी मांगो के नारे लगाए पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ में मध्य प्रदेश की 8 करोड़ जनता का मध्य प्रदेश को मदिरा प्रदेश बोलकर जनता का अपमान किया है जिसमें भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता बालकृष्ण साहू रज्जू चौरसिया सभापति विनोद साहू पूर्व पार्षद मुकेश यादव नगरपालिका उपाध्यक्ष प्रकाश ठाकुर ग्रामीण मंडल के अध्यक्ष विनोद चंद्रवंशी नगर मंडल के मंडल उपाध्यक्ष राजेश सोनी महामंत्री अभिषेक जैन युवा मोर्चा अध्यक्ष अमित नेमा महामंत्री संकेत जैन बसंत साहू नगर मंडल मंत्री पहलाद वर्मा मौजूद रहे वहीं पुलिस के द्वारा भी पुतला छुड़ाने का प्रयास किया गया और नगरपालिका की फायर ब्रिगेड से पानी की बौछार की गई

750 बंदी और 150 कर्मचारियों ने सत्संग का लाभ लिया

जिला जेल में साध्वी प्रतिमा बहन का सत्संग

छिंदवाड़ा । केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की मंशा अनुसार कैदियों का जीवन उन्नत करने के उद्देश्य से , नशे से सावधान रहने , मानसिक तनाव दूर करने , परहित के गुण विकसित करने , धर्मपरायण रहने , अपराध से तौबा करने के निमित्त कई कार्यक्रम सम्पन्न होतें हैं। इसी कड़ी में परम पूज्य संत श्री आशारामजी बापू की कृपापात्र शिष्या साध्वी प्रतिमा बहन का प्रतिमाह सत्संग आयोजन सम्पन होता है। आज जिला जेल में निवासरत लगभग 750 बंदी और 150 कर्मचारियों ने सत्संग का लाभ लिया । साध्वी बहन ने बताया कि आप सब लोग इसे जेल ना समझें। यह एक तपस्या स्थली है । अपना मन ईश्वर में लगाए । विपरीत परिस्थिति हमेशा नहीं रहती । जब भी मानसिक पीड़ा हो , दुःख हो तो भगवान श्री कृष्ण और भगवान श्री राम का जीवन चित्रण याद करें । भगवान श्री कृष्ण का जन्म जेल में ही हुआ । जब उनके जन्म की भविष्यवाणी उनके मामा कंस ने सुनी तो उनके पूज्य माता पिता को कारगार में डाल दिया ; उनके 7 भाइयों की पटक - पटक कर हत्या कर दी । उनका लालन- पालन गोकुल में हुआ । फिर उनके मामा ने उनकी हत्या करने के लिए धोखे से मथुरा बुलाया । वहाँ उन्होंने कंस का वध किया । फिर परिस्थिति ऐसी बनी कि उनको मथुरा भी छोड़ना पड़ा । उन पर रण छोड़ कर भागने का आरोप लगा , माखन चोरी का आरोप लगा , मणि चोरी का भी आरोप लगा महाभारत युद्ध में लाखों लोगों की मौत का आरोप भी उनके सिर ही आया । जब उनका जन्म हुआ तब कोई हँसने वाला नही था और जब शरीर छोड़ा तब कोई रोने वाला नहीं था । आप सब के या हमारे जीनव में ऐसा दुःख है क्या नही तो फिर क्यों उदास हो , क्यो दुखी हो ? ईश्वर का कीर्तन करें , नाम जप करें , परिस्थितियाँ हमेशा बदलते रहती हैं । सत्संग सुनकर बंदियों के आंसू निकल आये । फिर हरि नाम के कीर्तन से पूरा जेल झूम उठा ।

60 विद्यार्थियों को टीसीएस ने दिये प्रमाण पत्र

छिन्दवाड़ा । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व जिले के सांसद नकुलनाथ ने जिले के विद्यार्थियों को एक और बड़ी सौगात दी है। नेताद्वय के प्रयत्नों से 60 छात्र-छात्राओं को टीसीएस का निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त हुआ है। प्रशिक्षण पूर्ण होने पर युवाओं को टीसीएस की ओर से प्रमाण पत्र भेंट किये गये देश ही नहीं अपितु म.प्र. में भी शिक्षा निरंतर महंगी होती जा रही है, जिसके चलते आर्थिक रूप से कमजोर तो दूर सामान्य रूप से सम्पन्न नागरिकों के बच्चों के लिये भी उच्च व तकनीकी शिक्षा हासिल करना बड़ी चुनौती बन चुका है, किन्तु छिन्दवाड़ा जिले के विद्यार्थियों को इन मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ रहा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व जिले के सांसद नकुलनाथ के प्रयासों से जिले के छात्र-छात्राओं को निःशुल्क शिक्षा प्राप्त हो रही है। देश की नंबर एक आईटी कंपनी टीसीएस द्वारा संचालित वायईपी कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण प्राप्तकर्ताओं को प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया। बीए, बीकॉम, बीएससी, बीबीए, बीसीए आदि विषय से स्नातक पास विद्यार्थियों को टीसीएस के यूथ एम्प्लॉयमेंट कार्यक्रम के अंतर्गत 45 दिनों का निःशुल्क प्रशिक्षण सोनी कम्प्यूटर एजुकेशन में प्रदान किया गया। सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके 60 विद्यार्थियों को कंपनी के जोनल लीड एचआर म.प्र., छत्तीसगढ़ विजय पटेल की उपस्थिति में प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया। विद्यार्थियों को कम्युनिकेशन स्किल, रिज्यूमे राइटिंग, ईमेल एटिकेट, इंग्लिश स्पीकिंग, रीजनिंग आदि का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण प्राप्त सभी विद्यार्थियों का आगामी दिनों में मिहान नागपुर स्थित टीसीएस कैंपस में बीपीएस प्रोसेस हेतु इंटरव्यू आयोजित किया जाकर नौकरी के अवसर प्रदान किये जावेंगे।

28 फरवरी से प्रारम्भ होगा नया बैच- जिला कांग्रेस कौशल विकास समन्वयक आतिश ठाकरे द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार बीए, बीकॉम, बीएससी, बीबीए आदि विषय से स्नातक विद्यार्थियों के लिये 28 फरवरी से नया बैच प्रारम्भ किया जा रहा है। जिसमें टीसीएस कंपनी के प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जावेगा। प्रशिक्षण के लिये इच्छुक विद्यार्थी सादे कागज में आवेदन लिखकर राजीव भवन में जमा कर सकते हैं।

बिजली समस्या निवारण प्रकोष्ठ में ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्ति

छिन्दवाड़ा । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के सांसद नकुलनाथ के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस बिजली समस्या निवारण प्रकोष्ठ में ब्लॉक अध्यक्ष मनोनीत किये गये हैं। नवनियुक्त पदाधिकारियों को ब्लॉकवार जिम्मेदारी सौंपी है। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे से विमर्श के उपरांत जिला कांग्रेस बिजली समस्या निवारण प्रकोष्ठ अध्यक्ष मुकेश उपाध्याय ने ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति की है। बिछुआ ब्लॉक अध्यक्ष अरूण वर्मा, अमरवाड़ा ब्लॉक अध्यक्ष रायसिंग वर्मा, अमरवाड़ा नगर अध्यक्ष दिलीप साहू, ब्लॉक चांद अध्यक्ष विनोद पाल, उमरेठ ब्लॉक अध्यक्ष तारेन्द सोनी एवं अमरवाड़ा विधानसभा के अन्तर्गत सिगोड़ी में अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सुनील पाण्डेय को सौंपी है। समस्त नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये इस अवसर पर पृथ्वीराज ठाकुर, राहुल दुबे, राजेन्द्रनाथ, शिवनाथ नारनवरे, आशीष चौधरी, विनय राजपूत, धीरज घोंगे, अशोक पटेल, दुबेलाल वाडिया, बाबा ठाकुर, जितेन्द्र सिंह चौहान, अर्जुन बघेल व अर्पित नायक सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

शराब दुकान हटाने सौंपा ज्ञापन

अमरवाड़ा । नगर के वार्ड 4 में स्थित अंग्रेजी शराब दुकान को हटाने वार्ड वासियों एवं नगरपालिका के दुकानदारों के साथ भाजपा नेता नितिन तिवारी एवं बहुजन समाज पार्टी विधानसभा प्रभारी दुर्गा बंशकार ने कलेक्टर के नाम तहसीलदार अमरवाड़ा को ज्ञापन सौंपा। शराब दुकान को हटाने की मांग करते हुए भाजपा नेता नितिन तिवारी ने कहा अंग्रेजी शराब दुकान उत्कृष्ट विद्यालय, डॉक्टर अंबेडकर पार्क, साप्ताहिक जनबाजार, भीमसेन बाबा एवं शिव मंदिर तथा बस स्टैंड से 100 मीटर के अंदर स्थित है। स्कूली छात्र छात्राएं प्रतिदिन शराब दुकान के सामने से गुजरते हैं जिससे छात्राओं को कई बार अपमानजनक स्थिति का सामना करना पड़ता है ढ्ढ शराबियों का आतंक बस स्टैंड, बाजार, अंबेडकर पार्क मैं हमेशा रहता है नगर पालिका परिषद अमरवाड़ा द्वारा इस संबंध में क्षेत्रीय विधायक राजा कमलेश शाह की उपस्थिति में 22/11/2022 को आयोजित परिषद की बैठक में सर्वसम्मति से शराब दुकान शहर से बाहर स्थानांतरित करने का प्रस्ताव भी पारित किया गया है। बहुजन समाज पार्टी के विधानसभा प्रभारी दुर्गा बंशकार ने कहा शराब दुकान से वार्ड वासियों को अत्यधिक असुविधा का सामना करना पड़ रहा है और आने जाने वाली महिलाओं का रोज शराबियों से आमना सामना होता है जिस से वार्ड में आक्रोश है। इस संबंध में अमरवाड़ा तहसीलदार छवी पंत ने कहा उचित कार्यवाही हेतु ज्ञापन कलेक्टर महोदय छिंदवाड़ा को प्रेषित किया गया है। आबकारी विभाग के अधिकारियों से इस संबंध में चर्चा की जा रही है शीघ्र ही जन भावनाओं का ध्यान रखते हुए उच्च स्तर पर निर्णय लिया जाएगा।

सर्वजन सुखाय, सर्वजन हिताय के उद्देश्य को लेकर है विकास यात्रा: विवेक बंटी साहू

छिंदवाड़ा । छिंदवाड़ा विधानसभा के सारना मंडल के ग्राम रोहनाखुर्द, झिरलिंगा, मेघासिवनी, कपरवाड़ी, कचरिया में विकास यात्रा पहुंची । विकास यात्रा में भाजपा जिलाध्यक्ष विवेक बंटी साहू ने छिंदा से पटनिया तक 3 करोड़ 32 लाख से बनने वाली सड़क का भूमिपूजन हुआ इसके साथ स्टाप डेम, नापेड, नाली निर्माण, आंगनवाड़ी भवन, कलामंच एवं अन्य विकास कार्य कुल मिलाकर 8 करोड़ रूपये के भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया साथ प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराया गया । विकास यात्रा के सभा के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष विवेक बंटी साहू ने कहा कि सर्वजन सुखाय, सर्वजन हिताय के उद्देश्य को लेकर यह विकास यात्रा निकाली जा रही है। प्रदेश की भाजपा सरकार हर पात्र व्यक्ति को लाभ पहुंचाना चाहती है। हमारे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह जी की मंशा है कि कोई भी पात्र व्यक्ति किसी भी योजना का लाभ लेने से किसी भी कारण से वंचित ना रह जाए, इसीलिए यह विकास यात्रा गांव गांव तक पहुंच रही है। किसी भी कारण से कोई पात्र व्यक्ति भाजपा सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं से वंचित रह गया हो तो उसे उसके घर पहुंचकर लाभान्वित कर दिया जाए। भाजपा सरकार सर्वजन सुखाय, सर्वजन हिताय के मूल मंत्र के साथ काम करती है। नाथ परिवार शुरू से शराब माफियाओं को संरक्षण देते हुए महत्वपूर्ण पदों पर आसीन करते आ रहा है। नई शराब नीति लागू होने से नाथ परिवार का दर्द सामने आ गया है कि उनके कृपा पात्रों की शराब दुकानें बंद हो जाएंगी। कमलनाथ जी ये भूल गए हैं क्या कि वे अपने मुख्यमंत्री काल में महिलाओं को नशे की आग में झोंकने के लिए अलग शराब दुकान खोलने वाले थे।

प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शेषराव यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार हमेशा से आम जनता के लाभ और विकास के लिए काम करती है।

संचालक मंडल के दो सदस्यों ने अध्यक्ष को बर्खास्त करने की मांग

परासिया। मध्य प्रदेश की सबसे बड़ी सहकारिता समिति में शुमार क्रेडिट सोसाइटी चांदामेटा के वर्तमान एवं पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ संचालक मंडल के दो सदस्यों द्वारा माननीय हाईकोर्ट में लगाए गए रिट पिटिशन का निर्णय आने के बाद संचालक मंडल के सदस्य देवीराम सूर्यवंशी एवं अतुल सूर्यवंशी ने बताया कि म.प्र. उच्च न्यायालय, प्रधानपीठ, जबलपुर द्वारा रिट याचिका 21963/2019 में पारित आदेश 14 फरवरी 2023 का पालन सुनिश्चित करने हेतु सहकारिता आयुक्त को पत्र लिखकर आदेश का पालन कराने का निवेदन किया गया है। संचालक मंडल सदस्य ने बताया कि मान न्यायालय द्वारा पारित आदेश में समिति के अधिकारीगण मारकण्डेय सूर्यवंशी, किशोर मसीह एवं रवि विश्वकर्मा के विरूद्ध शिकायत की थी। शिकायत में वर्तमान अध्यक्ष एवं पूर्व अध्यक्ष तथा तत्कालीन प्रबंधक के खिलाफ गंभीर आर्थिक एवं प्रशासनिक आरोप उपरोक्त शिकायतपर संज्ञान लेते हुये म.प्र. सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा 59 के अधीन जांचकर्ता अधिकारी का मंडल नियुक्त कर जांच कराई गई । आदेश दिनांक से 15 दिन के भीतर पंजीयक सहकारी संस्थाएँ, रिस्पोडेंट नं. 2 के समक्ष प्रार्थीगणजांच प्रतिवेदन दिनांक 20.08.2019 (एनेक्जर पी-3) के में कार्यवाही की मांग की गई है। कार्यवाही 60 दिन के भीतर की जाना है। आदेश दिनांक 14.02.2023 एवं एनेक्जर पी-3 जांच प्रतिवेदन दिनांक 20.08.2019 इस अभ्यावेदन के साथ दस्तावेज क्र. 01 एवं 02 के रूप में संलग्न है । प्रार्थीगण ने माननीय म.प्र. उच्च न्यायालय के समक्ष रिट याचिका में यह मांग की थी कि रिट याचिका में वर्तमान अध्यक्ष तथा पूर्व अध्यक्ष के विरूद्ध आपराधिक कार्यवाही के साथ-साथ म.प्र. सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा 53 - बी, 58 - बी, एवं 49(9) (बी) एंड (ए) के तहत् कार्यवाही करने की मांग पिटीशन करता द्वारा सहकारिता आयुक्त की गई है।

भोपाल। आज पुलिस कमिश्नरेट भोपाल में भारतीय रेडक्रास के सहयोग से सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को बताया गया कि दुर्घटना या अटैक आने पर किसी व्यक्ति को तत्काल सीपीआर दे कर कैसे बचाया जा सकता है। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक सुधीर सक्सेना, भोपाल पुलिस कमिश्नर मकरंद देउस्कर एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री के आग्रह पर अभिनंदन समारोह कार्यक्रम स्थगित

भोपाल। मुख्यमंत्री सीधी में चुरहट-रीवा नेशनल हाईवे पर बसों एवं ट्रक की टक्कर से हुए भीषण सड़क हादसे मे मारे एवं घायल लोगों की घटना से अत्यधिक व्यथित हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं हमारे प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा जी ने हमारी समिति से आग्रह किया है कि हम आज के नई आबकारी नीति लाने के लिए आयोजित मुख्यमंत्री जी के अभिनंदन समारोह को स्थगित कर दें। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को हुई हृदय विदारक घटना में 17 लोगों की जाने गई और कई लोग घायल हो गए थे, इसमें से कुछ की स्थिति नाजुक है।

हमारी समिति मुख्यमंत्री की व्यथा एवं संवेदनशीलता में सहभागी है तथा हम मृतकों को श्रद्धांजलि एवं उनके परिजनों को सांत्वना देते हैं। हमारी व्यवस्थाओं के कारण घायलों की सेवा में सरकारी व्यवस्था में कोई कमी नहीं रह जाए यह हम सबका सामूहिक विचार है। इसलिए प्रातः 11.30 बजे रविंद्र भवन, भोपाल में मुख्यमंत्री का अभिनंदन समारोह अनिश्चित कालीन स्थगित किया जाता है।

भोपाल। बिरदी फाउंडेशन स्कूल के तत्वावधान में आज रवींद्र भवन में वर्षिक उत्सव का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

इंदौर में पेट्रोल से जलाई गई प्रिंसिपल ने दम तोड़ा:5 दिन मौत से लड़ीं

आज सुबह ली अंतिम सांस; आरोपी पर रासुका लगाई

इंदौर। इंदौर में पेट्रोल डालकर जलाई गई बीएम फार्मेसी कॉलेज की प्रिंसिपल विमुक्ता शर्मा (55) की शनिवार सुबह पौने 4 बजे मौत हो गई। शव का पोस्टमॉर्टम जिला अस्पताल में किया गया। यहां से परिजन शव को घर लेकर जा रहे हैं। उनकी अंतिम यात्रा दोपहर 1 बजे उनके निज निवास 83,आनंद नगर, चितावद से रीजनल पार्क मुक्तिधाम जाएगी। प्रिंसिपल शर्मा पिछले पांच दिन से चोइथराम अस्पताल में भर्ती थीं। उन पर एक पूर्व छात्र आशुतोष श्रीवास्तव ने कॉलेज कैम्पस में हमला किया था। वह मार्कशीट नहीं मिलने और एक प्रोफेसर द्वारा चाकूबाजी का केस दर्ज कराए जाने से कॉलेज मैनेजमेंट से नाराज था। कलेक्टर ने आरोपी छात्र के खिलाफ रासुका भी लगा दी है।

इधर, जांच के दौरान पुलिस को आग लगाए जाने की घटना से जुड़े चार साक्षी मिले हैं। इनमें से एक के बयान करवाए हैं। पुलिस को आरोपी का एक दिन का रिमांड मिला था, उसे आज फिर कोर्ट में पेश किया जाएगा। सिमरोल टीआई आरएन भदौरिया ने बताया कि आरोपी आशुतोष ने जिस पंप से बाइक में पेट्रोल डलवाया था, उसके मालिक और तेजाजी नगर के जनरल स्टोर संचालक, जिनसे बाल्टी खरीदी थी, उनके बयान भी लिए गए हैं। वहीं, घटना के चश्मदीद गवाह इलेक्ट्रिशियन सुनील खैर ने बताया आशुतोष ने बाल्टी भरकर पेट्रोल मैडम के ऊपर डाला था।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने प्रतिदिन पौधरोपण के संकल्प के क्रम में आज सतना के ओम रिसॉर्ट्स में आम का पौधा लगाया। इस दौरान सांसद गणेश सिंह, महापौर योगेश ताम्रकार सहित अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

कांस्टेबल ने खुद को मारी गोली, मौत

खंडवा। खंडवा में एक पुलिसकर्मी ने खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया है। मामला, संत सिंगाजी थर्मल पावर प्लांट की शिवरिया टाउनशिप का है। यहां तैनात विशेष बल के जवान अनुजसिंह पिता शत्रुघ्नसिंह भदौरिया (28) निवासी भिंड ने शुक्रवार देर रात एसएलआर गन से चेहरा भुन लिया। घटना के बाद से मूंदी पुलिस जांच में जुटी है। पुलिसकर्मी के सुसाइड के बाद प्लांट क्षेत्र में सनसनी मची हुई है। जानकारी के मुताबिक, आरक्षक अनुजसिंह भदौरिया को सितंबर 2022 में थर्मल पावर प्लांट पर ड्यूटी थी। तब से वह शिवरिया टाउनशिप में परिवार के साथ रहा था। परिवार में पत्नी और एक बेटा-एक बेटी है। दो दिन पहले ही वह पत्नी, बच्चों को मायके छोड़कर आया था। प्रारंभिक तौर पर पारिवारिक कलह में सुसाइड करना बताते हैं। शुक्रवार को वह रात 10 बजे ड्यूटी पर आया था। रात 12 बजे के करीब आरक्षक अनुजसिंह एसएलआर गन से जबड़े को उड़ा दिया। मूंदी पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

परीक्षार्थी अब केंद्र पर नहीं बदल सकेंगे विषय, 26 फरवरी तक आवेदन में करवा सकेंगे संशोधन

इंदौर। दसवीं-बारहवीं बोर्ड परीक्षा देने वाले जिन विद्यार्थियों ने परीक्षा प्रवेश पत्र भरने के दौरान गलत विषय का चयन किया था। अब माध्यमिक शिक्षा मंडल ने उसे सुधारने का अंतिम मौका दिया है। प्रवेश पत्र में विषय संशोधन के लिए 26 फरवरी तक का समय निर्धारित किया है, क्योंकि परीक्षा वाले दिन अब केंद्र पर विद्यार्थी अपना विषय नहीं बदल सकेंगे। मंडल ने यह व्यवस्था इस साल से बंद कर दी। यही वजह है कि प्रवेश पत्र में संशोधन के लिए तीसरी बार मंडल को लिंक खुलवाना पड़ी है, लेकिन बदलने में विद्यार्थियों से शुल्क वसूला जा रहा है।

गृह निर्माण समितियों में नहीं हो रहे चुनाव, प्रशासकों के जिम्मे हैं कई समितियां

भोपाल। शहर की गृहनिर्माण समितियों में कई तरह की गड़बड़ियां सामने आ रही है। इनको रोकने के लिए सहकारिता विभाग द्वारा समितियों में प्रशासक की नियुक्ति की जाती है। इसके बाद भी सदस्यों को राहत नहीं मिल पा रही है। हालात यह है कि प्रशासक के आधीन इन समितियों के सदस्यों को राशि जमा करने के बाद भी प्रापर्टी नही मिल सकी है और नही यह चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू करा सके हैं। दरअसल प्रशासक का कार्यकाल छह महीने का होता है, लकिन कई समितियों में तो यह समय सीमा भी बीत चुकी है। इसके बाद भी प्रशासक अपना पद नहीं छोड़ रहे हैं और न ही चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू करा रहे हैं। इसी वजह से समितियों के पात्र सदस्य यहां-वहां चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं की जा रही है। इधर सहकारिता विभाग के सूत्र बताते हैं कि सहकारी संस्थाओं के चुनाव का मामला राजीतिनक कारणों के चलते उलझा हुआ है।

नियमानुसार समितियों का कार्यकाल खत्म होने के तीन महीने पहले ही चुनाव प्रक्रिया शुरू कर दी जाना चाहिए, लेकिन अब तक शुरू नहीं हो सकी है। इसी वजह से समितियां प्रशासक चला रहे हैं। इस वजह से समिति के सदस्यों को यहां हो रहे कार्यकलापों की जानकारी मिल रही है और न ही समान्य सभाएं की जा रही हैं। इसी वजह से समितियों के सदस्य इनकी सदस्य संख्या और लेखास्थिति का पता नहीं कर पा रहे हैं।

गृह निर्माण समितियों में यदि प्रशासक है तो उसे आमसभा बुलाना चाहिए। यदि वह आमसभा नहीं बुलाता है तो उस पर सहकारिता के उपायुक्त द्वारा जुर्माना लगाने का अधिकार है। वह प्रशासक पर लगभग 50 हजार रुपये का जुर्माना लगा सकता है, लेकिन जिले में उपायुक्त ने किसी प्रशासक के खिलाफ न जुर्माना लगाया और अन्य कोई कार्रवाई नहीं की है।

यह समितियां है प्रशासक के हवाले

शहर की रोहित, भेल संगम, गुलाबी, महाकाली, गांधी गृह निर्माण, सर्जना, विजय नगर, न्यू विकास, संत तेजाजी, गायत्री, भोपाल नागरिक, लोकमान्य, सैफिया, अम्रपाली, यशी, शासकीय मुद्रण कर्मचारी, नवीन नवयुवक, शैल गृह निर्माण और आदि राज गृह निर्माण समितियों अभी प्रशासक के हवाले हैं। इन प्रशासक को समिति का रिकार्ड कार्यभार संभालते ही नियंत्रण ले लेना चाहिए। इसी के आधार पर सदस्य सूची बनना चाहिए, मतदाता सूची के अनुसार आमसभा बुलाना चाहिए, जिसमें चुनाव कराने की घोषणा करना चाहिए। साथ ही रिकार्ड के आधार पर आडिट कराना चाहिए, लेकिन वह ऐसा कुछ भी नहीं करा रहे हैं।

क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल का सागर पधारने पर परिवहन एवं राजस्व मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने स्वागत किया।

संविदा कर्मचारियों का प्रांतीय सम्मेलन सम्पन्न

मांग उठी जब जनअभियान परिषद के संविदा कर्मचारियों को नियमित किया तो, हमको क्यों नहीं

मोपाल । शनिवार को राजधानी में स्थित पशुपालन प्रशिक्षण सभागृह में प्रदेश के सभी विभागों और उनकी परियोजनाओं में कार्यरत संविदा कर्मचारियों का प्रांतीय सम्मेलन संविदा कर्मचारी अधिकारी महासंघ के तत्वाधान में आयोजित किया गया जिसमें मुख्यअतिथि राज्य सामान्य वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त शिव कुमार चौबे थे, अध्यक्षता म प्र. कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त रमेश चंद्र शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि नगर निगम परिषद के अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी और भाजपा प्रवक्ता पंकज चतुर्वेदी समिति के सदस्य शिवपाल सिंह, बी.एल. शाक्य एवं राजन नायर और विभिन्न कर्मचारी संगठनों के ये कर्मचारी नेतागण उपस्थित थे, अजय श्रीवास्तव नीलू, चंद्र शेखर परसाई, गजेन्द्र कोठारी, अनिल वाजपेयी, श्याम सुंदर शर्मा, मनोज सिंह, वीरेन्द्र खोंगल, भुवनेश पटेल, सतीश शर्मा, महेन्द्र शर्मा, मनोहर गिरी, ओ.पी. गौर., एम.पी. द्विवेदी, सुरेन्द्र कौरव, एस.बी. सिंह, ओ.पी कटियार, उमाशंकर तिवारी, अनिल भार्गव, डी.के. यादव आदि सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी नेता मौजूद थे। बड़ी संख्या में कर्मचारी संगठनों के नेतागण थे । सम्मेलन का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर सरस्वती वंदना के बाद किया गया ।

इस सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न विभागों और उनकी योजनाओं और परियोजनाओं के संविदा कर्मचारियों ने भाग लिया । म.प्र. संविदा कर्मचारी अधिकारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश राठौर ने सभी संविदा कर्मचारियों की और से अतिथियों को अवगत करया कि पंजाब और उड़ीसा में बकायदा कानून बनाकर संविदा कर्मचारियों को नियमित किया गया है वहीं मप्र में जन अभियान परिषद के संविदा कर्मचारियों को नियमित कर दिया गया है, पंचायत कर्मी, शिक्षा कर्मी, गुरुजी दैनिक वेतन भोगी सभी को नियमित किया लेकिन संविदा कर्मचारियों को नियमित करने के लिए 5 जून 2018 की संविदा नीति बना दी जिससे अभी तक कोई भी संविदा कर्मचारी अधिकारी नियमित नहीं हो पाये वहीं 5 जून 2018 की संविदा नीति आने के बाद वित्त विभाग के योजना आर्थिक सांख्यिकी विभाग अंतर्गत जन अभियान परिषद के संविदा कर्मचारियों को योजना आर्थिक सांख्यिकी विभाग ने अपने स्तर पर नियम बनाकर नियमित कर दिया उसी प्रकार सभी विभाग के अध्यक्ष को अधिकार दे दिया जाए कि आपके अधीन संविदा कर्मचारियों को आप अपने स्तर पर नियिमत कर सकते हो । संविदा कर्मचारियों ने ये प्रमुख मांगे सम्मेलन में उपस्थिति मुख्य अतिथि शिव कुमार चौबे और अध्यक्षता कर रहे कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष रमेश चंद्र शर्मा जी के सामने रखी कि संविदा कर्मचारियों को नियमित कर्मचारियों के समान वेतनमान मंहगाई भत्ता, व अन्य भत्ते दिये जाएं तथा वरिष्ठता के आधार पर समय-मान वेतनमान, पदोन्नती क्रमोन्नती,

अनुकम्पा नियुक्ति ग्रेच्यूटी, आदि की व्यवस्था की जाए । सभी संविदा कर्मचारियों को 5 जून 2018 की संविदा नीति के तहत 7 वे वेतनमान का लाभ और अन्य सुविधाएं शीघ्र अतिशीघ्र दिया जाए। संविदा कर्मचारियों के प्रतिवर्ष संविदा नवीनीकरण की शोषण करने वाले प्रथा बंद की जाए। महिला संविदा कर्मचारियों को भी नियमित* *कर्मचारियों की तरह संतानपालन अवकाश (चाइल्ड केयर लीव) का लाभ दिया जाए। जिन विभागों के संविदा कर्मचारियों को वित्त विकास निगम, केन्द्रीय जिला सहकारी बैंक के डाटा एन्ट्री आपरेटर, योजना आर्थिक सांख्यिकी हटा दिया गया है जैसे एसडीआरएफ, बाल विभाग के संविदा कर्मचारियों का वापस लिया जाए । चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी और वाहन चालाके के पदों भवन के शिक्षक, संगतकार, अनुदेशकों महिला आर्थिक को ड्राइंग कैडर घोषित करने की बजाए जो संविदा पर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी और वाहन चालक हैं। उनको उन पदों पर नियमित किया जाए। इन विभागों के संविदा कर्मचारियों ने भाग लिया राज्य शिक्षा केन्द्र अंतर्गत समग्र शिक्षा अभियान, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, मनरेगा स्वच्छ भारत अभियान, मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क विकास प्राधीकरण, आजीविका मिशन. राज्य जल मिशन, स्मार्ट सीटी नगर निगम राजीव गाधी जलग्रहण मिशन, पुरातत्व विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, आदिवासी वित्त विकास निगम, नागरिक आपत्ति निगम, डीआरडीए, आईएलपी शहरी विकास अभिकरण, स्वास्थ्य विभाग, आयुष विभाग, राष्ट्रीय ग्रामीण एवं शहरी स्वास्थ्य मिशन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं यात्रिकी विभाग, ऊर्जा विभाग, बिजली कम्पनी के कर्मचारी, महिला बाल विकास विभाग, महिला आर्थिक विकास निगम, तेजस्वनी परियोजना, किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग, आदिम जाति एवं सामाजिक न्याय विभाग, वन विभाग, चिकित्सा शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, कौशल विकास केन्द्र, नगरीय प्रशासन विभाग, कुटीर एवं ग्रामोउद्योग विभाग, स्कूल शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग, संस्कृति एवं धार्मिक न्यास विभाग, वाणिज्यक कर विभाग, सहकारिता विभाग सुशासन एवं प्रशासन विभाग, समस्त निगम मण्डल, योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी विभाग, पुलिस हाऊसिंग विभाग, मनरेगा एवं रोजगार सहायक, लोक निर्माण विभाग, पशुपालन विभाग, लोक सेवा एवं प्रबंधन विभाग, गर्वनेस विभाग आदि, विकास प्राधीकरण विभाग, पीएचई, हैण्डपंप टैक्नशियन, आवास एवं पर्यावरण विभाग, राष्ट्रीय खाद्य मिशन, आत्मा परियोजना, सामाजिक न्याय, आयुष, नियमित संविदा पैरा मेडिकल विभाग सहित अनेक विभागों के संविदा अधिकारी / कर्मचारियों ने भाग लिया* ।

मार्च से पहले तप रहा मध्यप्रदेश, भोपाल, इंदौर-राजगढ़ में दिन गर्म

भोपाल। मार्च शुरू होने से पहले ही मध्यप्रदेश तपने लगा है। दिन-रात दोनों ही गर्म है। राजगढ़, खरगोन, भोपाल, इंदौर, मंडला, सागर, खंडवा दिन में गर्म है तो नरसिंहपुर, सागर, सीधी और गुना में रात के तापमान ने 17 डिग्री के आंकड़े को छूलिया है। ऐसे में पंखे चलने लगे हैं। मौसम विशेषज्ञों की मानें, तो फरवरी में गर्मी का ट्रेंड बता रहा है कि इस साल गर्मी सबसे लंबी होगी।

प्रदेश में मौसम बार-बार बदल रहा है। कभी बादल छा रहे हैं और तापमान में गिरावट हो रही है, तो कभी पारा तेजी से उछल रहा है। भोपाल में फरवरी में आमतौर पर हल्की ठंड रहती है, लेकिन आखिरी दिनों में पारा तेजी से उछला है। 33 डिग्री के पार पहुंच चुका है। ऐसी ही तस्वीर प्रदेशभर के शहरों में देखने को मिल रही है।

मौसम विशेषज्ञों की माने तो अबकी बार तेज गर्मी मार्च के पहले सप्ताह से ही शुरू हो जाएगी, क्योंकि 28 फरवरी तक प्रदेश में बादल छाने की संभावना है। वहीं, मार्च के दूसरे पखवाड़े में लू चलने के आसार भी है।

मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम हवाएं चलने से हवा में नमी आ गई। वहीं, बादल भी छा गए। इस कारण सूरज की रोशनी जमीन तक आते-आते थोड़ी कमजोर हो गई। इससे दिन के तापमान में थोड़ी गिरावट आई थी, जो अब फिर से बढ़ने लगा है। दूसरी ओर, अब रात का तापमान भी बढ़ेगा। यानि, दिन-रात दोनों में ही गर्मी सताने लगेगी। एमपी मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम हवाएं चलने से हवा में नमी आ गई और कहीं कहीं बादल छाए हुए है।वही तापमान में भी उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है।अनुमान है कि इस बार मार्च के पहले सप्ताह से ही तेज गर्मी शुरू हो जाएगी, क्योंकि 28 फरवरी तक प्रदेश में बादल छाने की संभावना है। वहीं मार्च के दूसरे पखवाड़े में लू चलने के आसार भी है।

मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से ग्वालियर में इस महीने के अंत तक मौसम में उतार चढ़ाव जारी रहेगा। बादल छाएंगे और रात में ठंडक घटेगी, लेकिन वर्षा के आसार नहीं है। वही सभी शहरों में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से अधिक ही बना रहने का अनुमान है। हालांकि रात में गुलाबी ठंडक बनी रहेगी।मार्च में भी पश्चिमी विक्षोभों का आना जारी रहेगा।